रांची, बुधवार
03.12.2025
वर्ष : 11, अंक : 03 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

बिहार विस के अध्यक्ष चुने गए भाजपा के डॉ. प्रेम कुमार

पटना। बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और विधायक डॉ. प्रेम कुमार को निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रेम कुमार के निर्विरोध चुनाव का स्वागत किया। अध्यक्ष चुने जाने के बाद प्रेम कुमार ने कहा कि वह सभी सदस्यों के लिए समान और निष्पक्ष रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि विधानसभा में सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुली और पारदर्शी चर्चा होगी और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलेगी। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बनाए रखना है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने प्रेम कुमार को अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बिहार विधानसभा के लिए एक सकारात्मक संकेत है और इससे राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया और भी मजबूत होगी। प्रेम कुमार ने अपने पहले भाषण में यह भी कहा कि वह सभी विधायकों के सुझावों और विचारों को सम्मान देंगे और किसी भी प्रकार के पक्षपात से दूर रहेंगे।

संचार साथी ऐप पर जनता को भ्रमित कर रहा विपक्षः सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को 'संचार साथी ऐप' को लेकर विपक्ष के सवालों पर कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष जनता को भ्रमित कर रहा है। सिंधिया ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने सदन में इस ऐप की उपयोगिता और इससे उपभोक्ताओं को मिली सुरक्षा का विस्तृत ब्योरा पेश किया है। संचार साथी ऐप कोई जासूसी या कॉल मॉनिटरिंग टूल नहीं है, बल्कि यह जनभागीदारी के सिद्धांत पर आधारित एक सुरक्षा उपाय है। मंत्री ने कहा, ?हमारी जिम्मेदारी है उपभोक्ताओं की मदद करने की। उपभोक्ताओं की सुरक्षा देखने की। संचार साथी एक ऐप है और एक पोर्टल है, जिसके आधार पर हर एक उपभोक्ता अपनी सुरक्षा अपने हाथों से कर पाता है। यह जनभागीदारी का एक कदम है। उन्होंने कहा कि इस पहल का लोगों को स्वागत करना चाहिए, न कि विरोध। इस ऐप का इस्तेमाल वैकल्पिक है। अगर आप चाहते हो, तो इसको सक्रिय करो। अगर आप नहीं चाहते, तो इसे सक्रिय न करो। सिंधिया ने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाया गया है। जनभागीदारी के आधार पर अब तक लगभग 1.75 करोड़ फ्रॉड्यूलेन्ट मोबाइल कनेक्शन निष्क्रिय किए गए हैं। करीब 20 लाख चोरी हुए फोन को ट्रेस किया गया है। 7.5 लाख चोरी हुए फोन सफलतापूर्वक उपभोक्ताओं को वापस सौंपे गए हैं।

एसआईआर पर विपक्ष का हंगामा, दूसरे दिन भी नहीं चल सका सत्र, सरकार ने कहा- चुनाव सुधार पर चर्चा को तैयार

एजेंसी

नंई दिल्ली। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत कुछ मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बाधित लोकसभा की बैठक मंगलवार को दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई, वहीं सरकार ने कहा कि वह चुनाव सुधार समेत हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी लोकसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर पांच मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों का शोर-शराबा जारी रहा। वे -एसआईआर पर चर्चा हो- के नारे लगा रहे थे। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने विपक्षी दलों के सदस्यों से अपनी-अपनी सीट पर बैठने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके जो भी मुद्दे हैं, उन पर सदन में चर्चा कराई जाएगी। उन्होंने कहा, देश की जनता अपने मुद्दों पर यहां चर्चा चाहती है। आप सब जिम्मेदार विपक्ष हैं। कृपया बैठ जाइए।

सैकिया ने विपक्षी सदस्यों का शोरगुल जारी रहने पर कहा, यह तरीका जनता पसंद नहीं करती। ऐसा मत कीजिए। आप सुनियोजित तरीके से बार-बार सदन को बाधित कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है। आपके जो भी मुद्दे हैं उस पर चर्चा करने के लिए सदन तैयार है। पिछले सत्र में भी आपने सदन का समय बर्बाद किया। आपके कारण सदन नहीं चल पा रहा।

उन्होंने कहा, आप क्यों बार-बार एसआईआर पर बोल रहे हैं। एसआईआर पर चर्चा होगी.....बोला गया है। बिहार में एसआईआर हुआ, परिणाम आपने देखा। जनता को बिहार में अच्छा लगा। एसआईआर का जनता ने भरपूर स्वागत किया। हंगामा नहीं थमने पर, उन्होंने अपराह्न दो बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे शुरू होने पर विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी गतिरोध जारी रहने के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, कल भी हमने अनुरोध किया था, आज फिर कर रहा हूं। देश में कई मुद्दे हैं, किसी मुद्दे को हम छोटा नहीं मानते। संसद नियम से चलती है। एक मुद्दे को लेकर आप बाकी मुद्दों को दबा नहीं सकते। इस सदन में कई पार्टियां हैं। हर पार्टी की बात सुननी चाहिए। दो-चार पार्टी मिलकर संसद को ठप करेंगी, यह ठीक नहीं है।

रीजीजू ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा, यह लोकतंत्र है। चुनाव में हार-जीत होती है, मैं भी चुनाव हारा हूं, अटल जी भी चुनाव हारे थे। लेकिन हार की बौखलाहट में आप संसद में गुस्सा निकालेंगे, वो ठीक नहीं है। ऐसी हरकतें करने के कारण आप (विपक्ष) जनता का विश्वास खोते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं आश्वासन देता हूं कि चाहे चुनाव सुधार हो, अन्य कोई भी मुद्दा हो, हम पीछे नहीं हटेंगे। देश के किसी भी मुद्दे पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं।

मंत्री ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में समाधान के लिए कुछ प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया है। हंगामा नहीं थमने पर पीठासीन सभापति पी सी मोहन ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी। इससे पहले सदन की बैठक पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया तो विपक्षी सदस्य आसन के पास आकर नारेबाजी करने लगे। बिरला ने विपक्ष के सदस्यों से अपने स्थान पर जाकर बैठने और प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह किया।

उन्होंने कुछ विपक्षी सदस्यों के आचरण पर चिंता जताते हुए यह भी कहा, जिस तरह का आपका आचरण मैं संसद के अंदर देख रहा हूं और कई सदस्य सदन के बाहर संसद के लिए जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह संसद और देश के हित में नहीं है। अगर उनके राजनीतिक दलों की यही परंपरा है तो देश देख रहा है।

सीए नरेश केजरीवाल से जुड़े ठिकानों पर ईडी का छापा, 65 लाख की नकदी जब्त

एफइएमए के तहत ईडी ने रांची, मुंबई और सूरत स्थित ठिकानों पर छापा मारा

बिभा संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची के चर्चित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) नरेश केजरीवाल और उसके भाई इंदर लाल केजरीवाल और उससे जुड़े लोगों के रांची, मुंबई और सूरत स्थित ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दायरे में कुल 12 ठिकानों को शामिल किया गया है। इसमें रांची के सात, मुंबई के दो और सूरत के तीन ठिकानें शामिल हैं। ईडी ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (एफईएमए) के तहत नरेश केजरीवाल और उसके भाई इंदर लाल केजरीवाल के कार्यालय और आवासीय परिसों पर छापामारी की है।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार रांची में छापेमारी के दायरे में केजरीवाल के चर्च कंप्लेक्स स्थित कार्यालय और पंचवटी प्लाजा स्थित कार्यालय और लालपुर स्थित घर को शामिल किया गया है।

छापेमारी के दौरान 65 लाख रुपये नकद और 55 लाख रुपये के सोना चांदी के सिक्के मिले हैं। साथ ही, हवाला के सहारे पैसों को विदेश भेजने से संबंधित सबूत मिले हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार की सुबह छह बजे नरेश केजरीवाल और उससे जुड़े ठिकानों पर एफईएमए के तहत छापा मारा। छापेमारी के दौरान गिरधर केजरीवाल के ठिकानों से 30 लाख रुपये नकद मिले। अजय केजरीवाल के ठिकानों से 10 लाख रुपये और इंदर केजरीवाल के ठिकानों से 25 लाख रुपये नकद मिले। इसके अलावा इंदर केजरीवाल के ठिकानों से 55 लाख रुपये के सोना-चांदी के सिक्के मिले हैं।

छापेमारी के दौरान मिली इन चीजों को जब्त कर लिया गया है। ईडी की ओर से एफईएमए के तहत की जांच के दौरान इस बात के सबूत मिले थे कि हवाला के सहारे विदेशों में बनी शेल कंपनियों में 1000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया।

साथ ही करीब इतनी ही रकम विदेशों से डिजिटल ट्रांसफर के सहारे मंगाया। यह प्रक्रिया काले धन को ह्वाइट करने की एक सुनियोजित प्रक्रिया के तहत की गयी है। जांच में पाया गया कि केजरीवाल और उससे संबंधित लोगों की ओर से हवाला के सहारे यूएई,यूएसए, नाईजेरिया सहित अन्य देशों में भेजने का काम किया जाता है।

ईडी ने नरेश केजरीवाल के खिलाफ आयकर विभाग की ओर से की गयी छापेमारी के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर इस मामले में एफइएमए के तहत जांच शुरू की थी। ईडी की ओर से की गयी प्रारंभिक जांच के दौरान केजरीवाल की ओर से विदेशों में धन निवेश किये जाने के सबूत मिले हैं।

विदेशों में किये गये निवेश से जुड़े मामलों की जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन किये जाने से संबंधित जानकारी मिली है। ईडी की ओर से की गयी प्रारंभिक जांच के दौरान सीए नरेश केजरीवाल की ओर से दुबई, अमेरिका सहित कुछ अन्य देशों में निवेश से संबंधित सबूत मिले हैं।

इसी के आधार पर ईडी ने एफईएमए के तहत इस सीए और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा मारा है। मामले की प्रारंभिक जांच के दौरान इस बात की जानकारी मिली केजरीवाल को रियल स्टेट और कोयले के कारोबार से संबंध है। नरेश केजरीवाल के भाई इंदर लाल केजरीवाल देबुका कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रहे हैं। इंदर लाल केजरीवाल का संबंध 11 कंपनियों से है। इसमें के फिलामेंट प्राइवेट , श्री श्याम एंब्रॉयडरी प्राइवेट सहित अन्य कंपनियां शामिल हैं।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने एना माइन्स प्रोजेक्ट का किया भ्रमण

बिभा संवाददाता

धनबाद। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव सह राज्य के अतिथि डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा, चेयरमैन कोल इंडिया सनोज कुमार झा तथा डायरेक्टर पीएमओ पार्थिबन पी. ने मंगलवार की देर शाम धनबाद स्थित एना माइन्स प्रोजेक्ट का भ्रमण किया।

इस दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन ने बेलगड़िया टाउनशिप में चल रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पुनर्वास में विस्थापितों को उत्तम सुविधाए, विभिन्न योजनाओं का लाभ और उन्हें उनका अधिकार मिल सके, इसको लेकर कार्य किये जा रहें हैं, ताकि विस्थापितों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो।

इस दौरान प्रधान सचिव डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा ने विस्थापितों से भी बातचीत कर चल रहे कार्यों तथा समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही रोजगार, स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग के प्रति टाउनशिप के विस्थापितों से अपेक्षा भी जानने का प्रयास किया, ताकि उन्हें अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा सके। मौके पर उपस्थित लोगों ने उन्हें 20 ई-रिक्शा वितरण को लेकर भी आभार प्रकट किया। माननीय प्रधान सचिव ने ई-रिक्शा पर बैठ कर उनका हौसला बढ़ाया।

प्रधान सचिव डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा ने उपायुक्त आदित्य रंजन को बेलगड़िया टाउनशिप में रह रहे विस्थापितों को बेहतर से बेहतर व्यवस्था, रोजगार, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ देने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मौके पर एसएसपी प्रभात कुमार, भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल के अलावा अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

लोकसभा में सोमवार को वंदेमातरम और मंगलवार को चुनाव सुधारों पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में चुनाव सुधारों पर चर्चा कराने के लिए तैयार हो गई है। लोकसभा में सोमवार, 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा होगी। इसके अगले दिन मंगलवार, 9 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा कराई जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में यह तय किया गया। उन्होंने बताया कि सोमवार, 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर और मंगलवार, 9 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी।

विपक्ष संसद के पिछले और मौजूदा सत्र में लगातार मतदाता सूची अपडेट करने की प्रक्रिया विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा करता रहा है। सोमवार से शुरू हुई संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही इस मुद्दे पर लगातार दूसरे दिन भी बाधित हुई। केन्द्रीय मंत्री ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि अध्यक्ष की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक सार्थक रही और हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि सोमवार को राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर विशेष चर्चा होगी। यह चर्चा दोपहर 12 बजे शुरू होगी और पूरे दिन चलेगी। इस बात पर भी सहमति बनी कि मंगलवार, 9 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी। इसमें देश में चुनाव और उसकी प्रक्रिया से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा और संवाद हो सकता है। संसदीय लोकतंत्र के लिए चुनाव प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सेवा तीर्थ के नाम से जाना जाएगा प्रधानमंत्री कार्यालय

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के नए परिसर को अब सेवा तीर्थ के नाम से जाना जाएगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत बन रहे परिसर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। इसे पहले एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव के रूप में जाना जाता था। प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा, निमार्णाधीन परिसर में मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और इंडिया हाउस के कार्यालय भी शामिल होंगे, जो आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता का स्थल होगा।

अधिकारियों ने बताया कि सेवा तीर्थ एक ऐसा कार्यस्थल होगा, जिसे सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए डिजाइन किया गया है और जहां राष्ट्रीय प्राथमिकताएं मूर्त रूप लेंगी।

उन्होंने कहा कि भारत के सार्वजनिक संस्थान एक शांत लेकिन गहन बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक शासन का विचार सत्ता से सेवा और अधिकार से उत्तरदायित्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक भी है। राज्यों के राज्यपालों के आधिकारिक आवास राजभवन का भी नाम भी बदलकर लोक भवन रखा जा रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शासन के क्षेत्रों को कर्तव्य और पारदर्शिता को प्रतिबिंबित करने के लिए नया रूप दिया गया है। उन्होंने कहा, हर नाम, हर इमारत और हर प्रतीक अब एक सरल विचार की ओर इशारा करते हैं- सरकार सेवा के लिए है। सरकार ने हाल ही में राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक वृक्षों से घिरे मार्ग के पूर्ववर्ती नाम राजपथ को बदलकर कर्त्तव्य पथ किया था।

व्यापार और आर्थिक दृष्टि से देखी जानी चाहिए पुतिन की भारत यात्रा

एजेंसी

नई दिल्लीः भारत ने आज कहा कि रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं व्यापार संबंधों में प्रगति की दृष्टि से देखी जानी चाहिए।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने यहां बताया कि राष्ट्रपति पुतिन की यह यात्रा भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझीदारी स्थापित होने और वार्षिक शिखर बैठक की शुरूआत के 25 वर्ष पूर्ण होने के मौके पर हो रही है। पुतिन पहली बार वर्ष 2000 में आए थे, उसके बाद ये 23वीं वार्षिक शिखर बैठक है।

अधिकारियों ने कहा कि इस यात्रा को हमारे बढ़ते आर्थिक और व्यापारिक संबंधों के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। पिछले कुछ वर्षो में हमारे द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान व्यापार, टेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष, मीडिया भागीदारी को लेकर हम कई क्षेत्रों में समझौता करने जा रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि दोनों देशों के नेताओं ने व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने को एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र बताया है, जिन्होंने द्विपक्षीय निवेश को 2025 तक 50 अरब डॉलर और द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार 68.7 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसमें भारत से 4.9 अरब डॉलर का निर्यात और रूस से 63.8 अरब डॉलर का आयात शामिल है।

अधिकारियों के अनुसार भारत से निर्यात की प्रमुख वस्तुओं में फार्मास्यूटिकल्स, ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक रसायन, लोहा और इस्पात, तथा समुद्री उत्पाद शामिल हैं, जबकि रूस से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में तेल और पेट्रोलियम उत्पाद, वनस्पति तेल (विशेष रूप से सूरजमुखी तेल), उर्वरक, कोकिंग कोयला, और कीमती पत्थर तथा धातुएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उर्वरक का रूस से आयात महत्पूर्ण है। इस दिशा में दोनों देशों की कंपनियां और भागीदारी बढ़ा रही हैं।

अधिकारियों ने कहा कि रूस देश में मानव संसाधनों का बड़ा ग्राहक रहा है। भारत और रूस कुशल कामगारों को भेजने को लेकर समझौता करने जा रहे हैं जिसका मसौदा फाइनल हो गया है।

उन्होंने कहा कि भारत एवं यूरेशियाई आयोग के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है। पहले दौर की वार्ता भी हो चुकी है। इस यात्रा के दौरान भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिसंघ फिक्की और रूसी व्यापारिक संगठन एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं जिसमें विभिन्न व्यापारिक मुद्दों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि भारत की रूस में राजनयिक उपस्थिति बढ़ी है। कजान और एकार्तिरिन्बर्ग में वाणिज्य दूतावास खोले गए हैं।

एक सवाल के जवाब में अधिकारियों ने कहा कि आतंक भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय एजेंडा का प्रमुख हिस्सा है। दोनों देशों के बीच आतंकवाद से मुकाबले को लेकर साझा तंत्र भी बना हुआ है।

रूसी सेना में भारतीय विद्यार्थियों और कामगारों की भर्ती के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 के बाद हमारे पास कोई पुख्ता मेकेनिज्म नहीं हैं कि हम बता सकें कि कितने लोग विदेश काम करने जा रहे हैं। हम नहीं जानते कितने लोगों की रूसी सेना में भर्ती हुई है।

यूपी कैबिनेट : अयोध्या में बनेगा विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय

एजेंसी

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक हुई जिसमे 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। पर्यटन विभाग अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय तैयार करेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय बनाने का प्रस्ताव भी कैबिनेट के सामने रखा गया। उत्तर प्रदेश सरकार की आगामी कैबिनेट बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े 21 प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिसमे 20 को मंजूरी दी गई।

श्री खन्ना ने बताया कि अयोध्या में टाटा एंड संस को 25 एकड़ जमीन दी गई थी लेकिन उनको और जमीन की आवश्यकता थी की 52.102 एकड़ नजूल भूमि को एग्रीमेंट के तहत दिया जाएगा। इसका उद्देश्य भारत की स्थापत्य कला को बढ़ावा दिया जाएगा।

कल्याण मंत्री ने खूंटी के अड़की प्रखंड स्थित कल्याण अस्पताल का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी । झारखण्ड सरकार के जनजातीय एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने मंगलवार को खूँटी जिले का दौरा करते हुए अड़की प्रखंड पहुँचे। इस दौरान प्रखंड मुख्यालय में संचालित कल्याण अस्पताल का निरीक्षण किया। जिसमें तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा, आईटीडीए डायरेक्टर आलोक शिकारी कच्छप साथ में थे।

इस दौरान ग्रामीणों ने मंत्री को शिकायत कर कहा कि पिछले फरवरी माह से गर्भवती महिलाओं का प्रसव नहीं कराया जा रहा है, एवं गर्भवती महिलाओं का इस अस्पताल में आना काफी कम हो गया है। इलाज नहीं हो पाने के कारण उन्हें काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर उन्होंने अस्पताल के संचालन से संबंधित मरीजों को दिए जा रहे सभी व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा अस्पताल में सेवा दे रहे चिकित्सकों से उनकी योग्यता एवं बिमारियों के उपचार होने की जानकारी ली। चिकित्सकों ने बताया कि मलेरिया, टाईफाइड, कुपोषित एवं रक्ताल्पता के मरीज अस्पताल में आते हैं। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र मलेरिया प्रभावित क्षेत्र है।

वहीं मंत्री ने प्रबंधन को सख्त निर्देश दिया की व्यवस्था को सुचारू रूप से बहाल करें। जिससे कि गर्भवती महिलाओं को परेशानी न हो। साथ ही कार्यरत चिकित्सकों की सेवा रोस्टर लगाने का निर्देश दिया । इसके उपरांत उनके द्वारा आईपीडी, ओटी, एवं लैब का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिया। उन्होंने एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं मिलने पर चिंता जताई और निर्देश दिया कि जल्द से जल्द यह सुविधा मरीजों को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि बहुत जल्द आई एवं डेंटल क्लीनिक शुरू किया जाएगा, जिसे इलाज से संबंधित उपकरण जल्द से जल्द उपलब्ध कराने का आईटीडीए निदेशक आलोक शिकारी कच्छप निर्देश को दिया।

इस मौके पर अस्पताल प्रबंधक इंद्र प्रकाश, डॉ दीपक कुमार, डॉ शुभाशीष चटर्जी, डॉ नीरज मिश्रा, डॉ किरण सिंह, डॉक्टर एस के सिंह आदि उपस्थित थे ।

उपायुक्त ने साफ सफाई, जल जमाव आदि कार्यों सुचारु ढंग से करने का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

रामगढ़: मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में रामगढ़ जिला अंतर्गत नगर परिषद एवं छावनी परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा सर्वप्रथम पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली गई जिसके उपरांत उन्होंने अलग-अलग योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी ली गई एवं नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उनके द्वारा 15वें वित्त आयोग, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के भी समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त द्वारा क्षेत्र में साफ सफाई, जल जमाव आदि के तहत किए जा रहे हैं कार्यों की जानकारी लेते हुए इस पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, नगर प्रबंधक नगर परिषद सहित अन्य उपस्थित थे।

सुखदेव नगर थाना प्रभारी और मुंशी सस्पेंड, युवक आत्महत्या मामले में की गई कार्रवाई

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार को एसएसपी राकेश रंजन ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। एसएसपी ने थाने के मुंशी परशुराम को भी निलंबित कर दिया है। रांची आईजी मनोज कौशिक ने थानेदार और मुंशी के सस्पेंड होने की पुष्टि की है।

गत 29 नवंबर को रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के किशोरगंज रोड नंबर 5 में शादी की खुशियां अचानक मातम में बदल गई थी। दरअसल, नितेश पांडेय नामक युवक जो रेलवे में कार्यरत था उसकी शनिवार को ही शादी थी, लेकिन इससे पहले ही किशोरगंज से रोड नंबर 05 स्थित नितेश पांडेय ने अपने ही कमरे में खुदकुशी कर ली। नितेश द्वारा आत्महत्या को लेकर परिजनों ने सुखदेवनगर पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया था। नितेश के भाई नीरज पांडेय ने बताया था कि 26 नवंबर को उसका तिलक था। इसी बीच प्रियंका नाम की एक लड़की ने उस पर यौन शोषण का आरोप लगाकर केस कर दिया। थाना से बिना किसी जांच के नितेश को हिरासत में ले लिया। इसके बाद उसे छोड़ने के लिए वरीय पुलिस अधिकारियों को मैनेज करने के नाम पर दस लाख रुपये भी वसूले गए।

नीरज पांडेय ने बताया कि थाने के मुंशी परशुराम कभी एक लाख तो कभी दो लाख की मांग करता था। कभी सिटी एसपी, तो कभी कोतवाली डीएसपी के नाम पर पैसे की मांग की जाती थी। थाने से छोड़ने के बावजूद आरोप लगाने वाली लड़की उसे बहुत परेशान कर रही थी, जिसकी वजह से उसने आत्महत्या कर ली।

रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में बारात निकलने से ठीक पहले दूल्हे के खुदकुशी करने के मामले में झारखंड पुलिस मुख्यालय ने गंभीर रुख अपनाया। सोमवार को डीजीपी तदाशा मिश्रा ने मामले की जांच के लिए रांची आईजी मनोज कौशिक को जिम्मेदारी दी थी। साथ ही आरोपित पुलिसकर्मियों को तत्काल लाइन हाजिर करने का भी आदेश जारी किया था। पुलिस मुख्यालय की ओर से रिलीज में बताया गया था कि मीडिया में आई खबर बारात निकलने से ठीक पहले दूल्हे के द्वारा खुदकुशी को लेकर पुलिस महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक झारखंड ने संज्ञान लेते हुए रांची के प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक और वरीय पुलिस अधीक्षक को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये थे।

संक्षिप्त खबरें

तोरपा प्रखंड के 10 ईलाजरत टी0बी0 मरीजों को प्रदान किया खाद्य सामग्री

खूँटी (बिभा)। जिले के तोरपा प्रखंड के 10 ईलाजरत टीबी मरीजों को मुम्बई के एक गैर-सरकारी संगठन ने मंगलवार को पौष्टिक आहार युक्त खाद्य सामग्री प्रदान किया। मौके पर, यह सामग्री प्रखण्ड विकास पदाधिकारी तोरपा नवीन चन्द्र झा और रेफरल अस्पताल तोरपा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मींदेन मुण्डू उपस्थित थे। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने सभी मरीजों को सह-समय जाँच, नियमित दवा और टीबी के प्रचार-प्रसार में अपनी सहभागिता देने के लिए कहा ताकि तोरपा को टीबी मुक्त प्रखंड बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में आशीष वर्मा, अमरनाथ पूर्ती, गुरूपद मुण्डा, विवेक अमन गुडिया एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

बानाबीरा व उड़ीकेल के पंचायत समिति के पदाधिकारियों को किया गया अभिनंदन

खूँटी(बिभा) । जिले के रनिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत मरचा पंचायत के बनाबीरा गांव में एवं उड़ीकेल के गठित पंचायत समिति के पदाधिकारियों को अंग वस्त्र ओढाक र जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता एवं तोरपा प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार की उपस्थिति में स्वागत किया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने पदाधिकारीयों को संबोधित करते हुए कहा कि वे कांग्रेस पार्टी के निति एवं सिद्धांतो को घर घर तक पहुंचने की बात कही साथ ही पंचायत में हर ग्रामीणों के दुख सुख में साथ रहने की बात कही।साथ ही पंचायत को कांग्रेसमय बनाने की बात कही। तत्पश्चात मुरहू के इंदिरा कालोनी में अध्यक्ष रवि मिश्रा ने खिलाड़ियों के बीच जर्सी और फुटबॉल का वितरण किया और कहा कि खेल के क्षेत्र में भी आज भविष्य उज्जवल बनाने की काफी संभावनाएं हैं। मौके पर आदिवासी कांग्रेस कमिटी के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, अनमोल होरो, मार्टिन हेमरोम,अमित कोनगाडी, गोस्सनर तोपनो,मनोज गुप्ता,पौलूस कोनगाडी,विजय हेमरोम,गिलवट गुड़िया, मिलिन्द तोपनो, आदि उपस्थित थे।

नगर पंचायत क्षेत्र में शुरू हुई अलाव की व्यवस्था

खूँटी(बिभा) । जिले में ठंढ बढ़ने की समाचार प्रकाशित होने के बाद नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न चौराहों में नगर पंचायत कार्यालय द्वारा लोगों की समस्या को देखते हुए अलाव की व्यवस्था की गयी । जिसमें शाम होते ही, नगरपंचायत के कर्मियों द्वारा शहर के विभिन्न चौक चौराहों में अलाव लगाया जाता है। ताकि शाम को मजदूर व कार्य के लिए निकलनेवाले लोग अपना शरीर को गर्म रख सकें।जिसमें खूँटी के नेताजी चौक, भगतसिंह चौक, पिपरा टोली, सहित अन्य जगहों में अलाव जलाना शुरू कर दिया गया है। इससे अब शहर में देर शाम तक काम करने वाले मोटिया मजदूर लोगों को ठंढ से बचाव करने लगे हैं। शाम को अलाव जलते ही लोग आग के निकट शरीर गर्म करते हैं।

मृतक परिवारों से मिलकर मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी ने किया सहयोग

खलारी(बिभा)। खलारी प्रखंड के ग्राम डुंडू में शिवनारायण लोहरा और पीयार टांड़ निवासी लेपा मुंडा की अलगझअलग सड़क दुर्घटनाओं में मौत होने की सूचना मिलने पर मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी पीड़ित परिवारों से मिलने उनके गांव पहुंचे। अंसारी ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और दोनों मृतकों के परिवारों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए 50-50 किलो आटा, 50-50 किलो चावल तथा 5-5 किलो तेल राहत सामग्री के रूप में प्रदान किया। साथ ही उन्होंने आगे भी हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने बताया कि कठिन समय में मिली यह सहायता सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि एक बड़ी मानवीय भावना का परिचायक है। स्थानीय लोगों ने कहा कि दुख की घड़ी में किसी का साथ मिलना परिवारों के लिए बड़ा सहारा होता है। समाजसेवी अब्दुल्ला अंसारी ने कहा कि मानव सेवा ही मानवता है।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, निदान को लेकर दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया।

जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने सभी लोगों से एकझएक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा।

प्रखंड लातेहार के जालिमखुर्द पंचायत निवासी शिववरर कुमार सिंह द्वारा अपनी पत्नी के प्रसव संबंधी उपचार हेतु सहयोग राशि उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

आवेदन में उन्होंने उल्लेख किया है कि वे शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं एवं आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर स्थिति में हैं। उनकी पत्नी सदर अस्पताल, लातेहार में भर्ती हैं तथा रक्त की कमी के कारण चिकित्सकों द्वारा प्रसव ऑपरेशन की आवश्यकता बताई गई है। आर्थिक अभाव के कारण ऑपरेशन एवं आवश्यक दवा-इलाज का व्यय वहन कर पाना उनके लिए संभव नहीं है।

आवेदक ने उपायुक्त से अनुरोध किया है कि उन्हें निर्धारित प्रावधानों के तहत सहयोग राशि उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी पत्नी एवं नवजात के उपचार में सुविधा हो सके।

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सिविल सर्जन को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं असहाय परिवारों के लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा।

जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि किसी भी जरूरतमंद को आर्थिक अभाव के कारण उपचार में बाधा न हो। आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से अवैध रूप से निकासी, भूमि विवाद, जमीन अधिग्रहण के संबंध में आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें।

उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य प्रभावित, चिकित्सकों ने सावधान रहने की किये अपील

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में मौसम में बदलाव होने से लोगों को समस्या उत्पन्न हो गई है। वहीं सुबह शाम सर्द हवाएँ बहने से कनकनी बढ़ गयी है। लोग चाय और गर्म पानी का का उपयोग कर रहे हैं। ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है, इसलिए चिकित्सक भी लोगों को सावधान कर रहे हैं। अस्पताल में मौसमी बीमारी से पीड़ित रोगियों की संख्या बढ़ रही है। वहीं जिस प्रकार मौसम बना दिया है इससे ठंड बढ़ने के आसार और भी बढ़ गया है। इससे बचने के लिए चिकित्सक लोगों को अपील करते हुए सावधान कर रहे हैं। ठंड से सुरक्षा के लिए गर्म कपड़े पहनने के लिए सलाह दे रहे हैं। मौसमी बिमारी की संख्या बढ़ी। ब्लड प्रेशर, बीमार और वृद्ध लोगों को रक्तचाप और ब्रैन स्ट्रोक का खतरा के बारे जानकारी दे रहे हैं। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ आनन्द किशोर उराँव ने कहा कि ठंड बढ़ने से ब्लड प्रेशर और गंभीर बीमारी तथा वृद्ध लोगों को समस्या उत्पन्न हो जाती है इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और ब्रेन स्ट्रोक भी होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए ठंड से सुरक्षा हेतु गर्म कपड़े पहनने आवश्यक है। साथ ही, गर्म पेय पदार्थ का सेवन करें। कनकनी सर्द हवा से बचें । वहीं ठंड बढ़ने से मौसमी बीमारी वाले मरीजों की संख्या बढ़ गयी है। अस्पताल में मौसमी बीमारी से पीड़ित लोगों का आना हो रहा हैं।

युवक की गोली मारकर हत्या, आरोपित गिरफ्तार

रांची। रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र के सीठियो में सोमवार की रात आपसी विवाद में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई।एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के अंदर घटना में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 25 साल का अरशद अंसारी सोमवार रात अपने घर के पास बैठकर आग ताप रहा था। तभी बाइक से आए हथियारबंद बदमाशों ने अरशद को गोली मार दी। परिवार और आसपास के लोग उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने अरशद को मृत घोषित कर दिया। अरशद के भाई मो. जिलानी ने बताया कि अरशद पेंट-पुट्टी का काम करता था। जमीन विवाद से उसका दूर-दूर तक नाता नहीं है। फिलहाल पुलिस मामले में जांच कर रही है।

विश्व दिव्यांगता दिवस पर निकाली गयी जागरूकता रैली

रांची : झारखण्ड पेरेंट्स एसोसिएशन के द्वारा विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर एक दिन पूर्व दिव्यांग जनो के समान अधिकार, सम्मान और समाज में समानता हेतु एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम सह रैली कार्यक्रम का आयोजन अरगोड़ा हाउसिंग कॉलोनी, राँची में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड राज्य निशक्तता अब्यानंद अम्बष्ठ और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, परिवर्तन सोसाइटी से स्वेता तिवारी, पूजा कुमारी शामिल हुए। इस दिव्यांगता जागरूकता कार्यक्रम सह रैली को राज्य निशक्तता आयुक्त अब्यानंद अम्बष्ठ और सुरभि सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को आगे बढ़ाया गया जिसमें सभी बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के साथ साथ अभिभावक व संस्था के शिक्षक गण विभिन्न

दिव्यांग जनो के लिए बने स्लोगन पोस्टर लेकर अरगोड़ा मैदान तक सभी गए और समाज में दिव्यांग जनो के प्रति समानता का अधिकार मिले और समाज के मुख्य धारा से सभी दिव्यांग जन मिल सके।

इस दिव्यांगता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य समाज के सभी तरह के दिव्यांग बच्चों के प्रति समाज के सभी लोगो तक दिव्यांगता के प्रति जागरूक लोगो को करना साथ ही समाज में सभी समान्य बच्चों के तरह दिव्यांग बच्चों को समाज मे हक अधिकार शिक्षा,रोजगार, स्वास्थ्य आदि जगहों में मिल सके और प्रत्येक दिव्यांग बच्चे अपना क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ का समाज के मुख्य धारा से जुड़ पाए। इस दिव्यांगता कार्यक्रम का संदेश सम्मान और समानता यही है दिव्यांगता दिवस का संदेश।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के साथ साथ झारखण्ड पेरेंट्स एसोसिएशन के सदस्य गण दीपा चौधरी, सुषमा सरन के साथ साथ स्कूल के शिक्षक अनंजय कुमार, गायत्री कुमारी, दिलीप कुमार समिता बोस और स्कूल के सभी दिव्यांग बच्चों के साथ अभिभावक कार्यक्रम मे सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

खूंटी के अनेक दिव्यांग जनों ने किया मुकाम हासिल

बिभा संवाददाता

खूँटी । आज पूरा विश्व विकलांग दिवस मनाएगा। लेकिन यह बहुत दुःखद है कि आज के दौर में भी विकलांगों को असहाय और हे दृष्टिकोण से देखा जाता है जो कदापि उचित नहीं है। कई ऐसे दिव्यांग उदाहरण बने पड़े हैं जो अच्छे-अच्छे को पछाड़ते हुए एक नामचीन उपलब्धि हासिल करने का गौरव भी प्राप्त किया है। जिसमें खूँटी का दिव्यांग बालक झोंगो पाहन अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाज बनने का गौरव हासिल किया। गनालोया निवासी आँखों से दृष्टिहीन सुरज महतो रेलवे में जॉब कर रहा है, वहीं कई ऐसे लोग मुकबाधिर , पैर से विकलांग आदि नौकरी करके घर चला रहे हैं। इसके अलावे अनेक लोग पैर से लाचार होने के बावजूद दुकान खोलकर व्यवसाय को बढ़ावा दे रहे हैं।

जिले में 700 से अधिक दिव्यांग है पर 547 लोगों को मिल रहा पेंशन लाभ

इन खुशियों लोग दिव्यांग जनों के नाम खूँटी जिले में विकलांग दिवस मनाया जाएगा। लेकिन खूंटी जिले के सभी दिव्यांग जनों को सरकारी हक दिलाने में अभी भी लोग ध्यान नहीं देते हैं। जबकि जिलेभर में 700 से अधिक दिव्यांग युवक युवती महिला पुरुष व बच्चे हैं। लेकिन वर्तमान में लगभग 547 लोगों को ही सरकारी दिव्यांग पेंशन लाभ मिल पा रहा है।

हालांकि जिले के कई ऐसे लोग हैं जो शरीर से लाचार व दिव्यांगता है पर , मानसिक प्रबलता उन्हें आगे बढ़ा रहा है । जिसमें से एक 17 वर्षीय जनजातीय बालक झोंगो पाहन ने वो मुक म हासिल करके दिखा दिया जो खूँटी जिले के किसी शारीरिक बलिष्ठ व्यक्ति आजतक नहीं कर पाया। कोंगो पाहन ने पैर से लाचार होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज बनकर एक होनहारिता प्रस्तुत करके दिखलाया और बतलाया कि मन के साथ है मन के जीते जीत। अब झोंगो पाहन विदेश में तीरंदाजी की प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। जो ऐसे तीरंदाज जिले का पहला तीरंदाज निकला जो विदेश में जाकर अपने देश और जिले का नाम रोशन करेगा। यही मात्र नहीं बल्कि कई ऐसे दिव्यांग और भी हैं जो भले शारीरिक रूप से लाचार हैं लेकिन पेट चलाने के लिए व्यवसाय की दिशा को अख्तियार करते हुए अपने परिवार का भरण पोषण और जीवन यापन कर रहे हैं। वही जिले के कई लोग नौकरी कर रहे हैं। ऐसे दिव्यांग जनों को खूंटी के पूर्व सांसद और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने विकलांग दिवस पर शुभकामनाएं दी और मनोबल ऊँचा रखकर आगे बढ़ने के लिए शुभ कामना दिये। वहीं खूँटी प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने शुभकामना देते हुए आगे बढ़ने का मनोबल बढ़ाया है।

ऑपरेशन सिंदूर में सीआईएसएफ के 19 जवान महानिदेशक पदक से हुए सम्मानित

बिभा संवाददाता

खलारी : सीआईएसएफ के मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अदम्य साहस और उत्कृष्ट कार्य-संपादन का परिचय देने वाले 19 बहादुर जवानों को महानिदेशक पदक (डीजी पदक) से सम्मानित किया। यह सम्मान मई 2025 में सीमा पार तनावपूर्ण परिस्थिति के दौरान जम्मू-कश्मीर स्थित उरी जलविद्युत परियोजना (युएचईपी-1 एवं 2) की सुरक्षा में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान को समर्पित है।स्थानीय जनसमुदाय तथा राष्ट्रीय जलविद्युत परियोजना निगम (एनएचपीसी) के अधिकारियों ने भी सीआईएसएफ के समय पर और प्रभावी हस्तक्षेप की प्रशंसा की, जिसके परिणामस्वरूप दुश्मन की कार्रवाई के दौरान एक भी आम नागरिक हताहत नहीं हुआ और बड़े नुकसान से क्षेत्र को बचाया जा सका। सम्मानित किए गए इन 19 जवानों का अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और दृढ़ मनोबल राष्ट्रभर के सीआईएसएफ कर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका सुरक्षा बलों की वीर परंपरा का स्वर्णिम उदाहरण है।

झारखंड के 1,61,55,740 मतदाताओं की मैपिंग संपन्न

एसआईआर के दौरान कोई भी योग्य मतदाता, मतदाता सूची से छुटे नहीं इसे ध्यान में रखकर कार्य करें पदाधिकारी: के. रवि

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं की पिछली एसआईआर के मतदाता सूची से मैपिंग के क्रम में 1 करोड़ 61 लाख 55 हजार 740 मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत) एएसडी सूची में 12 लाख मतदाताओं को सूचीबद्ध किया गया है। इसके साथ ही मतदाता सूची के मैपिंग के अन्य कार्य प्रगति पर है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मंगलवार को निर्वाचन सदन में कम पैतृक मैपिंग करने वाले विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ एवं सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि पिछली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद राज्य में अन्य राज्यों से आए मतदाता एवं जिन मतदाताओं की पिछली एसआईआर वाले मतदाता सूची से मैपिंग में कठिनाई आ रही है उनकी संबंधित राज्य के सीईओ वेबसाइट अथवा भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट का उपयोग करते हुए मैपिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कम परफॉर्मेंस वाले बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) को चिन्हित करते हुए बैचवार ट्रेनिंग दें। इसके साथ ही मतदाताओं को भी पैतृक मैपिंग की प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि वैसे बीएलओ जो पिछली एसआईआर के मतदाता सूची से मतदाता का विवरण नहीं ढूंढ पा रहे वे अपने जिले मुख्यालय के हेल्पडेस्क मैनेजर से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने ईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों से कहा कि बीएलओ को कार्यक्षेत्र में आने वाली कठिनाइयों का आंकलन करते हुए उनकी सहायता करें, जिससे वे पैतृक मैपिंग के कार्य को आसानी से कर पाएं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि मैपिंग करते समय (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत) एएसडी सूची से भी मिलान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं का पैतृक मैपिंग का कार्य को प्राथमिकता देते हुए करें। अधिक से अधिक पैतृक मैपिंग से एसआईआर के समय कम से कम मतदाताओं को दस्तावेज समर्पित करना पड़ेगा एवं प्रक्रिया में आसानी आएगी। उन्होंने कहा कि एसआईआर के दौरान कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से छुटे नहीं इसे ध्यान में रखकर कार्य करें।

बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर सहित सभी जिलों के ईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य उपकेंद्रों के लिए जमीन चिन्हित करने में लाएं तेजी : सचिव

बिभा संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने राज्य के सभी जिलों को स्वास्थ्य उपकेंद्रों के लिए जमीन चिन्हित करने और चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने मंगलवार को नेपाल हाउस में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयो?जित बैठक में सभी जिलों के सिविल सर्जनों से प्रगति रिपोर्ट मांगी।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ने चेतावनी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में किसी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी और हर जिला समय पर योजनाओं का निपटारा करें।

सचिव ने कहा कि कई जिलों ने जमीन चिन्हित कर ली है, जबकि कुछ जिलों में प्रक्रिया लंबित है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन जिलों में जमीन अभी चिन्हित नहीं हुई है, वे अधिकतम दो दिनों के भीतर चिन्हित कर रिपोर्ट विभाग को सौंपें। इसके साथ ही उन्होंने 15वें वित्त आयोग की राशि से अस्पतालों और सीएचसी में आवश्यक मशीनें उपलब्ध कराने पर भी सचिव ने जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिलों की ओर से ईसीजी, सीटी स्कैन, एमआरआई सहित अन्य जरूरी उपकरणों की वास्तविक आवश्यकता की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए, ताकि राज्य स्तर से मशीनों की खरीद कर उन्हें जिलों को भेजा जा सके।

बैठक में विभाग के उप सचिव ध्रुव प्रसाद सहित अन्यख अधिकारी-पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

रांची में कई थाना प्रभारी बदले, नई जिम्मेदारी के साथ चार अधिकारियों को मिली तैनाती

रांची(बिभा)। जिला पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कई थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारियों का बदलाव किया है। नए पदस्थापनों के बाद संबंधित अधिकारियों ने जल्द ही पदभार संभालने की तैयारी शुरू कर दी है। हिंदपीढ़ी थाना का रंजीत प्रसाद को नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। सुखदेवनगर थाना का सुनील कुमार कुशवाहा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। टाटीसिलवे थाना का हंसे उरांव को नया थाना प्रभारी बनाया गया है। अनगड़ा अंचल का रविन्द्र सिंह को नई तैनाती दी गई है। पुलिस विभाग का कहना है कि यह बदलाव क्षेत्रीय कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए हैं। उम्मीद है कि नए थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बच्चों के लिए फ्री डेंटल चेकअप कैंप एवं जंक फूड 52 हेल्दी फूड जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रांची(बिभा) : मारवाड़ी युवा मंच, रांची शाखा द्वारा 29 निवंबर को रानी सती मंदिर लेन स्थित, श्री रानी सती विद्यालय में बच्चों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं फ्री डेन्टल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। फ्री डेन्टल चेकअप कैंप में डॉक्टरों द्वारा बच्चों के दांतों का निशुल्क जांच किया गया साथ ही दांतों को स्वस्थ खने के तरीके एवं उपाय साझा किए गए। वहीं साथ में जागरूकता कार्यक्रम में लघु नाटिका के माध्यम से बच्चों को जंक फूड से होने वाले स्वास्थ्य पर बुरे असर के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही बच्चों को जंक फूड से दूर रहने और हेल्दी फूड अपनाने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में रांची शाखा अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, सचिव निकुंज पोद्दार, कोषाध्यक्ष गौरव काबरा, मंडलिय उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ,प्रांतीय महामंत्री दीपक गोयनका, प्रांतीय सहसंयोजिका श्रीमती रोजी खंडेलवाल एवं रांची शाखा के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति कार्यक्रम की शोभा और ऊर्जा बढ़ाई एवं कार्यक्रम को सफल बनाया। उक्त जानकारी मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा के प्रवक्ता राघव जालान ने दी।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले का बजरंग दल ने किया स्वागत

रांची(बिभा) : बजरंग दल झारखंड प्रदेश के संयोजक रंगनाथ महतो ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें उसने कहा कि जो लोग इसाई धर्म अपना चुके हैं, उन्हें अनुसूचित जाति (एससी) का लाभ नहीं दिया जा सकता। महतो ने कहा कि यह देशभर के सभी प्रदेशों में होना चाहिए। रंगनाथ महतो ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि अपने फैसले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि प्रदेश में जो कोई भी ईसाई बन गए हैं, उन्हें अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का फायदा नहीं मिलना चाहिए। ऐसे मामलों को 'संविधान के साथ धोखाधड़ी' बताते हुए न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की एकल पीठ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह चार महीने में ऐसे मामलों में कार्रवाई करें। बताएं कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति का फायदा सिर्फ हिंदुओं, सिखों और बौद्धों को मिलता है, उन लोगों को नहीं जो धर्म बदलकर फायदे लेते हैं।

झारखंड ने सौराष्ट्र को 84 रन से हराया

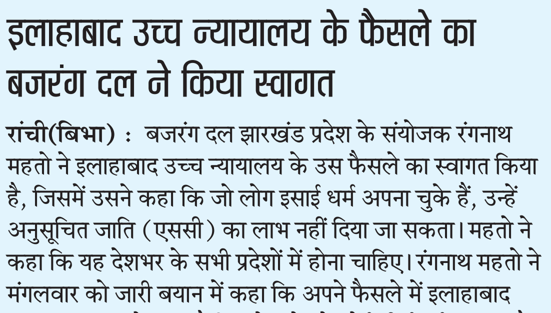

रांची(बिभा) : अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड बी में खेले जा रहे सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी में आज झारखंड ने सौराष्ट्र को 84 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड के कप्तान ईशान किशन ने 50 गेंद पर शानदार 93 रन बनाए जिसके बदौलत झारखंड ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 209 रन बनाए। ईशान किशन ने अपनी पारी में 11 चौके और 3 छक्के लगाए। रॉबिन मिंज 28 अनुकूल रॉय 27 और विराट सिंह ने 20 रन का योगदान दिया। चेतन सक्रिय ने 42 रन देकर 3 विकेट प्राप्त किए। जवाबी पारी खेलने उतरी सौराष्ट्र की टीम 15.1 ओवरों में 125 रन पर ढेर हो गई। टीम के लिए प्रेरक मांकड़ ने 39, रुचित और लक्की ने 20-20 रन बनाए। झारखंड के गेंदबाजों ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी की अनुकूल रॉय ने 25 रन देकर 3 विकेट प्राप्त किए। सुशांत और अमित ने 2-2 विकेट प्राप्त किए।

उपायुक्त ने 10 डीलरों को दिया 4जी ई-पॉस मशीन, ऑफलाइन मोड में भी करेगा काम

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी में डीलरों के बीच उपायुक्त (डीसी) मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में 10, फोर जी ई-पॉस (इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल) मशीनों का वितरण किया। यह ई-पॉस मशीन अब ऑफलाइन मोड में भी काम करेगा। नेटवर्क की समस्या होने के बावजूद अनाज वितरण कार्य प्रभावित नहीं होगा। प्रत्येक मशीन में बायोमेट्रिक (फिंगरप्रिंट) प्रमाणीकरण की सुविधा उपलब्ध है। रियल-टाइम डाटा पोर्टल पर अपलोड होने से जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी संभव हो सकेगी।

इससे संबंधित जानकारी देते हुए डीसी मंजुनाथ भजन्त्री ने कहा कि नवीनतम फोर जी ई-पॉस मशीन राशन डीलरों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत लाभुकों को पारदर्शी और त्रुटिरहित अनाज वितरण सुनिश्चित करने के उद्धेश्यध से दिया गया है। उन्?होंने मौके पर मौजूद सभी डीलरों से अपील किया कि वे इन मशीनों का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। लाभुकों को निर्धारित मात्रा में समय पर गुणवत्तायुक्त अनाज उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि रांची जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि अंतिम छोर के लाभुक तक शत-प्रतिशत पारदर्शी तरीके से अनाज पहुंचे।

फोर जी ई-पॉस मशीनें आधार प्रमाणीकरण, रियल-टाइम ट्रांजेक्शन एवं स्टॉक मॉनिटरिंग की सुविधा प्रदान करती हैं, जिससे फजीर्वाड़ा और अनाज चोरी की संभावना लगभग शून्य हो जाती है।

उन्होंने कहा कि आनेवाले दिनों में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शेष सभी डीलरों को भी ये आधुनिक मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। डीसी ने सभी डीलरों से अपील किया कि वे इन मशीनों का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। लाभुकों को निर्धारित मात्रा में समय पर गुणवत्तायुक्त अनाज उपलब्ध कराएं। साथ ही, किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर तुरंत जिला आपूर्ति कार्यालय से संपर्क कर अविलंब समस्यार का निदान करें। मशीन वितरण कार्यक्रम में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, मोनी कुमारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पांडेय, जिला जन संपर्क पदाधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी और कई राशन डीलर मौजूद थे।

वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में झारखंड से पांच हजार कार्यकर्ता होंगे शामिल : कमलेश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में मंगलवार को रांची के कांग्रेस भवन में हुई।

बैठक में आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ रैली की तैयारी को लेकर चर्चा हुई। रैली में अधिक से अधिक कार्यकताओं की भागीदारी झारखंड से हो इस पर जिलावार समीक्षा की गई। साथ ही झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत होने वाले मतदाता पुनरीक्षण की प्रक्रिया का विरोध करने पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि केंद्र सरकार की जिम्मेदारी लोगों के अधिकारों की रक्षा करना है, लेकिन अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने की जगह सरकार अधिकारों को छीन रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के माध्यम से देश में एसआइआर के जरिए विपक्ष के समर्थक मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं और फर्जी मतदाताओं का नाम जोड़कर राज्यों के चुनाव की चोरी की जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आम जनता एसआइआर की जटिल प्रक्रिया नहीं समझ पा रही है और लोग दशकों पूर्व के कागजात खोजने में परेशान हैं। उन्होंकने कहा कि काम के दबाव में बीएलओ आत्महत्या करने को विवश हैं। कांग्रेस पार्टी ऐसी स्थिति को बर्दाश्त नहीं कर सकती है। हमलोग एसआइआर का पूरजोर विरोध करेंगे। उन्होंने बताया कि 14 दिसंबर की रैली में झारखंड से पांच हजार लोग शिरकत करेंगे।

जनता दरबार में पंजी-2 सुधार सहित कई समस्याओं का हुआ समाधान

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर मंगलवार को जिले के सभी अंचलों में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया गया। मौके पर विभिन्न अंचलों में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिलेवासियों को प्रमाण पत्र, राजस्व से संबंधित कार्य, पंजी-2 सुधार, सामाजिक सुरक्षा, मुआवजा, आवासीय और आय प्रमाण पत्र, केसीसी सहित अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

इस दौरान आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके निष्पादन की दिशा में कदम उठाये गया।

वहीं उपायुक्त कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि जनता दरबार के दौरान सोनाहातू अंचल में जनता दरबार के दौरान दिनेश कुमार महतो को आचरण प्रमाण पत्र, मुटुक देवी को पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र दिया गया।

अनगड़ा अंचल में जनता दरबार अत्यंत उपयोगी रहा, जहां कई लंबित राजस्व मामलों का निपटारा किया गया। भू-अर्जन से संबंधित जीतराम भोगता, ग्राम हुण्डुरू के मामले में मुआवजा राशि भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई और उनके पंजी-2 में भी सुधार किया गया। महाबीर भोगता, मो जिबरील एवं महताब आलम के पंजी-2 में सुधार कार्य निष्पादित किया गया।

इसी तरह माण्डर अंचल, ईटकी अंचल, राहे अंचल, बेड़ो अंचल सहित अन्य अंचलों में भी लोगों की समस्याओं के समाधान कर उसके निदान किया गया।

इधर, उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य जनता को सुविधाओं के लिए भटकने से बचाना। सरकारी सेवाओं को जन-जन तक तत्परता के साथ पहुंचाना है। उन्होंने प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार का नियमित आयोजन कर नागरिकों की समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से करने के निर्देश को दोहराया। मौके पर विभिन्न अंचलों के पदाधिकारी कर्मी सहित ग्रामीण मौजूद थे।

राउंडटेबल लेडीज सर्कल ने ओयेना गांव के बच्चों को जू का भ्रमण कराया

बिभा संवाददाता

राँची : समारिटन राउंडटेबल 244 एवं लेडीज सर्कल ने ओयेना गाँव के पैंसठ बच्चों को बिरसा जैविक उद्यान का भ्रमण करवाया। बच्चों को वुलन कैप, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट्स प्रदान किये । साथ ही बच्चों को फूड पैकेट्स बांटे गए और उन्हें रेस्तरा में लंच भी कराया। मौके पर राउंडटेबल 244 , लेडीस सर्कल के अविनाश जैन, आयुष मोदी, अंकित धनधारिया, निधि जैन, अंकिता मोदी, आदित्य अग्रवाल मौजूद रहे एवं कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

उक्त जानकारी मीडिया कन्वेनर पौरुष जैन, प्रीति सराफ दी ।

राउंडटेबल इंडिया का मुख्य उद्देश्य फ्रीडम थ्रू एजूकेशन हैं। राउंडटेबल एवं लेडीज सर्कल ने हजाम बस्ती हटिया स्थित पारसनाथ पब्लिक स्कूल रांची एवं खूंटी बारह क्लासरूम एवं दो टोईलेट ब्लॉक का निर्माण करवाया है। इस स्कूल में सैकड़ो छात्र निशुल्क अथवा अत्यंत निम्न शुल्क में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं ।

राउंडटेबल इंडिया एवं लेडीज सर्कल इंडिया युवाओं की एक सामाजिक संस्था है जो अंडरप्रिविलेज्ड बच्चों के लिए स्कूल का निर्माण करती है जिसके तहत देशभर में अबतक दस हजार से ज्यादा क्लासरूम का निर्माण संस्था द्वारा किया जा चुका है।

छात्रों के मांगों को लेकर जेएलकेएम का पदयात्रा 4 से, 10 को धरना-प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची : राज्य में शीतकालीन सत्र की शुरूआत होने जा रही है। यह चतुर्थ विधानसभा सत्र 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक चलेगी। विधानसभा सचिवालय की ओर से औपबंधिक रूटिंग जारी हो चुका है। विभिन्न जन कल्याण से जुड़े मुद्दों पर बहस होगी। इसी बीच 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' छात्रों के मांगों को सदन के बाहर आंदोलन करेंगे। पार्टी संगठन की ओर से आज रॉयल ब्लू रेस्टोरेंट हजारीबाग में बैठक संपन्न हुआ। बैठक में सामूहिक रूप से छात्रों के मांगों को लेकर राज्य सरकार पर प्रहार करने रणनीति तय हुआ। संगठन के द्वारा पदयात्रा करते हुए राजधानी तक पहुंचकर विधानसभा के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने जानकारी देते हुए कहा कि यह पदयात्रा बोकारो (डुमरी) से प्रारंभ होकर रामगढ़ होते हुए राजधानी रांची को प्रवेश करेगी। एवं 10 दिसंबर को विधानसभा के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

बताते चलें कि यह आंदोलन छात्रों के लंबित छात्रवृत्ति आवंटन, परीक्षा कैलेंडर को लागू करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं को ससमय संपन्न करने, खतियान आधारित नियोजन लागु कर सभी रिक्त पदों को भरने आदि विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन किया जाएगा।

आज के बैठक में देवेंद्रनाथ महतो, मोतीलाल महतो, मनोज यादव, महेंद्र प्रसाद मंडल, दिनेश साहू, बेरोजगार पनेसर, राजदेश रतन, सूरज साहू आदि वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

बताते चलें की यह पदयात्रा 4 दिसंबर को बोकारो (डुमरी) से प्रारंभ होकर अपने निर्धारित जारी रूट से 9 दिसंबर को राजधानी रांची पहुंचेगी एवं 10 दिसंबर (बुधवार) को विधानसभा के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने सिरिवेल्ला और भूपेंद्र में बांटी जिम्मेवारी

बिभा संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड प्रभारी के राजू ने संगठन को और अधिक गतिशील बनाने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव डॉ सिरिवेल्ला प्रसाद और भूपेन्द्र मरावी के बीच कार्यों की जिम्मेवारी बांट दी है।

कार्यों के वितरण होने से संगठन को सृजन अभियान सहित तमाम प्रकोष्ठों और अग्रणी मोर्चा को गति मिलेगी।

इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने मंगलवार को बताया कि दोनों सचिवों के साथ कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की और शहजादा अनवर को भी जिम्मेवारी सौंपी गई है।

डॉ सिरिवेल्ला प्रसाद के साथ शहजादा अनवर 13 जिलों का आवंटन किया गया है। इसमें संताल परगना संभाग के सभी 6 जिले (साहेबगंज, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, देवघर, जामताड़ा), दक्षिणी छोटानागपुर संभाग के सभी 6 जिले (रांची नगर एवं ग्रामीण, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा) और पलामू संभाग के अंतर्गत- लातेहार जिला जेपीसीसी प्रकोष्ठ, विभाग और मोर्चों का आवंटन किया गया है। साथ ही एससी विभाग, ओबीसी विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, महिला कांग्रेस, फिशरमैन कांग्रेस, लॉ, मानव अधिकार और आरटीआई विभाग, एसेट्स झ प्रोपर्टीज विभाग, मीडिया और सोशल मीडिया विभाग एवं कांग्रेस कनेक्ट सेंटर का भी आवंटन किया गया है।

वहीं सचिव भूपेन्द्र मरावी के साथ बंधु तिर्की को 12 जिलों का आवंटन हुआ है। इसमें उत्तरी छोटानागपुर संभाग के सभी 7 जिले (हजारीबाग, गिरिडीह, चतरा, रामगढ़, धनबाद, बोकारो, कोडरमा), कोल्हान संभाग के सभी 3 जिले (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसावां), पलामू संभाग के 2 जिले-(पलामू और गढ़वा) जेपीसीसी प्रकोष्ठों, विभागों और मोर्चों का आवंटन इस दौरान जेपीसीसी प्रकोष्ठों, विभागों और मोर्चों का आवंटन किया गया है। इसमें आईवाईसी, एनएसयूआई, आदिवासी कांग्रेस, सेवादल, आरजीपीआरएस, किसान कांग्रेस, अनऑर्गनाइज्ड कांग्रेस, जवाहर बाल मंच शामिल है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. : टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-13, दिनांक 28.11.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस तथा वित्तीय रूप से कार्य सम्पन्न करने की क्षमता रखने वाले अपेक्षित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा केस सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-13, कार्य का नामः** (क) एईएन/बीआरएल/एएसएन के अधीन पुल सं. 12, 17 एवं 18 (एमडीपी-जीआरडी) की री-गर्डरिंग एवं जैकेटिंग के साथ सब-बैंक का प्रावधान तथा अन्य आनुषंगिक कार्य। (ख) आसनसोल मंडल - एईएन/बीआरएल/एएसएन के अधीन केएएन-एएसएन एमएल लाइन अनुभाग के बीच पुल सं. 520/बी की री-गर्डरिंग तथा अन्य आनुषंगिक कार्य। (ग) आसनसोल मंडल - यूडीएल-एएसएन अनुभाग में आरएनजी-केपीके के बीच पुल सं. 509 (अप/2) की री-गर्डरिंग तथा अन्य आनुषंगिक कार्य। (घ) आसनसोल मंडल - एसटीएन-जेएजे अनुभाग में पुल सं. 643/अप एवं डाउन के बीजीएमएल स्टैड. गर्डर के प्रतिस्थापन के साथ पायरों एवं अब्टमेंटों की जैकेटिंग सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। (ङ) आसनसोल मंडल - विद्यासागर में फूट ओवर ब्रिज के प्रावधान के साथ अन्य आनुषंगिक कार्य। (च) आसनसोल मंडल - मुगमा स्टेशन यार्ड की रीमॉडलिंग। (छ) आसनसोल मंडल - पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के दुर्गापुर में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का प्रावधान। (ज) टीओपी-बीबीआई कॉर्ड लाइन अनुभाग में एल.सी. गेट 3सी/ई की इंटरलॉकिंग तथा उन्नयन। (झ) यूडीएल-एसएनटी अनुभाग में एल.सी. गेट 27/सी/ई की इंटरलॉकिंग तथा उन्नयन। (ञ) टीओपी-बीबीआई मेन लाइन अनुभाग में एल.सी. गेट 6एबी/ई की इंटरलॉकिंग तथा उन्नयन। (ट) एसएनक्यू-जेएसएमई के बीच किमी. 318/1-3 (किमी. 318.059) पर एल.सी. गेट 28 एसपीएल/ई के स्थान पर एलएचएस का निर्माण। **निविदा मूल्यः** रु. 1,81,83,314.82; **बयाना राशिः** रु. 2,40,900; **कार्य समापन अवधिः** स्वीकृति पत्र जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधताः** खुलने की तारीख से 45 दिन। **खुलने की तारीख एवं समयः** 30.12.2025 को अपराह्न 03.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-260/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बोकारो स्टील प्लांट ने नवंबर 2025 में रचा नया इतिहास

उत्पादन, गुणवत्ता व दक्षता के सभी आंकड़ों में बीएसएल ने बनाया रिकॉर्ड

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने नवंबर 2025 में उत्पादन, गुणवत्ता और परिचालन दक्षता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त करते हुए अपना अब तक का सर्वोत्तम प्रदर्शन दर्ज किया है। संयंत्र ने लगभग सभी महत्वपूर्ण तकनीकी और आर्थिक संकेतकों में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। संयंत्र के अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन एवं अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) अनूप कुमार दत्त के कुशल नेतृत्व

में बीएसएल ने उत्पादन और विक्रय से जुड़ी कई प्रमुख उपलब्धियों को छुआ। 30 नवंबर को सिंटर प्लांट की 2.5 सिंटर मशीन ने 19,514 टन उत्पादन कर पूर्व के 19,359 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसी प्रकार, 26 नवंबर को ग्रैन्युलेटेड स्लैग का उत्पादन 6,850 टन तक बढ़ गया, जो संयंत्र के इतिहास में नया उच्चतम स्तर है।मासिक उत्पादन में भी बीएसएल ने जबरदस्त बढ़त दर्ज की, 2.5 सिंटर मशीन ने नवंबर महीने में कुल 5.27 लाख टन उत्पादन किया। कोल केमिकल्स की बिक्री में भी तेजी आई, जो अक्टूबर के 85.7 करोड़ रुपये से बढ़कर नवंबर में 106.3 करोड़ रुपये हो गई।डाउनस्ट्रीम इकाइयों में भी सकारात्मक उछाल देखने को मिला है। कोल्ड रोल्ड सेलेबल स्टील का उत्पादन बढ़कर 1.21 लाख टन हुआ, जो पिछले वर्ष के 1.13 लाख टन से बेहतर है। साथ ही, सेलेबल स्टील डिस्पैच 3.55 लाख टन तक पहुंच गया। संयंत्र की ऊर्जा खपत में भी सुधार दिखा है, जो 6.392 Gcal प्रति टन कॉइल स्टील से कम हो गई, इससे परिचालन दक्षता में वृद्धि का पता चलता है। तकनीकी क्षेत्र में भी दो बड़ी उपलब्धियां इस महीने दर्ज हुईं। बीएसएल ने पहली बार उच्च तनाव वाले ऑटोमोटिव ग्रेड ISC550LA का उत्पादन सफलतापूर्वक किया, जो गुणवत्ता और तकनीकी उन्नति का प्रतीक है। इसके अलावा, एसएमएस-क्क में एक ही टंडिश से 35 हीट्स की कास्टिंग कर नया रिकॉर्ड स्थापित किया गया, जो ताप प्रबंधन और प्रक्रिया कुशलता का उत्कृष्ट उदाहरण है।बीएसएल प्रबंधन ने कर्मचारियों को इन उपलब्धियों के लिए बधाई दी और भरोसा जताया कि संयंत्र आने वाले समय में भी इस प्रगति की रफ्तार बनाए रखेगा और नए मानदंड स्थापित करेगा।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा बोकारो जिला के आंदोलनकारियों को सम्मानित करने की मांग

बिभा संवाददाता

बोकारो। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा बोकारो जिला के अध्यक्ष राजदेव माहथा के नेतृत्व में मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो उपायुक्त श्री अजय नाथ झा से भेंट कर एक मांग-पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने जोर देकर कहा कि 15 नवम्बर 2025 को राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ और भगवान बिरसा मुंडा के 150वें जन्मदिवस पर कैम्प 2 स्थित शिबू सोरेन स्मृति भवन टाउन हॉल में आयोजित समारोह के दौरान विभिन्न आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र, प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।मांग-पत्र में अनुरोध किया गया है कि बोकारो जिले के शेष प्रखंड जैसे चास, चंदनकियारी, जरीडीह, चन्द्रपुरा, कसमार, बेरमो सहित अन्य प्रखंडों के अधिसूचित आंदोलनकारियों को भी जिला मुख्यालय में एक अलग समारोह कर समान रूप से सम्मानित किया जाए।

बोकारो उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि वे 15 दिसंबर 2025 से पहले शेष बचे सभी आंदोलनकारियों का सम्मान कर देंगे।मौके पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजदेव माहथा, जिला सचिव जगतू राम मांझी, जिला संयुक्त सचिव परमेश्वर मंडल, चास प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष गोलबाबु अंसारी, उपाध्यक्ष सुनील कुमार महतो, चास नगर अध्यक्ष बिमल चंद महतो सहित दर्जनों अन्य आंदोलनकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

डीवीसी के वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान को डीवीसी ओबीसी एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन ने स्वागत किया

बोकारो (बिभा): दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना श्री राम कुमार अनुभवी का चंद्रपुरा में पदस्थापना के बाद डीवीसी ओबीसी इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने उन्हें गुलदस्ता देकर स्वागत किया। संगठन के सदस्यों ने श्री अनुभवी को आश्वासन दिया कि वे चंद्रपुरा प्लांट संचालन और भविष्य में यहां लगने वाले 1600 मेगा वाट के दो यूनिट के स्थापना में डीवीसी प्रबंधन को उनका भरपूर सहयोग करेगा। इस अवसर पर एसोसिएशन के महासचिव श्री केपी सिंह, सेंट्रल कमिटी के सदस्य, यूनिट कमिटी के सदस्य श्री ओम प्रकाश पंडित, श्री राजीव कुमार महतो, श्री कुमार अमित, श्री प्रेम चंद महतो, श्रीमती सुनीता कुमारी, श्री कुंदन कुमार, श्री एच एम प्रजापति, श्री जितेंद्र कुमार, श्री कमल रमानी, श्री अमिताभ घोष, श्री समरेश सिंह, श्री राज किशोर महतो, श्री उपेंद्र कुमार मंडल, मो. अली असगर अंसारी, मो. तौफीक अहमद इस मौके पर मौजूद थे।

डीजी रेल, अनिल पलटा को बॉक्सा ने दी बधाई

बोकारो(बिभा)। बोकारो ओल्ड जेवरियन एसोसिएशन (बॉक्सा) ने सेंट सेवियर स्कूल के पूर्व छात्र और वर्तमान ने डीजी, रेल-अनिल पलटा को उनके जन्मदिन पर बधाई प्रेषित कर शुभकामनाएं दी। बधाई देने वालों में फादर अरुण मिंज, चंद्रिमा रे , साजन कपूर, रजत नाथ, संजय पटनायक, मिनी स्टीफन कपूर, डॉक्टर कुमार राजदीप, सुब्रतो बनर्जी सहित कई शामिल रहे। अनिल पलटा ने सभी को उनके जन्मदिन पर शुभकामना देने पर आभार व्यक्त की है।

आज 10 बजे से 3:30 बजे तक 33 केवी फुंदनीडीह व सीटीपीएस-चास लाइन बंद रहेंगी

बोकारो(बिभा)। डीवीसी द्वारा 132 केवी ओवरहेड कंडक्टर के डिस्मैंटलिंग कार्य के चलते कल (बुधवार) को 33 केवी फुंदनीडीह और 33 केवी सीटीपीएसझ्रचास लाइन में शटडाउन लिया जाएगा। यह शटडाउन सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान फुंदनीडीह तथा चास स्थित पावर सब-स्टेशन प्रभावित रहेंगे, जिसके कारण सम्बद्ध क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय में आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें और सहयोग बनाए रखें।अधिकारियों के अनुसार, डीवीसी द्वारा चल रहे तकनीकी कार्य को सुरक्षित ढंग से पूरा करने के लिए यह शटडाउन आवश्यक है। कार्य पूर्ण होते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

झामुमो नेता मंटु यादव एवं बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार, ओपी थाना प्रभारी की पहल पर कंपनी प्रबंधन और मृतक के परिजनों के बीच बनी सहमति

बोकारो(बिभा) : जिले के बालीडीह औद्योगिक क्षेत्र स्थित रेल पाटिल फैक्ट्री में एक अत्यंत दुखद दुर्घटना घटित हुई, जिसमें झोपड़ी कॉलोनी निवासी एक युवा श्रमिक, आशुतोष कुमार (25 वर्ष), की कार्यस्थल पर मृत्यु हो गई। इस गंभीर हादसे के बाद, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता मंटु यादव ने फैक्ट्री प्रबंधन की सुरक्षा मानकों में घोर लापरवाही के खिलाफ कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। मंटु यादव ने प्रबंधन पर आरोप लगाया कि वे लगातार मजदूरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं और झारखंड सरकार के औद्योगिक सुरक्षा नियमों का बिल्कुल भी पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सुरक्षा व्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं हुआ तो लापरवाह कंपनियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और फैक्ट्री के गेट पर ताला जड़ने का काम किया जाएगा। मुआवजे पर बनी सहमति मंटु यादव की त्वरित पहल और स्थानीय समुदाय के नेताओं के साथ हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद, रेल पाटिल फैक्ट्री प्रबंधन मृतक के परिजनों को कुल ?14 लाख का मुआवजा देने पर सहमत हो गया है।वार्ता के दौरान प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वालों में लालमोहन हेंब्रम, रामदयाल सिंह, मस्तान अंसारी, फिरोज अंसारी, अशोक हेंब्रम, धनेश तूरी, पिंटूराजा, शंभू गुप्ता, विनोद यादव, कृष्ण कुमार, हीरालाल सोरेन, लखी गोस्वामी, अशोक सोरेन, सुधीर मांझी, दीपक कुमार, और धर्मेंद्र सिंह शामिल थे। झामुमो नेता मंटु यादव ने कहा कि यह मुआवजा राशि मृतक के परिवार को न्याय दिलाने का पहला कदम है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है कि सभी औद्योगिक इकाइयों में श्रमिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और लापरवाही बरतने वाली कंपनियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सांसद ढुलू महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात, धनबाद सहित झारखंड की कानून-व्यवस्था पर हुई गंभीर चर्चा

बिभा संवाददाता

बोकारो। धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने मंगलवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर धनबाद सहित पूरे झारखंड की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। सांसद ने बढ़ते अपराध, गिरती सुरक्षा व्यवस्था और आम जनता में बढ़ती असुरक्षा की भावना को अत्यंत गंभीर विषय के रूप में उठाया।

सांसद ने धनबाद में हाल ही में हुई दिनदहाड़े गोलीबारी, कोयलांचल में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों, अवैध तत्वों की सक्रियता और राज्य प्रशासन की निष्क्रियता पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि झारखंड के कई क्षेत्रों में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। अपराधियों में कानून का भय खत्म होता दिख रहा है, वहीं राज्य सरकार जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय ट्रांसफरझ्रपोस्टिंग की राजनीति में व्यस्त है। ऐसी स्थिति में जनता भय के माहौल में जीने को मजबूर है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

सांसद ने यह भी कहा कि धनबाद जैसा औद्योगिक व महत्वपूर्ण क्षेत्र अपराध की लगातार चपेट में है, जिसका सीधा असर उद्योग-व्यापार, निवेश, श्रमिक सुरक्षा और जनजीवन पर पड़ रहा है। यदि हालात नहीं सुधरे तो क्षेत्र का सामाजिक और आर्थिक तंत्र गंभीर संकट में पड़ सकता है।

मुलाकात के दौरान सांसद ने धनबाद में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, पुलिस-प्रशासन को सुदृढ़ करने, कोयलांचल में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने और जनता को सुरक्षित वातावरण मुहैया कराने के लिए केंद्र सरकार से विशेष ध्यान और सहयोग का अनुरोध किया। उन्होंने अपेक्षा जताई कि केंद्र इन मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश और समर्थन दे।

गृह मंत्री अमित शाह ने सांसद द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

खुटरी जल टंकी से पेयजल सप्लाई ठप, कर्मियों को नहीं मिला पांच महीने से मानदेय

बिभा संवाददाता

बोकारो: खुटरी स्थित ग्रामीण जलापूर्ति योजना की पानी टंकी से जरीडीह प्रखंड की आठ और चास प्रखंड की दो पंचायतों के लगभग दस हजार पानी ग्राहकों को वर्षो से रोजाना सुबह मिलने वाला पेयजल विगत 10 दिनों से बंद पड़ा है। किसानों और ग्रामीणों के लिए जीवनदायिनी जलापूर्ति व्यवस्था मानी जाने वाली इस सेवा में इस प्रकार की समस्या से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।इस समस्या के पीछे की मुख्य वजह सिस्टम में कार्यरत आठ कर्मियों का पांच महीने से मानदेय न मिलने का दावा है। कर्मी मधुकर महतो, सरयू महतो, विशेश्वर ठाकुर, मुकेश महतो, चीकू मिश्रा, सत्यम मिश्रा, अरुण मरांडी ने बताया कि तुपकाडीह पम्प हाउस से पानी खींचने, फिल्टर करने तथा वितरण करने का कार्य वे बिना वेतन या मानदेय के कर नहीं सकते। उनका कहना है कि वे लगातार बकाया राशि एवं मानदेय वृद्धि की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला।कर्मियों ने बताया कि वे पिछले पांच महीने से इस सेवा के लिए किसी भी पंचायत प्रतिनिधि से मिल नहीं पाए हैं और न ही किसी ने उनकी सुध ली है। दिन रात काम करने के बावजूद मानदेय न मिलने के कारण अब हम घर का खर्च भी नहीं चला पा रहे। दुकानदार भी अब राशन उधार देने से इनकार कर रहे हैं, उन्होंने बताया।पेयजल आपूर्ति विभाग के जूनियर इंजीनियर कमल नाथ मुंडा ने बताया कि वे हाल ही में ज्वाइन किए हैं। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति सिस्टम पंचायत समिति द्वारा संचालित होता है, जिसका पाइपलाइन नेटवर्क बोकारो नहर से पानी लेकर सीधे घरों तक पहुंचता है। जल्द ही वे संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके समस्या का स्थायी समाधान निकालने का प्रयास करेंगे, जिससे जलापूर्ति पुनः सुचारू रूप से शुरू की जा सके।इस जल संकट के चलते ग्रामीण आबादी को पड़ोसी नहर और तालाबों पर निर्भर होना पड़ रहा है, जो स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

आरक्षी से मारपीट करने वाले चार युवक गिरफ्तार, एक से पिस्टल बरामद, भेजे गए बाल सुधार गृह

बिभा संवाददाता

बोकारो। सोमवार को नया मोड़ के पास ड्यूटी पर तैनात आरक्षी पर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सवार चार युवक द्वारा की गई मारपीट के मामले में पुलिस ने तीव्र कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को बाल सुधार गृह भेज दिया है।यातायात थाना बोकारो के आरक्षी दिलीप कुमार सिंह ने बीएस सिटी थाना में लिखित आवेदन देकर बताया कि 30 नवंबर को करीब 4 बजे सेक्टर 12 मोड़ की ओर से आ रहे चार युवकों ने जब उनसे गाड़ी रोकने का इशारा किया तो उन्होंने वाहन रोका। इसके बाद आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। आरोप है कि जब एक युवक को पकड़ने का प्रयास किया गया, तब दूसरे युवक ने धारदार हथियार से हमला कर आरक्षी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। सभी चार युवक फरार हो गए।घटना की गंभीरता को देखते हुए बोकारो पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन को जेलप्रीक्षा के निर्देश दिए। तत्परता से काम करते हुए पुलिस टीम ने आरोपित चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान एक देशी रिवाल्वर, आरोपितों की टेस्टाइल मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच09बीके 0165), और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए।चारों आरोपितों को न्यायालय में पेश कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया। प्रेस कोर्ट के अनुसार, मामला कांड संख्या 259/25 के तहत धारा 126(2), 115(2), 117(1), 118(1), 121(2), 109, 352, 351(2), एवं 3(5) के अंतर्गत दर्ज किया गया है।इस कार्रवाई में बीएस सिटी थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास, सेक्टर 12 थाना प्रभारी सुभाष चंद्र सिंह, एवं अन्य सहायक आरक्षी समेत सुरेन्द्र राम, राकेश कुमार, मदन प्रसाद, जितेंद्र कुमार, सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, योगेन्द्र कुमार रजक तथा प्रफुल कुमार मंडल शामिल रहे।

डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जयंती पर निकलेगी प्रभात फेरी

बोकारो (बिभा): डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानी पोखर से बुधवार को डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जयंती के अवसर पर सुबह में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। डॉ राजेंद्र प्रसाद जयंती समारोह के मुख्य अतिथि बोकारो विधायक श्वेता सिंह होगी। यह जानकारी देते हुए डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार ने बताया की जयंती समारोह के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। स्कूल की छात्रों की ओर से समूह नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों के लिए निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्कूल के छात्र समेत उनके अभिभावक भी निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर में हिस्सा ले सकेंगे। इस शिविर में दंत चिकित्सक प्रेम नंद सिंह और डॉक्टर ऋषिका मोहन बच्चों का दंत जांच कर उन्हें उचित सलाह भी देंगे।

सिटी सेंटर में चला बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान, सैकड़ों दुकानों पर चला बुल्डोजर

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी के सिटी सेंटर क्षेत्र में मंगलवार सुबह सम्पदा न्यायालय के आदेश पर अतिक्रमण हटाने की जोरदार कार्रवाई शुरू हुई। अदालत के निर्देश के अनुसार सिटी सेंटर की सड़कों के दोनों ओर और बाजार परिसर के भीतर मौजूद सभी अवैध कब्जों को सात दिन के भीतर हटाने का आदेश था। निर्धारित समयावधि समाप्त होने पर सम्पदा पदाधिकारी के नेतृत्व में बीएसएल प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ अभियान चलाया।मजदूर मैदान से लेकर मारुति शोरूम तक डोजर की मदद से लगभग सैकड़ों अवैध गुमटियों, ठेलों और दुकानों को हटाया गया। कई दुकानदारों ने कार्रवाई शुरू होने से पहले अपना सामान सड़क पर निकाल दिया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल देखी गई। करीब सैकड़ों दुकानें ध्वस्त की गईं, जबकि कुछ दुकानदारों ने विरोध करने का प्रयास किया, लेकिन प्रशासन की सख्ती के सामने वे असहाय रहे।अधिकारियों ने बताया कि बार-बार चेतावनी के बावजूद कई लोग जगह खाली नहीं कर रहे थे, लिहाजा सख्त कदम उठाना पड़ा। न्यायालय के बेदखली आदेश के तहत अवैध निर्माण हटाने की पूरी जिम्मेदारी कब्जाधारकों की होगी और इसके नुकसान के लिए वे स्वयं उत्तरदायी होंगे।अभियान के दौरान यातायात प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस व्यवस्था सटीक होने के कारण किसी बड़ी अप्रिय घटना से बचाव हुआ। प्रशासन ने साफ किया है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी।

वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के तीरंदाजों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जीते 21 पदक

बिभा संवाददाता

बोकारो। वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के युवा तीरंदाजों ने हाल ही में आयोजित दो बड़ी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन किया है। 16वीं राज्य स्तरीय तीरंदाजी चैंपियनशिप तथा 42वीं एनटीपीसी सब-जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में अकादमी के खिलाड़ियों ने कुल 21 पदक अपने नाम किए। 16वीं राज्य स्तरीय तीरंदाजी चैंपियनशिप 14 से 17 नवंबर 2025 तक जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जमशेदपुर में आयोजित हुई। जहां अकादमी के 12 खिलाड़ियों में से 9 ने पदक जीत कर टॉप प्रदर्शन किया। इनमें से 5 स्वर्ण, 3 रजत और 13 कांस्य पदक शामिल हैं। कुलदीप महतो ने 4 स्वर्ण और 5 कांस्य पदक जीतकर दमदार प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त डोली कुमारी ने 1 स्वर्ण और 1 रजत, बानी मुंडा ने 1 रजत, जबकि अन्य खिलाड़ियों ने कांस्य पदक झटके।राष्ट्रीय स्तर पर भी अकादमी चमकी। 22 से 30 नवंबर ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित 42वीं एनटीपीसी सब-जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में कुलदीप महतो ने 20 मीटर, टीम और मिक्स टीम स्पर्धा में 3 स्वर्ण पदक जीते। इस प्रदर्शन ने अकादमी की क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर साबित किया है।वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड के डिप्टी सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक श्री रवीश शर्मा ने कहा, ह्लहमारे युवा खिलाड़ियों की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। ईएसएल झारखंड के प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतरीन प्रशिक्षण और अवसर प्रदान कर खेल क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।ह्वयह उपलब्धि झारखंड में खेल संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है। वेदांता समूह के हिस्से ईएसएल स्टील लिमिटेड ने खेलों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को सशक्त बनाने का जो कार्य शुरू किया है, उससे क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

बालीडीह इंडस्ट्रियल एरिया में फिर हादसा, फीटर की ऊंचाई से गिरकर मौत

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के इंडस्ट्रियल एरिया बालीडीह में पाटील रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड नामक फैक्ट्री में एक बार फिर से दुर्घटना के बाद नया हादसा सामने आया है। छपरा, बिहार के 25 वर्षीय आशुतोष कुमार राय, जो कंपनी में फीटर के रूप में कार्यरत थे, काम के दौरान ऊंचाई से गिर गए और उनकी मौके पर मौत हो गई। मृतक आशुतोष झोपड़ी कॉलोनी के निवासी थे। जानकारी के अनुसार, हादसा प्लांट में कुछ कार्य करते समय हुआ। घायल मजदूर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद फैक्ट्री में स्थानीय लोग और मजदूरों का जमावड़ा लग गया। उन्होंने उचित मुआवजे की मांग शुरू कर दी। इसके बाद प्रबंधन और स्थानीय नेताओं के बीच बातचीत हुई, जिसमें मृतक के पिता को 13 लाख रुपए मुआवजा देने तथा क्रिया कर्म के लिए एक लाख रुपये नगद देने पर सहमति बनी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने

कहा, इंडस्ट्रीज में लगातार ऐसे हादसे हो रहे हैं जो बेहद चिंताजनक हैं। बिना सुरक्षा नियमों के काम करना इन घटनाओं की मुख्य वजह है। इस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। पाटील रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के एजीएम असीम चक्रवर्ती ने बताया कि हादसा एक सेट को उतारते समय हुआ। उन्होंने कहा, मजदूर ने सारी सेफ्टी नियमों का पालन किया था, लेकिन सेट में फंसने की वजह से गिर गया। प्रबंधन ने मृतक के परिवार को 13 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्णय लिया है। यह घटना इंडस्ट्रियल एरिया में सुरक्षा उपायों की गंभीरता को फिर से उजागर करती है, जहां मजदूरों की जान जोखिम में बनी हुई है।

कंप्यूटर हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा, अधिकतर कार्यों के लिए कंप्यूटर पर निर्भरता : डीसी डॉ ताराचंद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर मंगलवार को उपायुक्त डॉ ताराचंद ने डॉ एपीजे कलाम कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से बातचीत की। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान युग में कंप्यूटर की महत्ता और उस पर निर्भरता से इंकार नहीं किया जा सकता है। आज सभी कार्य कंप्यूटर से जुड़ चुके हैं। जिन छात्र-छात्राओं ने इस विषय को चुना है वे अपना भविष्य बेहतर कार्पोरेट सेक्टर में बना रहे हैं। सरकारी विभागों में अधिकतर कार्य कंप्यूटर पर हो रहे हैं और कई विभागों द्वारा दस्तावेजों को डिजिटाइज कर दिया गया हैं। यह सभी कंप्यूटर से ही संभव हो सका है।उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन के द्वारा वर्ष 2023 में लोहरदगा जिला के युवक-युवतियों के लिए निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रारंभ की गई थी जो काफी सफल रहा है। यहां से लगातार बच्चे जुड़ रहे हैं और कंप्यूटर का बेसिक कोर्स पूरा कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा इसी तरह होमी जे भाभा कोचिंग सेंटर में मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की भी तैयारी निःशुल्क करायी जाती है। माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में शामिल होनेवाले छात्र-छात्राओं को भी रोस्टर के अनुसार गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषय की प्रतिदिन ऑनलाईन कोचिंग की व्यवस्था दी जा रही है। प्रखण्ड स्तर पर पुस्तकालयों में अध्ययन हेतु पुस्तकें उपलब्ध करायी गयी हैं। इसी तरह पंचायत ज्ञान केंद्र में भी बच्चों के अध्ययन की व्यवस्था है। तो इस प्रकार जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में यहां के छात्र-छात्राओं के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे है। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर, कम्प्यूटर प्रशिक्षक समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विश्वरंग 2025 से लौटी आईसेक्ट विवि की टीम

हजारीबाग : आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग की टीम मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित भारत के सबसे प्रतिष्ठित और अभिनव सांस्कृतिक उत्सव विश्वरंग 2025 में शामिल होकर लौट आई। बता दें कि यह भव्य अंतरराष्ट्रीय महोत्सव विश्व रंग फाउंडेशन, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित, जहां देश-विदेश के साहित्य, कला और संस्कृति से जुड़े दिग्गजों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग की सहभागिता को लेकर विश्वविद्यालय परिवार में खासा उत्साह देखा गया।

नगर आयुक्त के लिखित आश्वासन पर विधायक राज सिन्हा का धरना स्थगित

एसीबी से एनओसी और गैर-जाँचित सड़कों की तुरंत मरम्मती पर बनी सहमति

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद में जर्जर सड़कों और रुके हुए विकास कार्यों को लेकर नगर निगम कार्यालय के समक्ष सोमवार से जारी धनबाद विधायक राज सिन्हा का अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार देर शाम नगर आयुक्त के लिखित आश्वासन पर फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

नगर आयुक्त रविराज शर्मा और विधायक के बीच हुई वार्ता में दो प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनी जिसमें एसीबी जाँच के दायरे में आने वाली सड़कों की मरम्मती के लिए जल्द से जल्द एसीबी से एनओसी प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और जो सड़कें एसीबी जाँच से बाहर हैं उनकी मरम्मती का शिलान्यास बुधवार से शुरू कर दिया जाएगा।

इस संबंध में विधायक राज सिन्हा ने कहा कि धरना समाप्त नहीं, बल्कि स्थगित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आश्वासन पर अमल नहीं हुआ तो आंदोलन दोबारा शुरू होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सड़कों और विकास कार्यों का यह पूरा मुद्दा आने वाले 5 दिसंबर से आरंभ होने वाले विधानसभा सत्र में भी जोरदार तरीके से उठाया जाएगा। गौरतलब है कि शहर की खराब सड़कों और ठप पड़े विकास कार्यों के विरोध में विधायक सोमवार सुबह से धरना पर बैठे थे, जो करीब 30 घंटे तक जारी रहा।

संक्षिप्त खबरें

एनएच पर दर्दनाक हादसा, महिला की मौत

धनबाद(बिभा)। गोविंदपुर में एनएच- 19 पर मंगलवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के विश्वाडीह निवासी संगीता कुमारी। (50) की मौत हो गई। बताया जाता है कि संगीता कुमारी अपने पति सुनील कुमार सिंह के साथ स्कूटी से गोविंदपुर पहुँची थीं। स्कूटी रोकने के बाद वह पैदल ही सड़क क्रॉस करने लगीं। बता दें कि वह लगभग सड़क पार कर हीं चुकी थीं की तभी अचानक तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संगीता कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनके सिर में गहरी चोट आई। मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को तुरंत धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पति सुनील कुमार सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी ने कहा था कि वह पैदल ही सड़क पार कर लेगी। वह क्रॉस कर ही रही थीं कि हाईवा चालक ने अचानक वाहन को मोड़ा और उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद हाईवा चालक फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने एनएच पर घट रही लगातार दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से सख्त निगरानी और स्पीड कंट्रोल की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धनबाद का दोनों आधार सेवा केंद्र हुआ बंद, अब जिले में होगा सिर्फ एक ही आधार सेंटर, लोगों में बढ़ी बेचैनी

धनबाद(बिभा)। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के तहत धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड और सरायढेला में चल रहा दोनों आधार सेवा केंद्र बंद हो गया है, जिससे लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, अधिकारियों की माने तो अब धनबाद में बस एक ही आधार सेवा केंद्र होगा, जो सरायढेला स्थित बिगबाजर में चेलगा। धनबाद के यूआईडी डीपीओ अमित कुमार सिंह ने इस संबंध में बताया कि लुबी सर्कुलर रोड स्थित एसएसएलएनटी कॉलेज के पीछे बना आधार केंद्र और सरायढेला स्थित आधार केंद्र बंद हो गया है, दरअसल भारत सरकार के साथ इनका अनुबंध समाप्त होने की वजह से केंद्र बंद हो गया है। उन्होंने बताया कि अब धनबाद में सिर्फ सरायढेला स्थित बिगबाजर के पास बना आधार केंद्र ही सुचारू रूप से चलेगा, फिलहाल वह भी मरामती कार्य की वजह से बंद है, जो 15-20 दिनों में लोगों के लिए खोल दिया जाएग। उन्होंने बताया कि धनबाद की जनता को इससे घबराने की जरूरत नही है, क्योंकि जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय पर झारखंड सरकार के द्वारा एक-एक आधार किट उपलब्ध कराया गया है, इसके साथ ही सभी बीआरसी पर बच्चों का आधार कार्ड बनाया जा रहा है, इंडिया पोस्ट को भी 60 किट दिया गया है, उन्हें 0-5 वर्ष के सभी बच्चों का आधार कार्ड बनाने की जिम्मेदारी दी गई है, साथ ही वह मोबाइल नंबर से लेकर पता भी अपडेट करेंगे। जल्द ही आंगनबाड़ी केंद्रों को भी टेबलेट और आधार मशीन उपलब्ध करा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीएससी, कुछ बैंकों में भी आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया जरी है, इसलिए लोगों को इसके लिए घबराने की आवश्यकता नही है।

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित कार्यक्रम ने बढ़ाया प्रदूषण जागरूकता का संदेश

हजारीबाग(बिभा): स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के उपलक्ष्य में हरितिमा इको क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी, सभी सहायक प्राध्यापक, कर्मचारीगण तथा प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्या के प्रेरणादायी संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के कारण पृथ्वी का संतुलन बिगड़ रहा है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता, हरियाली और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में गंभीर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षुओं को समाज में जागरूकता फैलाने का दायित्व निभाने के लिए प्रेरित किया। इको कमीटी के निर्देशन में प्रशिक्षुओं ने परिसर मे साफझ्रसफाई अभियान चलाया, रैली निकालकर प्रदूषण के विरुद्ध संदेश दिए और कॉलेज प्रांगण में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रतिभागियों ने स्लोगन, पोस्टर और बैनरों के माध्यम से लोगों को स्वच्छ व हरित परिवेश बनाने का आह्वान किया।हरितिमा कमिटी के सदस्यों ने सभी को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने का संकल्प दिलाया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में आज से शताब्दी स्थापना सप्ताह का शुभारंभ

एक सदी की गौरवगाथा और विकसित भारत @ 2047 के संकल्प का होगा संगम

बिभा संवाददाता

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद अपनी 100 वर्षीया ज्ञान-यात्रा के सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुँच गया है। 3 दिसंबर से प्रारंभ होने वाला शताब्दी स्थापना सप्ताह को लेकर शिक्षण संस्थान पूरी तरह से तैयार है। यह सप्ताह न केवल संस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धियों का भव्य उत्सव है, बल्कि भारत के वैज्ञानिक, तकनीकी और राष्ट्रीय विकास के आगामी दौर की दिशा भी निर्धारित करेगा। वर्ष 1926 में रॉयल स्कूल ऑफ माइन्स, लंदन की तर्ज पर स्थापित इस संस्थान ने भारतीय खनन एवं भू-विज्ञान शिक्षा को एक नई ऊँचाई दी और समय के साथ अब यह आधुनिक इंजीनियरिंग, ऊर्जा विज्ञान, आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास, क्रिटिकल मिनरल्स, रोबोटिक्स और डिजिटल टेक्नोलॉजीज का अग्रणी केंद्र बन चुका है।

शताब्दी वर्ष के इस उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय नीति-निर्माण, सुशासन तथा तकनीकी परिवर्तन के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनकी भूमिका अत्यंत प्रभावशाली रही है, और उनका आगमन इस ऐतिहासिक अवसर के महत्व को और अधिक रेखांकित करता है। उद्घाटन के अवसर पर कई विशिष्ट वक्ता, वैज्ञानिक, वरिष्ठ प्रशासक, उद्योग-जगत के नेता और भू-विज्ञान एवं ऊर्जा क्षेत्रों के दिग्गज भी उपस्थित रहेंगे, जिनके चित्र संस्थान के आधिकारिक बैनर में प्रदर्शित हैं। पहले दिन का कार्यक्रम संस्थान की परंपरा और आधुनिक भारत की तकनीकी आकांक्षाओं, दोनों को जोड़ते हुए तैयार किया गया है। सुबह शताब्दी वृक्षारोपण से कार्यक्रम की शुरूआत होगी, जो संस्थान की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता और ह्यग्रीन कैंपसह्ण की दिशा में उसके संकल्प का प्रतीक है। इसी समय शताब्दी रक्तदान शिविर भी आयोजित होगा है।

इसके बाद पेनमैन ऑडिटोरियम में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ औपचारिक उद्घाटन होगा। जिसके बाद होगा पहला प्रमुख विचार-विमर्श सत्र ह्लअमृत काल विमर्शः विकसित भारत @ 2047ह्व जो आने वाले सप्ताह के बौद्धिक वातावरण को परिभाषित करेगा। यह विमर्श इस बात पर केंद्रित होगा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारत को विज्ञान, तकनीक, नवाचार और आत्मनिर्भरता के आधार पर किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, और इस परिवर्तन में आईआईटी (आईएसएम) जैसे संस्थानों की क्या भूमिका होनी चाहिए।

दिन का सबसे आकर्षक और नवाचार-प्रधान चरण होगा ज्ञान-विज्ञान प्रांगण का उद्घाटन, एक विस्तृत विज्ञान एवं तकनीक प्रदर्शनी, जिसमें 3ऊ मेटावर्स आधारित माइनिंग एप्लिकेशन, सेस्मोलॉजी के उन्नत मॉडल, डिजिटल ट्विन, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समर्थित औद्योगिक समाधान, स्वच्छ ऊर्जा तकनीकें, और भविष्य की इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं की प्रभावशाली झलक देखने को मिलेगी। धनबाद की जनता भी इस प्रदर्शनी को देख सकेंगे, जिसमे 100 वर्ष पूर्व कोयले का खनन कैसे होता था और अब किस तरीके से कोयले का खनन किया जा रहा है, साथ ही पेट्रोलियम, सेमीकंडक्टर इत्यादि को भी देख और समझ पाएंगे।

इसके साथ ही अमृत काल विमर्श, टेक्नोलॉजी एवं स्किल इनिशिएटिव्स फॉर विकसित भारत @ 2047 विषयक व्यापक प्लेनरी लेक्चर आयोजित होंगे। इनमें भारत की तकनीकी क्षमता, कौशल-उन्नयन, नवाचार पारितंत्र, भविष्य के उद्योगों और रणनीतिक क्षेत्रों में आईआईटी की भूमिका पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए जाएंगे।

बुधवार की साम परिसर सांस्कृतिक रंग में रंग जाएगा, जब कवि सम्मेलन एवं सांस्कृतिक संध्या, शंभू शिखर एवं समूह की प्रस्तुति के साथ, शताब्दी उत्सव के प्रथम दिन को एक सजीव, हृदय-स्पर्शी अनुभव प्रदान करेगी।

शताब्दी सप्ताह के आगामी दिनों में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, छात्रों के नवाचार प्रदर्शन, तकनीकी प्रदर्शनी, विरासत यात्रा, विद्यालयों के लिए विशेष कार्यक्रम, पूर्व छात्रों का महा-सम्मेलन तथा 9 दिसंबर के भव्य शताब्दी स्थापना दिवस समारोह सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। समापन समारोह में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी शामिल होंगे। सप्ताह का समापन एक अभूतपूर्व ड्रोन शो के साथ होगा, जो संस्थान के अगले सौ वर्षों की उड़ान का रूपक प्रस्तुत करेगा।

कतरास में भूमिगत आग से जहरीली गैस का तेज रिसाव, मां अम्बे ओपी क्षेत्र में दहशत, ग्रामीणों में आक्रोश

बिभा संवाददाता

धनबाद। कतरास स्थित बीसीसीएल एरिया-4 अंतर्गत अंगारपथरा स्थित बंद पड़े माँ अम्बे आउटसोर्सिंग के समीप मंगलवार को अचानक भूमिगत आग से जहरीली गैस का तेज रिसाव शुरू हो गया। लगातार उठ रहे काले, घने व तीखी दुर्गंध वाले धुएं ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। पूरे क्षेत्र में धुआं फैलने से लोगों का जीना मुहाल हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार सुबह से धुंध की मोटी परत छाई छाई है। कई घरों के भीतर तक धुआं भर जाने से बच्चों और बुजुर्गों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। आंखों में जलन, खांसी और घुटन जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। लोगों में इस स्थिति को लेकर भय और आक्रोश है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि भूमिगत आग का दायरा और बढ़ा तो पूरा इलाका गंभीर खतरे में पड़ सकता है। स्थानीय लोग प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि फैल रहे खतरे पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सके। वहीं, मौके पर पहुंचे बीसीसीएल अधिकारी ने बताया कि यहां पहले कोयले का अंडरग्राउंड माइंस चला करता था, उससे उत्पन्न मीथेन गैस का औक्सीज के संपर्क में आने से स्वतः यह आग लगी है, जिसे बुझाने का प्रयास किया जा रहा है, जल्द ही इसपर नियंत्रण पा लिया जाएगा, साथ ही उन्होंने कहा कि बाघमारा क्षेत्र का हाल झारिया जैसा नही होगा, यहां आग किसी भी कीमत पर फैलने नही दिया जाएगा।

उपायुक्त ने किया प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव का स्वागत

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन ने मंगलवार को दुर्गापुर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव सह राज्य के अतिथि डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा का पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव आईआईटी (आईएसएम) के शताब्दी स्थापना सप्ताह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होगें। इसका आयोजन आज आईआईटी (आईएसएम) के पेनमैन ऑडिटोरियम में किया जाएगा। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने भी प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव का स्वागत किया। मौके पर भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल के अलावा अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

माइंस के अंदर रहस्यमयी मौत, परिजनों का हंगामा

बिभा संवाददाता

धनबाद। भगाबांध थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुटकी पीबी एरिया में संचालित भागाबांध स्थित इगल दीप इंफ्रा आउटसोर्सिंग कंपनी के माइंस परिसर में सोमवार की देर रात एक कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान तलगड़िया के सिंपुर, चंदनकियारी (जिला बोकारो) निवासी बबलू बाउरी के रूप में की गई है। वे रात्रि पाली में कोयला कटाई के कार्य पर तैनात थे।

परिजनों के अनुसार, बबलू बाउरी रात लगभग 3 बजे पानी पीने के बाद बाथरूम गए थे, जहां अचानक गिरने से उनकी मौत हो गई। परिवार का कहना है कि शव के गले के पास एक निशान भी पाया गया है, जिससे मौत को लेकर संदेह और गहरा गया है। मृतक के बेटे अभिजीत बाउरी ने आरोप लगाया कि माइंस के अंदर उनकी मृत्यु कैसे हुई, इसका स्पष्ट जवाब कंपनी प्रबंधन नहीं दे पा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही मंगलवार सुबह परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में आउटसोर्सिंग कंपनी के मुख्य द्वार पर पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि कंपनी प्रबंधन घटना की पूरी जानकारी देने से बच रहा है।

इधर कंपनी प्रबंधन ने मृतक के परिजन को नौकरी और मुआवजा उपलब्ध कराने की सहमति जताई है, हालांकि मौत के कारणों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए धनबाद एसएनएमएमसीएच भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

रणधीर वर्मा चौक पर एसएसएलएनटी महिला कॉलेज की छात्राओं का नुक्कड़ नाटक, महिलाओं के अधिकारों पर दिया सशक्त संदेश

बिभा संवाददाता

धनबाद। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर आयोजित नुक्कड़ नाटक में एसएसएलएनटी कॉलेज की छात्राओं ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों पर जागरूकता फैलाते हुए दमदार प्रस्तुति दी। नाटक में घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, छेड़छाड़ और दुष्कर्म जैसे सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। छात्राओं ने यह भी बताया कि शिक्षा, आत्मनिर्भरता और जागरूकता ही महिला सशक्तिकरण की सबसे मजबूत नींव है।

नुक्कड़ नाटक का नेतृत्व कर रहीं कॉलेज की शिक्षिका डॉ सुजाता सिंह और छात्रा आरती कुमारी ने कहा कि प्रस्तुति के दौरान महिलाओं से जुड़े विभिन्न कानूनों को भी दशार्या गया, ताकि वे अत्याचार का सामना करने पर कानूनी अधिकारों का उपयोग कर सकें और न्याय के लिए मजबूती से खड़ी हो सकें। उन्होंने कहा कि नाटक के माध्यम से समाज को यह संदेश देने की कोशिश की गई कि महिलाओं का सम्मान करना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिकित्सीय लापरवाही से एक मरीज की हुई मौत

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मंगलवार सुबह इलाज के दौरान पदमा निवासी चौधरी यादव नामक मरीज की मौत हो गई। चौधरी यादव 30 नवंबर की शाम में हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कीटनाशक दवा का सेवन करने के बाद भर्ती हुए थे। चौधरी यादव की उम्र लगभग 45 साल है एवं परिजनों ने आरोप लगाया है कि इलाज के दौरान लापरवाही से चौधरी यादव की मौत हुई है। चौधरी यादव की मौत के बाद उनके भतीजे रणधीर कुमार यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए यह आरोप लगाया कि डॉक्टर के द्वारा लिखे गए इंजेक्शन जो कि डॉक्टर के पर्चे में लिखा गया था उसके जगह पर गलत इंजेक्शन स्लाइन के माध्यम से मरीज को चढ़ा दी गई और जो मरीज एकदम ठीक था और डॉक्टर से छुट्टी लेकर घर जाने की मांग कर रहे थे उन्हें एकाएक जलन की शिकायत होने लगी और उनकी मौत हो गई। इस मामले में वह सभी कसूरवारों पर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले की सूचना मृतक के परिजनों ने जब हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को दी गई तो वे संसद के शीतकालीन सत्र में होने के बावजूद उन्होंने उनसे बात की और अपने लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अस्पताल भेजा। जहां सांसद प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर मृतकों के परिजनों से घटना की पूरी जानकारी ली और इस पूरे मामले के लिए उन्होंने आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से बहाल लोगों पर सवाल खड़ा करते हुए यह कहा कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए और जो भी इस पूरे मामले में दोषी हैं उन पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि सांसद मनीष जायसवाल खुद हजारीबाग डीसी शशि प्रकाश सिंह से बात की है और जो भी इस मामले के लिए गुनहगार होंगे उसे पर कार्रवाई होगी। रंजन चौधरी ने सुप्रिटेंडेंट डॉ. अनुकरण पूर्ति से मिलकर इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद सुपरिटेंडेंट के द्वारा तीन चिकित्सकों का एक टीम गठन कर पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी भी यहां परिजनों संग डटे रहे। पोस्टमार्टम के बाद एम्बुलेंस व्यवस्था कराकर शव को उनके आवास भेजवाया गया।वही इस पूरे मामले पर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सुपरिटेंडेंट अनुकरण पूर्ति ने बताया कि मामले की जानकारी प्राप्त हुई है जांच चल रही है और एक टीम बनाकर पोस्टमार्टम भी किया जा रहा है इस पूरे मामले में अगर कोई दोषी होगा तो उसे बक्शा नहीं जाएगा और उसे पर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई.निविदा सूचना सं. : एस.जी. 664–22–संकेत–2025–26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० : 1. कार्य का नाम : (1) आरयूबी डीएचएन–सीआरपी सेक्शन द्वारा लेवल क्रॉसिंग संख्या – 3/ए/3टी, 4/ए/2टी, 6/सी/3टी, 6ए/ए/टी, एमसी–7 और जेके 07–08 के उन्मूलन के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। (2) जीएचडी–सीपीयू सेक्शनः– जीएचडी–सीपीयू सेक्शन में सबवे (एलएचएस) द्वारा लेवल क्रॉसिंग का उन्मूलन (एलसी संख्या – 6/सी/टी और 55/सी/ई = 2 संख्या)। **2. कार्य का आकलित मूल्य :** ₹ 1,76,72,433.91 (लगभग), **3. कार्य का अग्रधन राशि :** ₹ 2,38,400.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 22.12.2025 (14:00 बजे)।

5. ऐसी ई.निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई.निविदा के ई.निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। द्रष्टव्य :– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई.निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए ये निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/1366/डीएचएन/एस&टी/टी/25–26/44

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

ललित गर्ग

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे।

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण

अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।

सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरूआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मयार्दाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है।

देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

सदन की मयार्दा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मयार्दा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है।

चिंतन-मनन

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

मोबाइल फोन पर अब निजता का अधिकार?

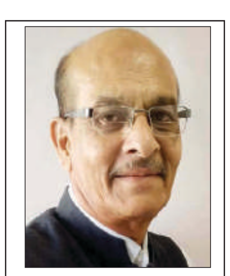

दिलीप कुमार पाठक

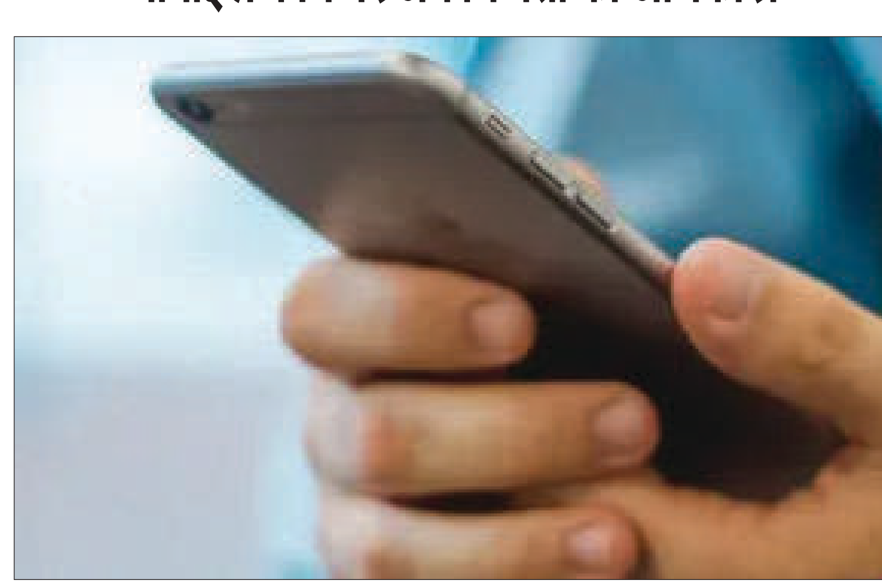

तेजी से डिजिटल होती दुनिया में मोबाइल फोन अब केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की निजी जरुरत बन चुका है। इसी वजह से फोन से जुड़ी किसी भी सरकारी नीति को लेकर नागरिकों की चिंता स्वाभाविक है। विशेषकर तब, जब सरकार की दूरसंचार नीति सीधे तौर पर लोगों के व्यक्तिगत डेटा, लोकेशन, गैलरी या संदेशों, उनकी पसंद ना पसंद और निजी संबंधों तक की पहुंच पर प्रश्न खड़ा करती हो। भारतीय संविधान में निजता का अधिकार केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक एवं सभ्य समाज की आत्मा है। निजता को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा माना गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है। नागरिक अपनी व्यक्तिगत जानकारी, गतिविधियों और संचार पर नियंत्रण रखने का अधिकार रखते हैं। जब किसी सरकारी ऐप को अनिवार्य रूप से फोन में इंस्टॉल करने की बात सामने आती है। वह भी बिना हटाने के विकल्प के साथ तो सरकार की यह कार्यवाही सीधे लोगों के निजी अधिकार के साथ-साथ उनकी स्वतंत्रता को भी बाधित करती है। सरकार का यह निर्णय सीधे सवालों के घेरे में आ जाता है। सरकारी ऐप को लेकर अब नागरिकों को लग रहा है, सरकार नागरिकों की पल-पल की जासूसी करके बंधुआ बनाना चाहती है। वहीं दूसरी तरफ सरकार का तर्क है, ये सरकारी ऐप साइबर सुरक्षा को मजबूत करेंगे। चोरी, साईबर फ्रॉड को रोकेने और मोबाइल के सभी संव्यवहार को सुरक्षित बनाएंगे। निःस्संदेह, उद्देश्य महत्वपूर्ण हैं। दरअसल साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। डिजिटल सुरक्षा वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती है। नागरिकों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी भी है। तकनीकी को लागू करने के पूर्व सरकार को उस नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए, नागरिकों को उसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। भारत में तकनीकी को पहले लाया जाता है, उसके बाद सुरक्षा और खतरों को लेकर सरकार सजग होती है। जिसके कारण नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। सुरक्षा का नाम लेकर सरकार द्वारा अनिवार्य निगरानी प्रणाली स्थापित करना कितना उचित है। यह गंभीर बहस एवं चिंता का विषय बन गया है। सुरक्षा और निगरानी, दोनों के बीच की दीवार बेहद पतली है। यदि किसी ऐप को कैमरा, माइक्रोफोन, लोकेशन, गैलरी और एसएमएस तक स्थायी पहुंच सतत मिलती है, तो यह केवल सुरक्षा नहीं, वरन व्यापक नियंत्रण का साधन बन सकता है। लोकतंत्र में राज्य को नागरिकों पर इतनी व्यापक दृष्टि रखने की अनुमति देने से पहले पारदर्शिता, सामाजिक सहमति और मजबूत कानूनी सुरक्षा बहुत आवश्यक है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में नागरिकों के पास स्वयं यह अधिकार होना चाहिए, कि जो व्यक्ति चाहे इस ऐप को इंस्टॉल करे, ना चाहे तो ना करे। यह स्वतंत्रता उसकी निजता का हिस्सा और एक संवैधानिक अधिकार भी है। सरकार की नीतियां नागरिकों के भरोसे का प्रतीक होनी चाहिए, भय अथवा शक का कोई स्थान नहीं होना चाहिये। आधुनिक तकनीक का उद्देश्य जनता को सशक्त बनाना है। नाकि उनकी निजी ज़िंदगी में अनियंत्रित हस्तक्षेप का साधन बने। सुरक्षा के नाम पर निजता का हनन अब सामान्य बात हो गई है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं भी कमजोर होती चली जा रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है, क्या मोबाइल सुरक्षा के बहाने नागरिक अपनी निजता की अंतिम दीवार को गिरने देंगे? यदि ऐसा हो गया तो परिवार और निजी संबंध जिसमें सामाजिक आर्थिक और अन्य गतिविधियां सरकार के नियंत्रण में होंगी। ऐसी स्थिति में हमारी स्वतंत्रता खतरे में पडना तय है। सरकार जिस तरह से हमारे ऊपर नियम कानून लागू करना चाहेगी जैसे भी रखना चाहेगी उसका हम कभी हम पूरी तरह से सरकार के ऊपर निर्भर होकर रह जाएंगे। लोकतंत्र में नागरिकों की जागरूकता ही वास्तविक नागरिक अधिकार और संवैधानिक अधिकार की शक्ति है। इसे बनाए रखने के लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है।

41 साल बाद भी खत्म नहीं हुआ है गैस त्रासदी का असर

योगेश कुमार गोयल

भोपाल गैस त्रासदी से निकलते जहरीले सवाल...

1984 में 2-3 दिसम्बर की रात भोपाल में मौत ने ऐसा तांडव मचाया था, जिसके जख्म आज तक नहीं भरे हैं। भयानक गैस त्रासदी की उस घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 2-3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। हालांकि इसी साल भोपाल के जहरीले कचरे का निपटान किया जा चुका है किन्तु भोपाल गैस कांड को 41 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। भोपाल गैस त्रासदी पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाली थी कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया था जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा था, आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 40 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हुए हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। उस कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। जिन लोगों के फेफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? दुर्घटना के चार दिनों बाद 7 दिसम्बर 1984 को यूसीआईएल अध्यक्ष एवं सीईओ वारेन एंडर्सन की गिरफ्तारी हुई थी किन्तु विड़म्बना देखिये कि इतने भयानक हादसे के मुख्य आरोपी को गिरफ्तारी के महज छह घंटे बाद मात्र 2100 डॉलर के मामूली जुमार्ने पर रिहा कर दिया गया था। उसके बाद वह अवसर का लाभ उठाते हुए भारत छोड़कर अपने देश अमेरिका भाग गया, जिसे भारत लाकर सजा देने की मांग निरन्तर उठती रही लेकिन भारत सरकार अमेरिका से उसका प्रत्यर्पण कराने में

विफल रही। 29 सितम्बर 2014 को वारेन एंडर्सन की मौत हो गई। इस हादसे से पर्यावरण को ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का रूख इस पूरे मामले में संवेदनहीन ही रहा। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को भले ही जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यही है कि इस गैस त्रासदी के 41 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी

वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन

कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है ।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

कराटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

कराटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को करादे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करादे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करादे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करादे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

करादे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करादे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक करादे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

करादे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। करादे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफेंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। करादे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल करादे की ट्रेंनिंग देते हैं। 1970 में करादे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) करादे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। करादे खेल भी, कला भी करादे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को करादे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करादे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करादे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करादे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। करादे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करादे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुंपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।

पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑर्थोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007

बस्ती में कई कारणों से दो लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए

बस्ती (एजेंसी)। विधानसभा क्षेत्रवार निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का कार्य तेजी से चल रहा है। सोमवार को जनपद के 74.26 फीसदी मतदाताओं का डाटा डिजिटाइज्ड हो गया। अभी भी 25 फीसदी मतदाताओं का डिजिटाइजेशन का कार्य होना बाकी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में 19 लाख 430 मतदाता हैं। इनमें से 14 लाख 12 हजार आठ मतदाताओं का डाटा डिजिटाइज्ड हो गया है। इनमें से 816 मतदाताओं ने खुद अपना डाटा फीड किया। एसआईआर के दौरान 48326 मतदाता ऐसे चिह्नित किए गए हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इनके डाटा को बीएलओ ने परिवार वालों से कलेक्ट किया। इनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है और निर्वाचक नामावली में कटे मतदाता के तौर पर डिजिटाइज्ड कर दिया गया है। यह कुल मतदाताओं का 2.54 फीसदी है। जिले में 35656 मतदाता ऐसे हैं, जो अब्सेंट हैं। उनको बीएलओ खोज नहीं पाए। जानकारी के मुताबिक स्थाई तौर पर 114709 मतदाता स्थाई तौर पर दूसरी जगह पर शिफ्ट हो गए।23267 मतदाता ऐसे हैं, जो दूसरी जगह पर इनरोल्ड हैं और उनका नाम दूसरी जगह से काट दिया जाएगा। अन्य कारणों से 2777 मतदाताओं का नाम सूची से हटाया गया है। इस प्रकार कुल दो लाख 24 हजार 835 मतदाताओं का नाम सूची से हटाया है। इनका डाटा डिजिटाइज्ड कर दिया गया है।

बलरामपुर में बस-ट्रक की टक्कर, आग लगने से तीन नेपाली यात्रियों की मौत, 24 झुलसे

बलरामपुर (एजेंसी)। बलरामपुर के फुलवरिया बाईपास पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सोनौली से दिल्ली जा रही एक पैसेंजर बस अनियंत्रित होकर हाई-टेंशन लाइन और ट्रांसफार्मर से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। हादसे में तीन यात्रियों की झुलसकर मौत हो गई। बस के टकराने के बाद गर्म कपड़े ले जा रहे एक ट्रक में भी आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय बस में ज्यादातर यात्री नेपाल के थे। हादसे में 24 अन्य यात्री भी घायल हुए, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को बहराइच और लखनऊ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बाकी मामूली घायल यात्रियों को दिल्ली और नेपाल के लिए रवाना किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने घायलों के परिजनों से संपर्क कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बस का ड्राइवर और कंडक्टर अभी तक लापता हैं। पुलिस और स्थानीय प्रशासन उनके खोजने में जुटे हुए हैं। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही प्रभावित परिवारों की मदद के लिए प्रशासन लगातार संपर्क बनाए हुए है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी राहत और सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

तुलसी निकेतन आवासीय परिसर का व्यापक पुनर्विकास, 20 हजार लोगों को मिलेगा आवास

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के सबसे पुराने और जर्जर हो चुके तुलसी निकेतन आवासीय परिसर का व्यापक पुनर्विकास करना, ताकि करीब 20 हजार से अधिक निवासियों को सुरक्षित और आधुनिक आवास मिल सकें। गुरुवार को जीडीए (गाजियाबाद विकास प्राधिकरण) और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के बीच परियोजना के लिए समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह प्रोजेक्ट पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। पुनर्विकास की लागत न तो प्राधिकरण पर आएगी और न ही आवंटियों पर, जिससे निवासियों पर कोई आर्थिक भार नहीं पड़ेगा। एनबीसीसी इस प्रोजेक्ट को परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में दो चरणों में पूरा करेगा। समझौता हस्ताक्षर के बाद, आठ सप्ताह में एनबीसीसी प्राधिकरण को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपेगा, जिसमें क्रियान्वयन मॉडल का आंकलन होगा। शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर डीपीआर (विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की जाएगी। वर्तमान स्थिति: जीडीए ने वर्ष 1989-90 में 7.83 हेक्टेयर भूमि पर यह योजना विकसित की थी। कुल 2,292 फ्लैट (2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआइजी) और 60 दुकानें बनाई गई थीं। वर्तमान में यहां 20 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। योजना के 16 एकड़ क्षेत्र में निजी डवलपर्स के सहयोग से नई बहुमंजिला आवासीय इमारतें बनाई जाएंगी। यह पुनर्विकास योजना तुलसी निकेतन के निवासियों को सुरक्षित और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी... भारतीयों के एच-1बी वीजा में एक साल में ही 40 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के बाद भारतीयों के एच1-1बी वीजा में एक साल में ही 40 फीसदी की कमी आई है। यूएससीआईएस के आंकड़ों के मुताबिक 2015 से अब तक एच-1बी वीजा की मंजूरी मिलने में 70 फीसदी की कमी आई है। वहीं एक साल में ही यह 37 फीसदी कम हो गया। भारत की पांच सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में टीसीएस के ही सबसे ज्यादा कर्मचारियों को एच-1बी वीजा मिला है। वहीं भारत की कंपनियों को कुल 4.5 हजार एच-1बी वीजा ही जारी हो सके हैं, जो कि इस दशक में सबसे कम है। टीसीएस का भी रिजेक्शन रेट 7 फीसदी तक बढ़ा है।2024 में टीसीएस के 4 फीसदी आवेदन ही रद्द हुए थे। इस साल टीसीएस के 5293 कर्मचारियों को अमेरिका में अपनी नौकरी जारी रखने की अनुमति मिली है। वहीं भारत से अमेरिका जाने वाले कर्मचारियों को इस साल टीसीएस के केवल 846 लोगों को ही एच-1बी वीजा दिया गया है। जबकि 2024 में यह संख्या 1452 के करीब थी। अमेरिका में भारत की टॉप आईटी कंपनियों में पहले नंबर पर टीसीएस है, जिसका रिजेक्शन रेट 7 प्रतिशत है। इसके बाद इंफोसिस का रिजेक्शन रेट 1 प्रतिशत, एचसीएल अमेरिका का 1 फीसदी, एलटीआई माइंड्ट्री का 1 फीसदी और विप्रो का 2 फीसदी है। अमेरिका में एच-1बी वीजा के मामले में अमेजन, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल सबसे आगे हैं। टॉप एच-1बी वीजा पिटिशन वाली 25 कंपनियों में केवल तीन भारतीय हैं। टीसीएस के अलावा बाकी कंपनियों का रिजेक्शन रेट कम है। इसकारण कंपनियां अब आवेदन ही कम करवा रही हैं। अमेरिका में एच-1बी वीजा की नीति को लेकर एलन मस्क ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारतीयों से अमेरिका ने खूब पैसा कमाया है। मस्क ने कहा कि तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भारतीय अप्रवासियों की प्रतिभा ने अमेरिका को बहुत लाभ पहुंचाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक कंपनियों में शीर्ष पदों पर भारतीय मूल के लोग हैं। बता दें कि बीते कुछ समय से ट्रंप और मस्क के रिश्तों में दरार पड़ गई है।

संचार साथी एप पर मुखर हुई प्रियंका गांधी वाड्रा... केंद्र सरकार लोगों की जासूसी करवा रहीं

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने एप को मनहूस उपकरण बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संचार साथी एप की विपक्ष द्वारा की जा रही आलोचना का जवाब देकर, विरोधी पार्टियों से संसद में व्यवधान पैदा न करने का आग्रह कर आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार सभी मुद्दों पर बहस को तैयार है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि उन्हें मुद्दे खोदने की ज़रूरत नहीं है। कामकाज की एक सूची तैयार की गई है, और उसमें कई मुद्दे हैं। उन्हें नए मुद्दे ढूँढ़ने और संसद को बाधित करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हर चिंता का अपना महत्व है, लेकिन संसद की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए उनका इस्तेमाल करना सही नहीं है। हम विपक्षी नेताओं से बातचीत करने वाले हैं, मैं पहले से ही उनके संपर्क में हूँ... हम उनके मुद्दों को कम नहीं आंक रहे हैं, लेकिन देश में एक नहीं, कई मुद्दे हैं।

दरअसल कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दूरसंचार विभाग के हालिया आदेश की आलोचना की जिसमें संचार साथी एप को जासूसी एप बताया गया है। यह हास्यास्पद है। नागरिकों को निजता का अधिकार है। हर किसी को अपने परिवार और दोस्तों को संदेश भेजने की निजता का अधिकार होना चाहिए, वे भी बिना सरकार की नज़र में आए... वे इस देश को हर रूप में तानाशाही में बदल रहे हैं। संसद इसलिए नहीं चल रही है, क्योंकि केंद्र सरकार किसी भी विषय पर बात करने से मना कर रही है। विपक्ष को दोष देना बहुत आसान है। वे किसी भी विषय पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं... एक स्वस्थ लोकतंत्र चर्चा की माँग करता है... धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने और यह देखने के बीच एक बहुत ही महीन रेखा है कि भारत का हर नागरिक अपने फ़ोन पर क्या कर रहा है। इस तरह से काम नहीं करना चाहिए।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी दूरसंचार विभाग (डीओटी) के उन निर्देशों की आलोचना की, जिसमें मोबाइल हैंडसेट पर संचार साथी एप को पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य बताया गया है। उन्होंने इस निगरानी का एक मनहूस उपकरण बताया। डीओटी ने निर्माताओं और आयातकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि एप पहली बार इस्तेमाल करते ही दिखाई दे और सुलभ हो और उस निष्क्रिय न किया जा सके। बाज़ार में पहले से मौजूद उपकरणों के लिए, कंपनियों को सॉफ़्टवेयर अपडेट के ज़रिए ऐप को आगे बढ़ाने के लिए कहा गया है।

हैदराबाद-कुवैत इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी, मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद से कुवैत जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 86 को मंगलवार सुबह बम होने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान जैसे ही राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ा, तुरंत बाद हैदराबाद एयरपोर्ट को धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने तत्काल फ्लाइट को मुंबई डायवर्ट कर दिया। सुबह करीब 9 बजे विमान की मुंबई में सुरक्षित लैंडिंग हो गई। सभी 173 यात्री और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की जा रही है। लैंडिंग के बाद विमान को मुंबई एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में ले जाया गया। बम डिस्पोजल स्क्वायड, सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूर्ण सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। प्रारंभिक जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला है।सुरक्षा एजेंसियां धमकी भरे ईमेल की उत्पत्ति और साजिश की गहन जांच कर रही हैं। फिलहाल फ्लाइट को कुवैत के लिए रवाना करने पर फैसला जांच पूरी होने के बाद लिया जाएगा। बता दें इससे पहले भी कई बार विमान और स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। जिसके चलते विमानों की आपात लैंडिंग कराना पड़ी तो कई स्कूलों को खाली कराया गया।

तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट: तिरुवल्लूर में रेड अलर्ट, कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

– मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में मौसम विभाग ने भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। चेन्नई मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना गहरा अवदाब कमजोर होकर निम्न दबाव क्षेत्र में तब्दील हो गया है, लेकिन इसके असर से अगले दो दिनों तक तटीय और आंतरिक जिलों में तेज बारिश की संभावना बनी हुई है।

मौसम विभाग ने बताया कि यह निम्न दबाव क्षेत्र चेन्नई से करीब 40 किलोमीटर दूरी पर स्थित है और तमिलनाडु-पुडुचेरी तट से लगभग 25 किलोमीटर दूर समुद्र में केंद्रित है। इसके कारण कई जिलों में भारी वर्षा की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

तिरुवल्लूर जिले में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया है। चेन्नई, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और रानीपेट जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहाँ बहुत भारी बारिश हो सकती है। वेल्लोर, तिरुवन्नामलाई, विलुप्पुरम, कल्लाकुरिची और कुड्डालोर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

3 दिसंबर को नीलगिरी, इरोड और कोयंबटूर जिलों में बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, थेनी, डिंडीगुल, तिरुप्पूर, नामक्कल और सेलम जिलों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट लागू रहेगा।

मौसम विभाग ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है और तटीय क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने को कहा है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में राहत दल तैनात कर दिए हैं। लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित हुआ है, जबकि स्कूलों को बंद रखने पर भी स्थानीय प्रशासन विचार कर रहा है। आने वाले 24 से 48 घंटे राज्य के कई जिलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहने वाले हैं।

मुस्लिम ज्ञानवापी हिंदुओं को सौंप दें, हिंदू भी अब कोई नया दावा पेश ना करें

-केके मुहम्मद ने की मंदिर-मस्जिद विवादों में संयम बरतने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पूर्व रीजनल डायरेक्टर केके मुहम्मद ने मंदिर-मस्जिद विवादों में संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि चर्चा के सेंटर में अब सिर्फ तीन जगहें- राम जन्मभूमि, मथुरा और ज्ञानवापी होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि मुसलमानों को अपनी मर्जी से ये जगहें सौंप देनी चाहिए। केके मुहम्मद ने हिन्दुओं से भी कहा कि वे अब नया दावा पेश ना करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि दावों को बढ़ाने से और ज्यादा दिक्कतें पैदा होंगी। केके मुहम्मद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब मंदिर-मस्जिद विवाद से जुड़ी कई याचिकाएं देश भर की अदालतों में पेंडिंग हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केके मुहम्मद ने बताया कि राम जन्मभूमि के अलावा मथुरा और ज्ञानवापी दो और जगहें हैं जो हिंदुओं के लिए उतनी ही ज़रूरी हैं जितनी मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना हैं। अयोध्या विवाद पर बात करते हुए केके मुहम्मद ने 1976 में बीबी लाल की अगुआई में बाबरी मस्जिद की खुदाई में खुद के शामिल होने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह विवाद एक कम्युनिस्ट इतिहासकार के असर की वजह से बढ़ा। उनके मुताबिक कम्युनिस्ट इतिहासकारों ने मुस्लिम कम्युनिटी को इस बात के लिए मनाया कि वे मस्जिद के नीचे मंदिर होने के सबूत को खारिज कर दें। मुहम्मद के मुताबिक ज्यादातर मुसलमान शुरू में विवादित जगह पर मंदिर बनाने की इजाजत देकर मामले को सुलझाने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा कि इतिहासकार आर्कियोलॉजिस्ट नहीं थे और खुदाई के किसी भी स्टेज पर वह उस जगह पर नहीं गए थे। उन्होंने झूठी बातें फैलाने की आलोचना की और उस समय लोगों की राय पर असर डालने वालों के बीच सीधी जानकारी की कमी की ओर इशारा किया।

मोहम्मद ने कहा है कि उस बहुत जरूरी समय में एक कम्युनिस्ट इतिहासकार ने इन सब चीजों में दखल दिया और मुस्लिम समुदाय को यकीन दिलाया कि प्रोफेसर लाल ने उस जगह की खुदाई की थी और उन्हें ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे मंदिर के पहले से होने का पता चले। तो यह उनकी बनाई हुई चीज थी। इसलिए मुसलमानों के पास कोई और रास्ता नहीं था। उन्होंने कहा कि वे कभी उस जगह पर नहीं गए थे, न खुदाई से पहले, न खुदाई के दौरान और न ही खुदाई के बाद।

केके मोहम्मद ने कहा कि इसलिए बिना सब्जेक्ट जाने, कम्युनिस्ट इतिहासकार इस तरह की झूठी कहानियां फैला रहे थे। इसलिए किसी को तो इसका जवाब देना ही था। इसलिए पहली बार प्रोफेसर बीबी लाल जिन्होंने टीम को लीड किया था, उन्होंने इसका करारा जवाब दिया। मंदिर-मस्जिद बहस के बड़े मुद्दे पर केके मुहम्मद ने सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि हमें बहुत सावधान रहना चाहिए। उन्होंने राम जन्मभूमि के साथ-साथ मथुरा और ज्ञानवापी को हिंदू समुदाय के लिए खास महत्व वाली जगहों के तौर पर पहचाना और मुसलमानों के लिए उनकी अहमियत मक्का और मदीना जितनी बताई।

उन्होंने आगे कहा कि इसलिए मुसलमानों को अपनी मर्जी से ये तीन जगहें सौंप देनी चाहिए। धार्मिक जगहों से जुड़ी दूसरी याचिकाओं के बारे में सवालों के जवाब में केके मुहम्मद ने कहा कि इन तीनों के अलावा हिंदू समुदाय की तरफ से कोई और मांग नहीं आनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी और दावे करने से समस्या हल नहीं होगी और आगे टकराव का खतरा रहेगा। उन्होंने ऐसी मांगों को लेकर अंदरूनी कंट्रोल की कमी पर भी कमेंट किया और कहा कि हिंदुओं के अंदर की समस्या को कंट्रोल करने वाला कोई नहीं है। उन्होंने ताजमहल के बारे में कुछ हिंदू संगठनों के आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और उन्हें झूठा बताया। सांस्कृतिक विरासत के बचाव पर केके मुहम्मद ने कहा कि सरकार से जो उम्मीदें थीं खासकर उन जगहों की सुरक्षा को लेकर वे पूरी नहीं हुईं। उन्होंने मौजूदा समय को आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया का काला युग बताया, और खास तरक्की न होने की आलोचना की।

डिजिटल अपराध में तेज़ी से बढ़ोतरी, सेक्सटॉर्शन और साइबर अपराध के ज़रिए मुंबईकरों से 127 करोड़ रुपये ठगे गए

मुंबई (एजेंसी)। इन दिनों मुंबई में डिजिटल अपराध में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है और सेक्सटॉर्शन एवं साइबर अपराध की वजह से मुंबईकरों से 127 करोड़ रुपये ठगे जाने की खबर सामने आई है। बताया गया है कि सेक्सटॉर्शन के मुकाबले तीन गुना ज़्यादा लोग साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। साइबर अपराध में शेयर ट्रेडिंग फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम और प्रोविडेंट फंड स्कैम शामिल हैं। सेक्सटॉर्शन जैसे ही साइबर अपराध जैसे डिजिटल अपराध में तेज़ी से बढ़ोतरी होने से लोगों के बीच चिंता का माहौल है। खबर है कि 2022 से अगस्त 2025 के बीच मुंबई में सेक्सटॉर्शन के 193 और साइबर अपराध के 603 मामले दर्ज किए गए। इन डिजिटल अपराधों में लोगों से 127.6 करोड़ रुपये ठगे गए हैं। दरअसल

राज्य साइबर विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरनेट एक्सेस और जागरूकता की कमी की वजह से सेक्सटॉर्शन और साइबर अपराध जैसे वर्चुअल क्राइम बढ़ रहे हैं। सेक्सटॉर्शन में सायबर अपराधी चैट या वॉट्सअप ऐप वीडियो कॉल के दौरान मॉर्फ्ड, आपत्तिजनक इमेज दिखाकर लोगों को ब्लैकमेल करते हैं ताकि उनसे पैसे ऐंठे जा सकें। इस बीच, साइबर अपराध में अपराधी सोशल मीडिया पर लोगों को टारगेट करते हैं और अपनी असली पहचान छिपाते हैं। मुंबई के पवई इलाके में रहने वाले एक युवा मैनेजर ने क्वेक ब्वाक डी नाम के डेटिंग ऐप पर दिव्या नाम की एक महिला से दोस्ती की। 20,000 रुपये चार्ज करने के बाद, दिव्या ने पीड़ित का निजी वीडियो उसके भाई, दोस्तों और उसकी कॉन्टैक्ट लिस्ट के सदस्यों को भेज दिया। फिर उसने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट न करने का वादा करके मैनेजर से 2 लाख रुपये ऐंठ लिए। इस बीच, मलाड की एक छात्रा को छह महीने तक साइबर अपराध का सामना करना पड़ा। जब पुलिस ने मुंबई से सटे मीरा रोड से आफताब को गिरफ्तार किया, तो उन्हें पता चला कि पीड़िता उसे कॉलेज में इग्नोर कर रही थी। इसीलिए वह उसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उसे परेशान कर रहा था।

क्या हम उनके लिए लाल कालीन बिछाएं? रोहिंग्या घुसपैठ पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमित कल्याणकारी संसाधनों पर दबाव पर ज़ोर देते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या आपके गरीब बच्चे इन लाभों के हकदार नहीं हैं? क्या हमें कानून को इतना ज़्यादा खींचना होगा? पीठ ने अवैध प्रवासन, खासकर भारत की उत्तरी सीमाओं पर, से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं पर भी प्रकाश डाला। मुख्य न्यायाधीश ने इस मुद्दे के राष्ट्रीय सुरक्षा पहलू पर ज़ोर देते हुए कहा कि उत्तर भारत में हमारी सीमा बेहद संवेदनशील है। अगर कोई घुसपैठिया अवैध रूप से प्रवेश करता है, तो क्या उसे यहीं रखना हमारा दायित्व है? ये टिप्पणियाँ रोहिंग्याओं के लापता होने का आरोप लगाने वाली एक याचिका की सुनवाई के दौरान आईं।

हालाँकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका के मूल आधार पर ही सवाल उठाते हुए तर्क दिया कि यह याचिका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दायर की गई है जिसका ऐसे मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एक जनहित याचिका याचिकाकर्ता, जिसका रोहिंग्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, ये प्रार्थनाएँ कर रहा है। अदालत से इस याचिका पर विचार न करने का आग्रह किया। पक्षों की संक्षिप्त सुनवाई के बाद, पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि वह 16 दिसंबर को इस पर फिर से विचार करेगी। ये टिप्पणियाँ रोहिंग्य ओं के लापता होने का आरोप लगाने वाली एक याचिका की सुनवाई के दौरान आईं। हालाँकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका के मूल आधार पर ही सवाल उठाते हुए तर्क दिया कि यह याचिका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दायर की गई है जिसका ऐसे मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एक जनहित याचिका याचिकाकर्ता, जिसका रोहिंग्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, ये प्रार्थनाएँ कर रहा है,÷ और अदालत से इस याचिका पर विचार न करने का आग्रह किया। पक्षों की संक्षिप्त सुनवाई के बाद, पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि वह 16 दिसंबर को इस पर फिर से विचार करेगी।

कर्नाटक में सिद्धरमैया और डीके के बीच समझौता... तूफान के आने से पहले की शांति

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के विपक्षी दलों और राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कर्नाटक के नाटक को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच 'समझौता' अस्थायी है। उन्होंने कहा, यह तूफान से पहले की शांति और एक 'रणनीतिक समायोजन' है। लेकिन कांग्रेस ने मुद्दे पर भ्रम पैदा करने के लिए विपक्ष और मीडिया को जिम्मेदार ठहराया। एक महीने से चल रहे सत्ता संघर्ष के बाद दोनों नेताओं ने शनिवार को सिद्धरमैया के आवास पर नाश्ते पर मुलाकात कर मतभेदों के दूर होने की बात कही। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने बाद में प्रेसवार्ता को संबोधित किया, एकता का प्रदर्शन कर ऐलान किया कि वे पार्टी आलाकमान का कहना मानने वाले है। इस तरह, उन्होंने मुख्यमंत्री परिवर्तन पर विवाद को खत्म करने की कोशिश की। कथित तौर पर 2023 में कर्नाटक में सरकार बनाते समय सहमति बनी थी कि ढाई साल के कार्यकाल के बाद शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने हैं, और ढाई साल नवंबर 2025 में पूरे हुए।

राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रकाश शेषराघवचार के मुताबिक जिस बैठक के परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ, वह ''हर असहमति को सुलझाने के बारे में कम और कामकाजी सद्भाव को बहाल करने के बारे में अधिक थी''। उन्होंने दावा किया, ''यह केवल एक अस्थायी समझौता है। एक बार जब कोई राजनीति में अति महत्वाकांक्षी होता है, तब आप उस शख्स को कुछ समय के लिए शांत करा सकते हैं, लेकिन यह फिर से उभरेगा।' बीजेपी नेता शेषराघवचार के मुताबिक, शिवकुमार ने अपने समर्थकों को उनके पक्ष में आवाज उठाने के लिए उकसाया था। इसके बाद ''शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली गए और कुछ संत भी उनके समर्थन में आए। अब डीके पीछे नहीं हट सकते। इस बात से उनकी प्रतिष्ठा को धक्का लगेगा। अब उनके सामने करो या मरो की स्थिति है, जिसे उन्होंने खुद न्यौता दिया है। हो सकता है कि मीडिया या किसी और माध्यम से इस नए सिरे से शुरू करने के लिए वह कुछ समय तक चुप रहें।''

भाजपा नेता ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस अब दो गुटों में बंट चुकी है और इसकी लड़ाई राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जैसी हो गई है, जहां गुटबाजी ने चुनाव में इसकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। अन्य विपक्षी पार्टी जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के विधान पार्षद (एमएलसी) टी ए शरवण ने बताया कि इस विवाद ने दोनों नेताओं और उनकी पार्टी को जनता के सामने पहले ही बेनकाब किया है, लेकिन अब वे अपने झगड़े को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''राज्य के लोग एकता के इस प्रदर्शन को स्वीकार नहीं करने वाले है। कर्नाटक सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में असमर्थ है और विकास कार्यों को करने में विफल रही है। इसलिए, मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने नाटक का मंचन किया।''

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक रामकृष्ण उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने सिर्फ सुलह-समझौते का काम किया है, जो ज्यादा दिन नहीं रहने वाला है। उन्होंने कहा, ''कल की नाश्ते पर बैठक आलाकमान के आदेश पर हुई थी, इस उन्होंने (मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने) स्वेच्छा से नहीं किया था। उनके बीच पहले से ही मतभेद थे। नाश्ते पर बैठक और प्रेसवार्ता आलाकमान द्वारा पूरी तरह से सुनियोजित कदम था। वरिष्ठ पत्रकार उपाध्याय ने कहा, ''सिद्धरमैया और शिवकुमार ने ठीक वहीं किया, जो उन्हें

बताया गया था, कि वे साथ हैं, उनमें एकता है, उनके बीच कोई मतभेद नहीं हैं और वे कांग्रेस आलाकमान की बातों पर अड़े रहने वाले है। लेकिन इतने महीनों और पिछले एक हफ्ते से चल रही तीखी खींचतान के बाद, क्या समाधान की कोई संभावना है? नतीजा शून्य है।''

उनके अनुसार, नाश्ते की बैठक में कुछ भी हासिल नहीं हुआ, क्योंकि इसमें स्पष्टता का अभाव था कि क्या आलाकमान ने डीके को मुख्यमंत्री बनाने के संबंध में कोई वादा किया था। कांग्रेस प्रवक्ता एम. लक्ष्मण ने जोर देकर कहा कि दोनों नेताओं के बीच किसी भी समय कोई मतभेद नहीं था। लक्ष्मण ने बताया कि ''मतभेदों का विमर्श भाजपा और जनता दल (एस) और मीडिया के एक वर्ग का नतीजा है। अगर कोई समझौता हुआ था, तब वह कांग्रेस का अंदरूनी मामला था और फैसले पार्टी को लेने थे।

यात्री वाहन बिक्री में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, मारुति सुजूकी अग्रणी

- जीएसटी कटौती और मांग ने दिया बड़ा सहारा

नई दिल्ली ।

नवंबर 2025 में भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री लगभग 4,25,000 इकाई रही, जो पिछले साल की इसी अवधि में 3,52,000 वाहनों से 20.7 फीसदी अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा की गई जीएसटी कटौती और त्योहारी सीजन की मांग ने इस वृद्धि को मजबूती दी है। भारतीय वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम के अनुसार, अक्टूबर में भी घरेलू थोक बिक्री 17.2 फीसदी बढ़कर 460,739 वाहन रही। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार मजबूत मांग और जीएसटी कटौती के कारण भारत का वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। मारुति सुजूकी की घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री, जो डीलरों को भेजी गई एक साल पहले के मुकाबले 21 फीसदी 1,70,971 इकाई हो गई। मारुति सुजूकी इंडिया (एमएसआईएल) के एक वरिष्ठ कार्य अधिकारी ने कहा कि दिसंबर में थोक बिक्री भी अच्छी रहने की उम्मीद है क्योंकि उत्पादन टीम उच्च मांग को पूरा करने के लिए ओवरटाइम काम कर रही है। उन्होंने बताया कि इस साल नवंबर में वाहन उद्योग की यात्री वाहनों की थोक बिक्री लगभग 4,25,000 गाड़ियों की रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में करीब 3,52,000 गाड़ियां बिकी थीं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में वाहन उद्योग की कुल यात्री वाहनों की बिक्री 5 से 6 फीसदी के दायरे में रहने की उम्मीद है। भारतीय वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम ने 14 नवंबर को कहा था कि त्योहारी सीजन और जीएसटी में कमी के बीच उच्च मांग के कारण इस साल अक्टूबर में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 17.2 फीसदी बढ़ी हैं और 460,739 गाड़ियां बिकी हैं। नवंबर में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री के मामले में दूसरे नंबर पर रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा की घरेलू यात्री वाहनों थोक बिक्री 56,336 इकाई रही, जिसमें कि एक साल पहले के मुकाबले 21.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। ह्युंडै मोटर इंडिया की घरेलू पीवी थोक बिक्री नवंबर में एक साल पहले के मुकाबले 4.3 फीसदी बढ़कर 50,340 इकाई हो गई।

रिलायंस रिटेल ने अपने उपभोक्ता कारोबार का पुनर्गठन पूरा किया

- एफएमसीजी कारोबार अब नई इकाई न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड में

नई दिल्ली ।

रिलायंस रिटेल ने अपने उपभोक्ता कारोबार का पुनर्गठन पूरा कर लिया है। इसके तहत एफएमसीजी (दैनिक उपभोग की वस्तुएं) ब्रांड व्यवसाय को नई इकाई न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (न्यू आरसीपीएल) में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह कदम 1 दिसंबर 2025 से प्रभावी हो गया है। अब न्यू आरसीपीएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की प्रत्यक्ष सहायक कंपनी बन गई है। न्यू आरसीपलएल में आरआईएल का हिस्सा 83.56 प्रतिशत होगा, जबकि आरआरवीएल में अन्य निवेशकों की हिस्सेदारी 16.44 प्रतिशत रहेगी। आरआरवीएल के शेयरधारकों को न्यू आरसीपलएल में शेयर आवंटित किए जाएंगे, दर के अनुसार आरआरवलीएल के दो शेयर न्यू आरसीपलएल का एक शेयर। इस प्रक्रिया के तहत आरआरवीएल की पूर्व-योजना की चुकता शेयर पूंजी रद्द और कम कर दी जाएगी। आरआईएल ने 17 अक्टूबर को अपने नवीनतम आय विवरण में कहा था कि आरसीपीएल ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 9,850 करोड़ रुपये का सकल राजस्व दर्ज किया। रिलायंस ने 2022 में एफएमसीजी बाजार में प्रवेश किया।

उसके बाद से इसने कैंपा कोला सहित कई ब्रांड का अधिग्रहण किया और कई नए ब्रांड पेश किए हैं। इसकी उपस्थिति कोला से लेकर साबुन, स्टेपल, डिशवॉशिंग लिक्विड, डिटर्जेंट और फ्लोर क्लीनर तक के एफएमसीजी खंड में है। आरआरवीएल ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 3.30 लाख करोड़ रुपये का एकीकृत कारोबार किया था।

पोस्ट ऑफिस की टीडी योजना: निवेश एक लाख, पांच वर्ष में ब्याज रिटर्न 44,995 रुपए

- पांच वर्षीय टीडी पर 7.5 फीसदी ब्याज दर लागू

नई दिल्ली ।

पोस्ट ऑफिस की पांच वर्षीय टाइम डिपॉजिट (टीडी) योजना उन निवेशकों के लिए आदर्श है, जो शून्य जोखिम वाले निवेश की तलाश में हैं। यह योजना केंद्र सरकार द्वारा समर्थित है और निवेशकों को निश्चित ब्याज दर पर रिटर्न देती है। इस योजना में निवेशक 1, 2, 3 या 5 वर्ष के लिए निवेश कर सकते हैं, जिसमें पांच वर्षीय टीडी सबसे लोकप्रिय है। पांच वर्षीय टीडी निवेशकों को स्थिर और गारंटीड रिटर्न के साथ टैक्स लाभ भी देता है।

निवेशक आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो लंबी अवधि में सुरक्षित रिटर्न चाहते हैं। निवेश करने के लिए अपने नजदीकी पोस्ट ऑफिस में टीडी खाता खोलना होगा। आवश्यक केवायसी दस्तावेज़ जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड और फोटो जमा करना अनिवार्य है। खाता नकद, चेक या बैंक ट्रांसफर के जरिए तुरंत खोला जा सकता है। खाता सिंगल या जॉइंट भी हो सकता है।

वर्तमान में पोस्ट ऑफिस की पांच वर्षीय टीडी पर 7.5 फीसदी ब्याज दर लागू है। 1,00,000 रुपये निवेश करने पर 5 वर्षों में कुल रिटर्न 44,995 रुपये होगा और मेच्योरिटी राशि 1,44,995 रुपये तक पहुंच जाएगी। ब्याज सालाना भुगतान होता है, लेकिन गणना त्रैमासिक आधार पर की जाती है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में किया बदलाव

- ओवरलिमिट के नाम पर नहीं चलेगा बैंक का खेल

नई दिल्ली । डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बीच देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग तेजी से बढ़ा है। लेकिन कई बार ग्राहक अनजाने में अपनी निर्धारित कार्ड लिमिट से अधिक खर्च कर लेते हैं, जिसके कारण बैंकों द्वारा भारी ओवरलिमिट शुल्क लगाया जाता है। ऐसे बढ़ते मामलों को देखते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अब क्रेडिट कार्ड से जुड़े अहम नियमों में बड़ा बदलाव किया है। ये नए नियम करोड़ों कार्ड उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आए हैं। आरबीआई ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अब कोई भी बैंक या कार्ड जारीकर्ता ग्राहक की स्पष्ट सहमति के बिना ओवरलिमिट फीचर सक्रिय नहीं कर सकेगा। पहले कई बैंक इस सुविधा को स्वतः सक्रिय कर देते थे, जिससे ग्राहक अनजाने में अपनी लिमिट से अधिक खर्च कर बैठते थे और बाद में उन्हें भारी ओवरलिमिट चार्ज चुकाना पड़ता था। आरबीआई ने इस प्रथा पर पूरी तरह रोक लगा दी है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी कार्ड जारीकर्ताओं को अपने मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म पर एक ट्रांजैक्शन कंट्रोल फीचर उपलब्ध कराना होगा। इस फीचर के माध्यम से ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार ओवरलिमिट सुविधा को ऑन या ऑफ कर सकेंगे। यह विकल्प 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि ग्राहक ने ओवरलिमिट की अनुमति नहीं दी है, तो कार्ड किसी भी स्थिति में निर्धारित लिमिट से अधिक खर्च की अनुमति नहीं देगा।

सरकार का बड़ा फैसला: सभी नए स्मार्टफोनों में 'संचार साथी' ऐप अनिवार्य

- 'संचार साथी' ऐप उपयोगकर्ताओं द्वारा हटाया नहीं जा सकेगा

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नया आदेश जारी किया है। इसके तहत अब देश में बिकने वाले सभी नए स्मार्टफोन में 'संचार साथी साइबर सेफ्टी ऐप' पहले से इंस्टॉल होना अनिवार्य होगा। साथ ही इसे यूज़र द्वारा हटाया नहीं जा सकेगा। जो फोन पहले से सप्लाई चेन में हैं, उनके लिए यह ऐप सॉफ़्टवेयर अपडेट के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार का मानना है कि साइबर धोखाधड़ी, फोन चोरी, सिम कार्ड के दुरुपयोग और अन्य साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। 'संचार साथी' ऐप इन जोखिमों से सुरक्षा बढ़ाने में मदद करता है। इसे अनिवार्य बनाकर हर यूज़र इसके सुरक्षा फीचर्स का लाभ उठा सकेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम फोन निर्माता कंपनियों की प्रीलोडेड ऐप पॉलिसी, सॉफ्टवेयर कस्टमाइजेशन और डेटा सुरक्षा अनुपालन पर असर डाल सकता है। कंपनियों को अपने सिस्टम अपडेट और फ्रेमवर्क में बदलाव करना होगा। चूंकि ऐप हटाया नहीं जा सकेगा, कई यूज़र्स इसे बाध्यकारी ऐप के रूप में देख सकते हैं। सरकार का दावा है कि यह कदम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिक डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 41 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.94 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की व्यापक मजबूती और लगातार विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 89.85 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार कंपनियों, आयातकों और विदेशी निवेशकों द्वारा डॉलर की मजबूत मांग ने रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.70 पर खुला था, जो जल्दी ही नए निचले स्तर पर फिसल गया। सोमवार को यह 89.79 प्रति डॉलर तक गिरने के बाद 89.53 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 99.41 पर स्थिर दिखा।

सुप्रीम कोर्ट ने की रिलायंस और अधिकारियों की याचिका खारिज

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और उसके दो अधिकारियों की याचिका खारिज कर दी। याचिका प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सेट) के फैसले के खिलाफ थी, जिसमें जियो-फेसबुक सौदे के बारे में शेयर बाजार को तुरंत स्पष्टीकरण न देने पर सेबी का 30 लाख रुपये का जुर्माना बरकरार रखा गया था। सेबी ने पाया कि आरआईएल और उसके अधिकारी अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) का तत्काल खुलासा करने में विफल रहे। जुर्माने का निर्णय जून 2022 में लिया गया था और सेट ने इसे दो मई 2025 को बरकरार रखा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि सेट के निष्कर्ष हस्तक्षेप योग्य नहीं हैं और इसमें कोई कानूनी सवाल नहीं है।

दिल्ली-मुंबई एयरपोर्ट में सफर करना हो सकता है महंगा

- विवादित आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर यात्रियों से वसूले जाने वाले यूजर डेवलपमेंट फीस (यूडीएफ) में भारी वृद्धि हो सकती है। यह टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल (टीडीएसएटी) के हालिया आदेश के कारण सामने आया है, जिसमें 2009-2014 के एयरलाइन टैरिफ की गणना का फॉर्मूला दोबारा तय किया गया है। दिल्ली में घरेलू यात्रियों के लिए यूडीएफ 129 रुपए से बढ़कर 1,261 रुपए और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए 650 से 6,356 रुपए तक हो सकता है। मुंबई में घरेलू यात्रियों के लिए यह 175 से 3,856 रुपए और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए 615 से 13,495 रुपए तक पहुंच सकता है। भारतीय और विदेशी एयरलाइंस ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

टाटा स्टील का पोर्ट टैलबॉट प्लांट में बड़ा बदलाव, आय प्रभा वित

- टाटा स्टील की पुरानी भट्टी बंद कर नई इलेक्ट्रिक भट्टी लगाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील का पोर्ट टैलबॉट प्लांट सितंबर 2024 में अपनी आखिरी पारंपरिक भट्टी बंद कर चुका है। इसके स्थान पर कंपनी इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) लगा रही है, जो बिजली से चलेगी और कम प्रदूषण करेगी। इस नई भट्टी की कुल लागत 1.25 बिलियन पाउंड है, जिसमें से 500 मिलियन पाउंड सरकार दे रही है। नया प्लांट 2027 के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है। जब तक नया प्लांट नहीं बनता, टाटा स्टील यूके दूसरे देशों से स्टील स्लैब मंगाकर काम चला रही है। इससे लॉजिस्टिक व्यवस्था कठिन हो गई है और उत्पादन खर्च बढ़ गया है। वहीं वैश्विक बाजार में स्टील की कीमतें गिरने से कंपनी की कमाई पर सीधा असर पड़ा है। कंपनी पिछले साल 200 मिलियन पाउंड बचा चुकी थी और इस साल भी उतना ही बचाने की योजना है। कुल तय लागत में से लगभग 40 फीसद की कटौती की गई है। कर्मचारियों की संख्या कम की गई, कई कॉन्ट्रेक्ट दोबारा किए गए और दफ्तर में खर्च पर रोक लगाई गई है। फिर भी, बाजार की कमजोरी के कारण ये बचत पूरी तरह लाभकारी नहीं हो रही। ब्रिटेन में फ्लैट स्टील की मांग 2018 से 33 फीसद कम हो गई है, जबकि आयात की सीमा 20 फीसदी बढ़ गई है। इससे विदेशी सस्ता स्टील बाजार में भर गया और घरेलू कीमतें गिर गईं। टाटा स्टील का कहना है कि अगर सरकार यूरोप जैसी कठोर आयात नीतियां अपनाए, तो उद्योग की स्थिति जल्दी सुधर सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 503, निफ्टी 143 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवारा को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 503.63 अंकों टूटकर 85,138.27 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 143.55 अंक नीचे आकर 26,032.20 अंकों पर बंद हुआ। आज बैंकिंग स्टॉक्स सहित सेंसेक्स और निफ्टी की ज्यादातर कंपनियों के शेयर नीचे आये थे। वहीं गत दिवस भी बाजार हल्की गिरावट पर बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 10 कंपनियों के शेयर भी तेजी के साथ में बंद हुए और शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 50 में से केवल 15 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और शेष सभी 35 कंपनियों के शेयर गिरे। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स के शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि आईसीआईसीआई बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.14 फीसदी नीचे आकर बंद हुए।

इनके अलावा, आज सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में भारती एयरटेल , मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस , हिंदुस्तान यूनिलीवर , एनटीपीसी , टेक महिंद्रा, ट्रेंट , टीसीएस और टाइटन के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक , एचडीएफसी बैंक, बीईएल , एलएंडटी, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स , महिंद्रा एंड महिंद्रा , आईटीसी , टीएमपीवी, एचसीएल टेक , टाटा स्टील , कोटक महिंद्रा बैंक , के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार` गिरावट के साथ खुले। शुरुआत में सेंसेक्स 300 से अधिक अंक टूटकर 85,325 पर खुला। हालांकि इसके बाद कुछ रिकवरी देखने को मिली। इसी तरह निफ्टी भी कमजोरी के साथ 26,087 पर खुलने के कुछ देर बाद यह 57.85 अंक की गिरावट के साथ 26,117 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजारों की बात करें तो मंगलवार को एशियाई इंडेक्स में मजबूती दिखी। कोस्पी 1.02 फीसदी मजबूती के साथ बंद हुआ। जापान का निक्केई 225 शुरुआती कारोबार में 0.54 फीसदी चढ़ा, हालांकि जापानी सरकारी बॉन्ड यील्ड में उछाल आया और 10-वर्षीय यील्ड 1.88 फीसदी तक पहुंच गई, जो 2008 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। उधर, वॉल स्ट्रीट पर क्रिप्टो-प्रेरित बिकवाली से निवेशकों की धारणा कमजोर रही। एसएंडपी 500 में 0.53 फीसदी, नैस्डैक में 0.38 फीसदी और डॉव जोन्स में 0.9 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

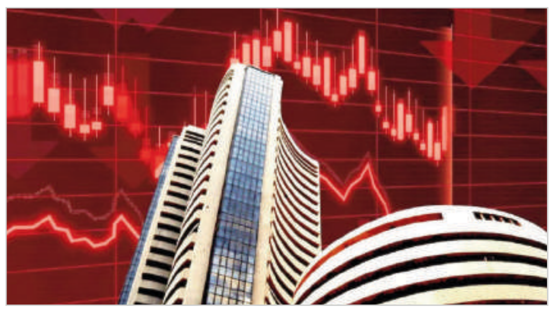

रिलायंस ने स्टार इंडिया का जियोस्टार में विलय पूरा किया

- संयुक्त कंपनी का मूल्य लगभग 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी अनुषंगी कंपनी स्टार टेलीविजन प्रोडक्शंस लिमिटेड (एसटीपीएल) का जियोस्टार के साथ विलय पूरी कर ली है। एसटीपीएल 'स्टार' ब्रांड की मालिक है और समूह कंपनियों को इसे लाइसेंस देती है। रिलायंस ने 14 नवंबर 2024 को इस विलय योजना की जानकारी दी थी। जियोस्टार ने 30 नवंबर 2025 को सूचना दी कि विलय अब प्रभावी हो गया है। जियोस्टार, रिलायंस के मीडिया कारोबार और वॉल्ट डिज्नी के भारतीय कारोबार के विलय के बाद बनी संयुक्त कंपनी है। संयुक्त कंपनी का मूल्य लगभग 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया है। यह भारत का प्रमुख मीडिया और मनोरंजन मंच बन चुका है। जुलाई-सितंबर तिमाही में जियोस्टार ने 7,232 करोड़ रुपये का राजस्व और 1,322 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। फरवरी में जियोसिनेमा और डिज्नी प्लस हॉटस्टार का विलय कर नया ओटीटी प्लेटफॉर्म 'जियोहॉटस्टार' लॉन्च किया गया था। इस विलय से रिलायंस मीडिया कारोबार को और मजबूत और व्यापक टीवी व ओटीटी प्लेटफॉर्म का नेतृत्व हासिल होगा।

विप्रो ने हरमन की डीटीएस इकाई का 37.5 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण किया

- विप्रो की बड़े पैमाने पर नवाचार करने की क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली।

बेंगलुरु मुख्यालय वाली आईटी सेवा कंपनी विप्रो ने हरमन की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस (डीटीएस) कारोबार इकाई का अधिग्रहण नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद पूरा कर लिया है। यह अधिग्रहण 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 3,270 करोड़ रुपये) में हुआ। कंपनी ने 21 अगस्त 2025 को इस सौदे की घोषणा की थी। विप्रो ने कहा कि डीटीएस का अधिग्रहण कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमताओं, इंजीनियरिंग नवाचार और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी)उत्कृष्टता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विप्रो की एंड-टू-एंड इंजीनियरिंग सेवाओं की पेशकश मजबूत होगी और बड़े पैमाने पर नवाचार करने की क्षमता बढ़ेगी। विप्रो के प्रबंध साझेदार और इंजीनियरिंग के वैश्विक प्रमुख ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी को जटिल व्यावसायिक बदलावों को समर्थन देने और मापनीय व्यावसायिक मूल्य प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। डीटीएस के एक अधिकारी ने बताया कि विप्रो की वैश्विक पहुंच और उन्नत तकनीकी क्षमताएं नए उद्योगों में विस्तार और ग्राहकों को बेहतर समाधान देने का आधार प्रदान करेंगी। इस अधिग्रहण के साथ, विप्रो ने अपनी तकनीकी और नवाचार क्षमता को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया है, जिससे यह उद्योग में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करेगा।

वेकफिट का आईपीओ आठ दिसंबर को खुलेगा

- मूल्य दायरा 185-195 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली । घरेलू सामान एवं फर्नीचर बनाने वाली कंपनी वेकफिट इनोवेशंस ने अपने 1,289 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 185-195 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। बेंगलुरु स्थित कंपनी का आईपीओ आठ दिसंबर को खुलेगा और 10 दिसंबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक पांच दिसंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 377.18 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और करीब 912 करोड़ रुपये मूल्य के 4,67,54,405 शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे कुल मिलाकर इसका आकार 1,289 करोड़ रुपये बैठता है। कंपनी के शेयर 15 दिसंबर को बाजार में सूचीबद्ध होंगे।

रायपुर वनडे से पहले स्टेन का बड़ा बयान: रोहित-विराट का जलवा कायम, डी कॉक पर सबकी निगाहें

रांची (एजेंसी)। रायपुर में भारत के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लिए, रांची में पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद वरिष्ठ बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक को कुछ साबित करना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे बुधवार को रायपुर में होगा। भारत सीरीज में 1-0 से आगे है।

रांची में पहले वनडे में विराट कोहली (135), केएल राहुल (60) और रोहित शर्मा (58) ने यादगार बल्लेबाजी की, जिससे भारत 349/8 पर पहुंच गया। 11/3 से पिछड़ने के बाद, मैथ्यू ब्रीट्ज़के (72), मार्को जेनसन (70) और कॉर्बिन बॉश (67) की प्रोटियाज तिकड़ी ने प्रोटियाज को जीत के करीब पहुंचाया। दूसरे वनडे से अपनी उम्मीदों पर बात करते हुए, जियोस्टार विशेषज्ञ स्टेन ने कहा कि मुझे लगता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का प्रदर्शन जारी रहेगा। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि कौन से तेज़ गेंदबाज़ और कौन से स्पिनर कुछ दिलचस्प करते हैं। यह अब तक बल्लेबाज़ों के लिए स्वर्ग रहा है, तो कौन से गेंदबाज़ दूसरे वनडे में अच्छा प्रदर्शन करेंगे? क्विंटन डी कॉक ने पहले वनडे में कोई रन नहीं बनाया था, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी बात साबित करनी होगी। वह ऐसे गेंदबाज़ हैं जिन पर दक्षिण अफ्रीका बड़ा स्कोर बनाने के लिए निर्भर करेगा।

इस साल वनडे से संन्यास लेने के बाद सफ़ेद गेंद से वापसी करने के बाद से, डी कॉक ने वनडे में दक्षिण अफ्रीका के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चार मैचों में 79.66 की औसत और 91 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123* रन रहा है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भारत के खिलाफ है, उन्होंने भारत के खिलाफ 51.28 की औसत से 1,077 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 रन है।

महिला क्रिकेटरों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह का हुआ प्रमोशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने 2025 विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीन खिलाड़ियों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह ठाकुर को प्रमोशन दिया है। रेलवे ने इन तीनों को ही आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देते हुए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी- स्पोर्ट्स) के पद पर नियुक्त किया है। इन तीनों खिलाड़ियों को अब ग्रुप बी गजेटेड ऑफिसर के बराबर वेतन और सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) की इस पहल से महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी भी मिलेगी।

गौरतलब है कि महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुआ था। इसके खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता था।

राणा सहित तीनो ही क्रिकेटरों ने इस सम्मान और प्रमोशन के लिए रेलवे का आभार जताते हुए कहा है कि इससे उनको और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। राणा को

राणा हाल ही में महिला प्रीमियर लीग नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया। गत सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने के बाद राणा अब जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी।

वैभव सूर्यवंशी की नाबाद शतकीय पारी बेकार गई, महाराष्ट्र के खिलाफ हारा बिहार

कोलकाता (एजेंसी)। प्रतिभावान बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 61 गेंद में नाबाद 108 रन की पारी के बावजूद बिहार को मंगलवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर बिहार ने 14 साल के सूर्यवंशी की नाबाद पारी से तीन विकेट पर 176 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के मारे और टूर्नामेंट के इतिहास में शतक जड़ने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। इसके जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान पृथ्वी साव की 30 गेंद में 66 रन की पारी के अलावा नीरज जोशी(30), रंजीत निकम (27) और निखिल नाईक (22) की पारियों से पांच गेंद शेष रहते सात विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। मोहम्मद इजहार (22 रन पर दो विकेट) और सकीबुल गनी (50 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाकर बिहार को मैच में बनाए रखा लेकिन महाराष्ट्र ने अंततः धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। इससे पहले सूर्यवंशी ने सात छक्के जड़ बिहार की ओर से टी20 पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने आयुष लोहारुका (नाबाद 25) के साथ चौथे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। सूर्यवंशी ने अंतिम ओवर में अर्शिन कुलकर्णी पर चौके के साथ शतक पूरा किया। जाधवपुर यूनिसर्विटी मैदान पर गोवा ने मध्य प्रदेश को सात विकेट से हराया। मध्य प्रदेश के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा ने सुयश प्रभुदेसाई (नाबाद 75) और अभिनव तेजराणा (55) के अर्धशतक से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर171 रन बनाकर जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश ने इससे पहले हरप्रीत सिंह के 80 रन की बदौलत छह विकेट पर 170 रन बनाए।

आईपीएल2026 नीलामी: 2 करोड़ बेस प्राइस पर ग्रीन, लिविंगस्टोन; वेंकटेश-बिश्नोई लिस्ट में, मैक्सवेल क्यों नहीं?

मुम्बई (एजेंसी)। कैमरून ग्रीन, लियाम लिविंगस्टोन, रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर और मथीशा पथिराना उन 45 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में 2 करोड़ रुपये के उच्चतम आधार मूल्य के साथ प्रवेश किया है। कुल 1,355 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है और 30 नवंबर को पंजीकरण बंद होने के बाद सोमवार को फ्रेंचाइजी के साथ साझा किया। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अधिकतम 25 खिलाड़ियों की टीम बनाने की अनुमति है और इस साल 77 स्थान उपलब्ध हैं, जिनमें 31 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

आईपीएल सभी दस टीमों से इच्छा सूची प्राप्त करने के बाद इस सूची को छोटा करेगा। 16 दिसंबर को अबू धाबी में दिन भर चलने वाली नीलामी से पहले, फ्रेंचाइजी को अपनी शॉर्टलिस्ट जमा करने के लिए 5 दिसंबर तक का समय दिया गया है। भारतीय खिलाड़ियों में, प्रमुख भूमिकाओं में विशेषज्ञ खिलाड़ी बड़ी बोलियां आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन सुर्खियाँ ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर टिकी हैं, जिन्होंने पीठ की चोट के कारण 2025 की मेगा-नीलामी को छोड़ दिया था। जिन टीमों के मजबूत रुचि दिखाने की उम्मीद है, उनमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) (64.3 करोड़ रुपये का पर्स) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) (43.4 करोड़ रुपये) शामिल हैं, दोनों के पास स्वस्थ बजट हैं।

केकेआर, विशेष रूप से वेस्टइंडीज के टी20 दिग्गज आंद्रे रसेल के हाल ही में आईपीएल से संन्यास लेने के बाद, ग्रीन पर आक्रामक रूप से काम कर सकता है। ग्रीन की बहुमुखी प्रतिभा, वह क्रम में कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं, सीम-अप गेंदबाजी कर सकते हैं, और क्षेत्ररक्षण में भारी योगदान दे सकते हैं, उन्हें इस साल सबसे अधिक मांग वाले नामों में से एक बनाता है। केकेआर ने वेंकटेश अय्यर सहित नौ खिलाड़ियों को रिलीज़ किया, जिनकी कीमत उन्हें पिछले साल की मेगा-नीलामी में 23.5 करोड़ रुपये लगी थी। अब उनके पास भरने के लिए 12 स्थान हैं, जिनमें छह विदेशी शामिल हैं। पांच बार की चैंपियन सीएसके में नौ रिक्तियां हैं, जिनमें से चार विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

इस नीलामी से पहले रिलीज़ किए गए कई खिलाड़ियों ने 2 करोड़ रुपये की शीर्ष मूल्य सीमा को चुना है। इसमें श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी शामिल हैं, जिन्हें सीएसके ने पिछले साल 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, लेकिन डेथ ओवरों के विशेषज्ञ के रूप में उनकी कीमत के बावजूद, चोट से जूझने के बाद रिलीज़ कर दिया था। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन, जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 8.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, भी एक निराशाजनक सीज़न के बाद खुद को पूल में वापस पाते हैं।

भारतीय खिलाड़ियों में, वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई, दोनों ने खुद को 2 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर सूचीबद्ध किया है। बिश्नोई, जिन्हें पिछले साल लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, को फ्रैंचाइज़ी के साथ चार सीज़न बिताने के बाद जाने दिया गया। इस लंबी सूची में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का नाम शामिल नहीं है। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने पिछले सीज़न में उन्हें 4.2 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन अब 37 वर्षीय मैक्सवेल की 2025 सीज़न के बीच में उंगली में फ्रैक्चर हो गया और उनकी जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को शामिल किया गया है, जिन्हें रिटेन किया गया है।

शास्त्री बोले, गंभीर की जगह मैं होता तो हार की पूरी जिम्मेदारी लेता

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टेस्ट क्रिकेट में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जतायी है । शास्त्री के अनुसार टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने से कोच कोच गौतम गंभीर बच नहीं सकते । कोच के अलावा टीम के खराब प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी भी जिम्मेदार हैं क्योंकि जिस प्रकार से लगातार विकेट गिरे उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता । जहां तक विकेट को स्पिनरों से अधिक

सहायता मिलने की बात है । उसका भी बहाना नहीं चलेगा क्योंकि हम शुरुआत से ही ऐसे ट्रैक पर खेलते रहे हैं । 2012 से 2024 तक घरेलू धरती पर एक भी सीरीज नहीं हारने वाली भारतीय टीम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद 2 घरेलू सीरीज हारी है । उसे पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3–0 से हराया। वहीं अब दक्षिण अफ्रीका ने 2–0 से पराजित किया है । शास्त्री ने कहा कि अगर ये उनके साथ होता तो वह सारी जिम्मेदारी स्वयं ले लेते । उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में जिस प्रकार 100 रन पर एक विकेट से 130 रन पर 7 विकेट गिरे हैं । ये टीम खराब भी नहीं है । उनके पास बहुत प्रतिभा है । खिलाड़ियों को भी कुछ जिम्मेदारी लेनी चाहिए । आप क्रिकेट खेलने की जब शुरुआत करते हैं, तब से स्पिन खेले हैं ।' जब ने उनसे ये पूछा कि क्या वह मुख्य कोच गंभीर का बचाव कर रहे हैं, तब शास्त्री ने कहा, मैं (उनका) बचाव नहीं कर रहा । सौ फीसदी वह भी जिम्मेदार हैं । शास्त्री जब कोच थे तब विराट कोहली टीम के कप्तान थे । उस समय भारतीय टीम घर में हराने और सीरीज जीतने की ताकत रखती थी । शास्त्री–कोहली के समय में भारतीय टीम अपनी धरती पर केवल दो टेस्ट हारी थी । शास्त्री भारत के सबसे सफल कोच में से एक हैं । उनके कार्यकाल में 2017 से 2021 तक भारत का टेस्ट में जीत का रिकार्ड 65 का रहा था ।

लंबी अवधि के प्रारूप मुझे रास आते हैं, विकेटों के बीच दौड़ने पर कोहली से सलाह लेता हूं : तिलक वर्मा

मुम्बई । भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को लंबे प्रारूपों में खेलना रास आता है और वह विराट कोहली से फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह ले रहे हैं ताकि आने वाले मौकों का पूरा फायदा उठा सकें । तेइस वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक सिर्फ चार वनडे खेले हैं जबकि उन्हें टेस्ट टीम में मौका मिलने का इंतजार है । उन्होंने

कहा कि मौजूदा वनडे श्रृंखला में टीम में कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। तिलक ने 'जियोस्टार' से कहा, '' वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं । मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं । जब रोहित भाई और विराट भाई एक ही टीम में होते हैं, तो आत्मविश्वास का स्तर बिल्कुल अलग होता है ।'' उन्होंने रोहित और कोहली की तारीफ करते हुए कहा, ''उनके पास अपार अनुभव और ज्ञान है । मैं बेहतर होने के लिए उनसे ज्यादा से ज्यादा सलाह लेने की कोशिश करता हू ।' इस युवा वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह कोहली से खास तौर पर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह लेते रहे हैं क्योंकि वह इस मामले में वह उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं । तिलक ने कहा, ''मैं विराट भाई से काफी बात करता हूं, खासकर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में उनकी सलाह लेता हूं । मुझे भी दौड़ना पसंद है और मुझे लगता है कि इस मामले में मैं काफी तेज हूं । '' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला के बारे में तिलक ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुझे जब भी मौके मिलेंगे, मैं उन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहूंगा । मैं वनडे और टेस्ट में भी खुद को साबित करना चाहता हूं ।

जूनियर महिला वर्ल्ड कप : भारत की नामीबिया पर बड़ी जीत, 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारतीय टीम ने पूल सी के अपने पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सेंट्रो डेपोटिर्वो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नैशनल में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच ने (12वें, 30वें, 45वें) मिनट और हिना बानो (35वें, 35वें, 45वें) मिनट में शानदार हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में सबसे आगे रहीं, जबकि साक्षी राणा ने (10वें, 23वें) मिनट में दो गोल किए।

भारत के शानदार प्रदर्शन में बिनिमा धन ने (14वें), सोनम ने (14वें), साक्षी शुक्ला ने (27वें), इशिका ने (36वें), और मनीषा ने (60वें) मिनट में एक-एक गोल किया। भारत ने शुरू में ही लय बना ली और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। 10वें मिनट में सफलता मिली जब साक्षी राणा ने एक तेज रिवर्स फ्लिक से गोल किया। कनिका सिवाच ने जल्द ही एक जबरदस्त फिनिश के साथ अपना दूसरा गोल किया। इससे पहले बिनिमा धन और सोनम के तेज स्ट्राइक ने पहले क्वार्टर के आखिर तक स्कोर 4-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी एकतरफा मुकाबला जारी रहा जब राणा ने अपना दूसरा गोल किया, और साक्षी शुक्ला ने पेनल्टी-कॉर्नर ड्रैगफ्लिक को गोल में बदला। सिवाच ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक और गोल करके बढ़त को 7-0 कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी उसी लय के साथ शुरुआत की। हिना बानो ने जल्दी-जल्दी दो गोल किए, जिसमें एक टॉप-कॉर्नर फिनिश भी शामिल था, इसके बाद इशिका ने एक रिबाउंड पर गोल करके स्कोर डबल-डिजिट तक पहुंचाया।

बानो ने पेनल्टी-कॉर्नर डिफ्लेक्शन से अपनी हैट्रिक पूरी की और सिवाच ने कुछ ही पल बाद अपनी हैट्रिक पूरी करके स्कोर को आखिरी क्वार्टर में 12-0 कर दिया। कई रोटेशन के बावजूद, भारत का दबदबा बना रहा और मनीषा के आखिरी पेनल्टी-कॉर्नर पर किए गए गोल ने 13-0 की जीत पूरी की। भारतीय टीम बुधवार को अपने अगले ग्रुप-स्टेज मैच में जर्मनी भिड़ेगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से खिलाड़ियों को लाभ होगा : लवलीना बोरगोहेन

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने कहा है कि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी से उभरते हुए खिलाड़ियों को लाभ होगा । बोरगोहेन ने मेजबानी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे युवा प्रतिभाओं को खेलों में आगे बढ़ने और वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा मिलेगी । साथ ही कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ता है । भारतीय मुक्केबाज़ ने कहा कि यह देश के लिए एक अच्छा है क्योंकि जब देश में कोई बड़ी प्रतियोगिता होती है, तो खिलाड़ियों को और भी अवसरा मिलते हैं । यह गुजरात में आयोजित होगा, इसलिए वहां के खिलाड़ियों को विशेष लाभ होगा। इससे पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन होगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 100वें राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी के अधिकार मिलने पर प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की सामूहिक प्रतिबद्धता ने वैश्विक खेल मंच पर भारत का स्थान मज़बूती से स्थापित किया है । बररहाल खिलाड़ी इन खेलों की तैयारियों को शुरु करने लगे हैं । निशानेबाज सरबजोत सिंह ने कहा कि 2030 में होने वाले इन खेलों को लेकर वह उत्साहित है । उन्होंने कहा कि यह ये खेल अहमदाबाद में आयोजित होगी, जिसमें खिलाड़ियों को अच्छी सुविधा मिल जाएगी । उन्होंने कहा कि इन खेलों में देश को कई पदक मिलना तय है । उन्होंने बताया कि वह हर दिन चार से पांच घंटे अभ्यास कर रहे हैं । वहीं हाल में कजाकिस्तान में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक विजेता आदित्य मालरा ने कहा है कि देश में राष्ट्रमण्डल खेलों को लेकर काफी उत्साह है, क्योंकि पहले भारत के खिलाड़ी बाहर इन खेलों को खेलने जाया करते थे, लेकिन अब बाहर विदेशों के खिलाड़ियों को भी भारत में यह खेल खेलने का अवसर मिल रहा है । मिलेगा ।

38 की उम्र में रोहित की आक्रामक पारी देखकर हैरान हैं इरफान पठान

मुम्बई । पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने दक्षिण अफीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में आकामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने के लिए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है । रोहित ने पहले ही एकदिवसीय में शानदार पारी के साथ ही दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है । टेस्ट और टी20 से संन्यास लेने के बाद रोहित की यह पारी दिखाती है कि उनका फार्म अब भी बरकरार है । इसी को लेकर पठान ने कहा कि 38 साल की उम्र में जिस प्रकार से रोहित ने बल्लेबाजी की है । उससे उनकी फार्म का अंदाजा होता है । पठान ने कहा, रोहित अपने करियर के सबसे अच्छे दौर में दिख रहे हैं । वह 38 साल के हो गये ये लगता ही नहीं है । उन्होंने फिटनेस में काफी सुधार किया है पर जिस तरह उन्होंने हालातों को देखकर बल्लेबाजी की है । उससे अंदाजा होता है कि वह किस मानसिकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं । रोहित ने इस मैच में एक और बड़ा विश्व रिकॉर्ड बनाया है । उन्होंने तीन छक्के लगाकर एकदिवसीय में तेजी से अपनी 350 छक्के पूरे किये हैं ।

SMAT : हार्दिक पांड्या की पेशेवर क्रिकेट में धमाकेदार वापसी, ठोका शानदार अर्धशतक, बड़ौदा जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय बाद पेशेवर क्रिकेट में लौटे हार्दिक पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) में आते ही ऐसा प्रभाव छोड़ा कि पूरे भारतीय क्रिकेट जगत की नजरें उनकी ओर टिक गईं। हैदराबाद में खेले गए इस मुकाबले में हार्दिक ने सिर्फ 42 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोककर बड़ौदा को पंजाब पर यादगार जीत दिला दी। यह पारी न सिर्फ उनकी बल्लेबाजी की पुरानी चमक को दर्शाती है, बल्कि उनके ऑलराउंड कौशल का भी शानदार उदाहरण है। उनकी यह वापसी आने वाले दिनों में भारतीय टीम संयोजन के लिए भी बड़े संकेत देती है।

हार्दिक की आतिशी पारी ने पलटा मैच का मोमेंटम

बड़ौदा के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपनी वापसी मैच को एक विशेष मौके में बदल दिया। 42 गेंदों में नाबाद 77 रन की तूफानी पारी में सात चौके और चार छक्के शामिल थे। उनकी बैटिंग में वही पुरानी ताकत, टाइमिंग और मैच को हाथ में लेने की क्षमता साफ दिखाई दी। पारी की शुरुआत ठंडी थी, लेकिन हार्दिक ने आते ही रफ्तार पकड़ी और पंजाब बॉलिंग अटैक की लाइन-लेथ को पूरी तरह हिला दिया। एक समय मुश्किल लग रहा लक्ष्य हार्दिक की आक्रामक बल्लेबाजी से बेहद आसान हो गया।

शिवालिक शर्मा के साथ 101 रन की गेम-चेंजिंग पार्टनरशिप

हार्दिक के दमदार प्रदर्शन का सबसे अहम हिस्सा रहा शिवालिक शर्मा के साथ उनकी 101 रन की साझेदारी। शिवालिक ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए और बेहद समझदारी से रिटायर्ड आउट होकर हार्दिक को एंड पर स्ट्राइक रखने का मौका दिया।

इस साझेदारी ने मैच का पूरा रूख बदल दिया और बड़ौदा को अंत में मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टीम को आखिरी 15 गेंदों पर 30 रन चाहिए थे, लेकिन नए बल्लेबाज जितेश शर्मा के आने के बाद चीजें और आसान हो गईं।

बड़ौदा का दबदबा

जितेश शर्मा ने आते ही तेजी से रन जोड़े और हार्दिक का शानदार साथ निभाया। केवल 9 गेंदों में बड़ौदा ने जरूरी रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। लक्ष्य भले ही बड़ा लग रहा था, लेकिन हार्दिक की शानदार टाइमिंग और आक्रामक अंदाज ने पंजाब की गेंदबाजी को बेअसर कर दिया।

हार्दिक का गेंदबाजी प्रदर्शन : महंगा लेकिन प्रभावी

बल्लेबाजी के अलावा हार्दिक ने गेंद से भी योगदान दिया। हालांकि उनका चार ओवर का स्पेल थोड़ा महंगा रहा (52 रन), लेकिन उन्होंने 1 विकेट चटकाया। उनकी गेंदबाजी की लय अभी पूर्ण रूप से लौटती नहीं दिखी, लेकिन वापसी मैच को देखते हुए यह प्रयास सराहनीय माना जा रहा है। आने वाले मुकाबलों में वे और बेहतर लय में लौट सकते हैं।

पंजाब की तेज शुरुआत भी नहीं दिला सकी जीत

पंजाब की ओर से अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 19 गेंदों में फिफ्टी लगाकर शानदार शुरुआत दी। उनके अलावा अनमोलप्रीत सिंह ने 32 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। इन दोनों की तेज बल्लेबाजी से पंजाब का स्कोर मजबूत दिख रहा था, लेकिन उनकी गेंदबाजी हार्दिक और शिवालिक की साझेदारी को रोक नहीं पाई।

ग्रुप सी की स्थिति, गुजरात शीर्ष पर

इस जीत के बाद ग्रुप सी में बड़ौदा और पंजाब दोनों के दो-दो मैच पूरे हो चुके हैं। वहीं गुजरात चार मैचों में तीन जीत के साथ ग्रुप में सबसे आगे है। हार्दिक की यह वापसी न सिर्फ बड़ौदा के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए भी एक बड़ा सकारात्मक संकेत है, जो उन्हें फिर से अपने पुराने अंदाज में देखने के लिए उत्सुक थे।

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के लिए घोषित की टीम, वुड की जगह जैक्स को शामिल किया

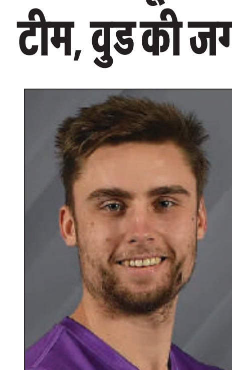

ब्रिसबेन। इंग्लैंड ने गुरुवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम में बदलाव करते हुए तीन साल से टीम से बाहर चल रहे स्पिन ऑलराउंडर विल जैक्स को चोटिल मार्क वुड की जगह शामिल किया है। दूसरा टेस्ट मैच 4 दिसंबर से गाबा मैदान में खेला जाएगा। यह इंग्लैंड की टीम में एकमात्र बदलाव है। पर्थ में पहले टेस्ट में मिली हार के बाद इंग्लैंड ने एक स्पिनर को भी रखने का फैसला किया है । जैक्स को शुएब बशीर पर इसलिए वरीयता दी गयी है क्योंकि वह बल्लेबाजी भी अच्छी करते हैं । जैक्स ने इससे पहले इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट मैच खेले हैं और 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लिए थे ।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जोफ्रा आर्चर ।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में हो रहे अत्याचार पर ब्रिटिश सांसद ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी के सांसद जॉन मैकडॉनेल ने बलूचिस्तान में मानवाधिकार स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पाकिस्तानी बलों के जरिये सरकार समर्थित अपहरणों और ड्रोन हमलों पर ध्यान आकर्षित किया। मैकडॉनेल ने हाउस ऑफ कॉमन्स में तीन लिखित संसदीय प्रश्न और एक अर्ली डे मोशन दायर किया है।

फ्रांस : घर में लगी आग में दंपती समेत पांच लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। पूर्वी फ्रांस के एक कस्बे में आग लगने से एक घर में मौजूद पांच लोगों की मौत हो गई। म्यूर्थ-ए-मोसेले विभाग ने रविवार को बताया कि न्यूवेस-मैसंस शहर में लगी आग पर काबू पाने के लिए रातभर 70 दमकलकर्मी व लगभग 40 वाहनों को तैनात किया गया था। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी महसूस करने वाले छठे व्यक्ति का इलाज किया जा रहा है। वह खतरे से बाहर है। पीड़ितों में दंपती और 17 से 20 वर्ष की आयु के तीन युवा शामिल थे।

चीन में रिकॉर्ड 37 लाख लोगों ने दी सिविल सेवा की परीक्षा

बीजिंग, एजेंसी। चीन में रविवार को 37 लाख से अधिक लोगों ने राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा दी। चीन में सिविल सेवा के लिए उम्र सीमा को 35 साल से अधिक बढ़ाने के बाद यह पहली राष्ट्रीय परीक्षा थी। यह रिकॉर्ड संख्या देश में बढ़ती बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों की मांग को दर्शाती है। राज्य संचालित समाचार एजेंसी ने बताया कि इस परीक्षा में औसतन प्रति सीट 98 आवेदक प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इन रिक्तियों में से लगभग 70 प्रतिशत कॉलेज के नए स्नातकों के लिए आरक्षित हैं।

सीरिया में लोकतंत्र अभी दूर, पर सुधार अच्छा : एमनेस्टी इंटरनेशनल

दमिश्क, एजेंसी। गैर सरकारी वैश्विक मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने शनिवार को कहा कि सीरिया में नई सरकार ने सुधारों और संक्रमणकालीन न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है, लेकिन लोकतंत्र की कमी अभी भी है। बशर असद की सरकार गिरने के एक साल बाद कैलामार्ड का कहना है कि कानूनी सुधार योजनाओं और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों का स्वागत होना सकारात्मक संकेत है।

ताइवान : चीनी सेना के 25 विमानों ने क्रॉस की मध्य रेखा

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उनके क्षेत्र के आसपास चीन के पीएलए के 27 विमानों, 11 नौसैनिक जहाजों और तीन सरकारी जहाजों को देखा गया। एमएनडी के अनुसार, 27 विमानों में से 25 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। इन विमानों में शेनयांग जे-16 और भारी बॉम्बर शियान एच-6 शामिल थे। एमएनडी ने कहा कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जवाब दे रहे हैं। ताइवान ने कहा कि चीन जापान के साथ तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों के बेस में घुस गए हमलावर, खुद को बम से उड़ाया ; तीन मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 24 घंटे के अंदर ही कम से कम सात धणाके हुए। वहीं बलूचिस्तान के नोकुंडी में फ्रंटियर कॉर्प्स के हेडक्वार्टर के गेट पर फिदायीन हमला किया गया। हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया। इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। प्रशासन का कहना है कि यह हमला तहरीक-ए-तालिबान ने किया है। पाकिस्तान के अर्द्धसैनिक बलों के हेडक्वार्टर पर हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन में तीन हमलावरों को मार गिराने का दावा किया गया है। बलूचिस्तान साउथ के फ्रंटियर कॉर्प्स के मुताबिक हेडक्वार्टर के गेट पर ही जबरदस्त आवाज हुई। इसके बाद तुरंत सुरक्षाबलों ने अभइयान शुरू कर दिया। बताया गया कि कम से कम 6 हमलावर हेडक्वार्टर में दाखिल हुए थे। एफी के प्रवक्ता ने बताया कि जब तक सभी आतंकियों को मारा नहीं जाता, ऑपरेशन खत्म नहीं होगा। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षाबल हर कमरे की ठीक से जांच कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले पेशावर में फ्रंटियर कॉर्प्स के परिसर में फिदायीन हमला हुआ था जिसमें तीन की जान चली गई थी। वहीं क्वेटा में पैरामिलिट्री बेस में कार में हुए धमाके से भी इलाका दहल गया था। पाकिस्तान में बीते कुछ महीनों से इस तरह के हमले तेजी से बढ़े हैं। साभर में ही बलूचिस्तान में सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। कई बार बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी हमलों की जिम्मेदारी ली है।

भारतीयों ने ही अमेरिका को सुपरपावर बनाया: एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने रविवार को कई दिनों की अटकलों के बाद आखिरकार जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ के पॉडकास्ट पिपुल बाय डब्ल्यूटीएफ में साफ कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका को कुशल भारतीय प्रतिभाओं के आने से भारी लाभ हुआ है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने आखिरकार वो बात बोल ही दी, जिसे सुनकर अमेरिका के अंदरूनी इमिग्रेशन-विरोधी गुटों के होश उड़ गए। जीरोधा के निखिल कामथ के पॉडकास्ट में मस्क ने साफ-साफ कहा कि अमेरिका को पिछले दशकों में जितना फायदा हुआ है, उसका बड़ा हिस्सा भारतीय टैलेंट की वजह से हुआ है। सत्या नडेला, सुंदर पिचाई जैसे लोग इसका जीता-जागता सबूत हैं। और तो और, जब एच1-बी वीजा को लेकर ट्रंप कैंप में घमासान मचा हुआ है, तब मस्क ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस प्रोग्राम का दुरुपयोग हुआ है, इसे ठीक करो, लेकिन बंद करोगे तो अमेरिका खुद अपनी सबसे बड़ी ताकत को मार डालेगा। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब हजारों भारतीयों का सदियों पुराना अमेरिकी सपना (ऊंची पढ़ाई, मोटी सैलरी वाली नौकरियां, बेहतर लाइफस्टाइल और तरक्की का वादा) सख्त होते वीजा नियमों और अचानक नीतिगत बदलावों की वजह से तेजी से फीका पड़ता दिख रहा है। मस्क ने कहा कि मेरा मानना है कि अमेरिका को यहां आए टैलेंटेड भारतीयों से बहुत फायदा हुआ है। इस दौरान निखिल कामथ ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे सफल भारतीयों का उदाहरण दिया, जो दशकों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के एच1-बी प्रोग्राम का समर्थन करने के कुछ ही दिन बाद रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने इसे धीरे-धीरे खत्म करने का बिल पेश कर दिया और दावा किया कि यह अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीन रहा है। ऐसे कदम भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए बड़ा खतरा हैं, क्योंकि एच1-बी उनके लिए ग्रीन कार्ड और फिर अमेरिकी नागरिकता का सबसे आम रास्ता रहा है। ट्रंप 2.0 सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के हेड रहे मस्क ने कहा कि बाइडेन प्रशासन में बॉर्डर कंट्रोल नाम की कोई चीज नहीं थी। बिना बॉर्डर कंट्रोल के आप देश नहीं कहला सकते। बाइडेन के समय बड़े पैमाने पर अवैध इमिग्रेशन हुआ, जिससे नेगेटिव सिलेक्शन इफेक्ट पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि अगर अवैध तरीके से अमेरिका आकर ढेर सारे सरकारी लाभ मिल रहे हैं, तो आप गलत तरह के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह एक गलत इंसेंटिव स्ट्रक्चर है। बॉर्डर कंट्रोल न होना बिल्कुल बेतुका था। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से पहले की इमिग्रेशन पॉलिसी पर बोलते हुए मस्क ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि आम अमेरिकी नागरिकों का यह डर बहुत वास्तविक है कि विदेशी टैलेंट उनकी नौकरियां छीन रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा अपना अनुभव यही है कि टॉप टैलेंट हमेशा कम पड़ता है। मुश्किल काम करवाने के लिए आपको असाधारण लोग चाहिए। कुछ कंपनियां इसे सिर्फ कॉस्ट का खेल बना देती हैं। अगर अमेरिकी नागरिक से आधे या उससे भी कम पैसों में कोई काम कर दे तो वे उसे हायर कर लेती हैं। स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स जैसे अपने खुद के टॉप अमेरिकी कंपनियों का उदाहरण देते हुए मस्क ने कहा कि उनकी कंपनियां हमेशा बेस्ट टैलेंट ढूंढती हैं और उन्हें एवरेज से कहीं ज्यादा सैलरी देती हैं। इसलिए एच1-बी के दुरुपयोग को रोकना जरूरी है, लेकिन प्रोग्राम को पूरी तरह बंद करना सही नहीं। उन्होंने अंत में कहा कि हां, एच1-बी प्रोग्राम का कुछ कंपनियों ने दुरुपयोग किया है। खासकर कुछ आउटसोर्सिंग कंपनियों ने सिस्टम के साथ खेला है, उसे रोकना होगा। लेकिन मैं बिल्कुल इस बात से सहमत नहीं कि एच1-बी प्रोग्राम ही बंद कर देना चाहिए।

मस्क ने बताया- उनकी पत्नी को गोद लिया गया था : पॉडकास्ट के दौरान एलन मस्क ने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि आप इस बारे में जानते हैं या नहीं, लेकिन मेरी पार्टनर शिवॉन आधी भारतीय हैं। मेरे और उसके एक बेटे का मध्य नाम शेखर है, जो चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।' मस्क ने बताया कि उनकी पार्टनर शिवॉन जिलिस कनाडा में पली-बढ़ी हैं और जब वे एक छोटी बच्ची थीं, तब उन्हें गोद लिया गया था। शिवॉन जिलिस ने साल 2017 में मस्क की कंपनी न्यूरालिंक जॉइन की थी और वे फिलहाल कंपनी में डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस एंड स्पेशल प्रोजेक्ट्स के तौर पर काम कर रही हैं। शिवॉन ने येल यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की है।

नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से मांगा क्षमादान, अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मुकदमे के बीच किया अनुरोध

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने चल रहे भ्रष्टाचार मुकदमे के बीच देश के राष्ट्रपति से आधिकारिक रूप से माफी मांगी है। यह कदम इस्राइल की राजनीति में बड़ा और असाधारण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी विभाग को अपना माफी का आवेदन भेज दिया है। वहीं राष्ट्रपति कार्यालय ने इस आवेदन को 'असाधारण और दूरगामी असर वाला कदम' बताया है।

नेतन्याहू पर क्या हैं आरोप : बेंजमिन नेतन्याहू इस्राइल के इतिहास में पहले ऐसे मौजूदा प्रधानमंत्री हैं जिन पर भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा है। उनके खिलाफ तीन बड़े मामलों में आरोप दर्ज हैं। इसमें धोखाधड़ी, भरोसे का उल्लंघन, रिश्वत लेना शामिल हैं। इन मामलों में आरोप है कि नेतन्याहू ने अमीर व्यापारियों और राजनीतिक समर्थकों से उपहार और फायदे लिए और बदले में उन्हें लाभ पहुंचाया। हालांकि, अब तक किसी भी मामले में उनकी दोष सिद्धि नहीं हुई है। वह लगातार सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं।

नेतन्याहू का देशवासियों के लिए संदेश : इस्राइल के नागरिकों। मेरे खिलाफ जांच शुरू हुए लगभग दस साल हो गए हैं। इन मामलों में ट्रायल लगभग छह साल से चल रहा है और उम्मीद है कि यह कई और वर्षों तक चलेगा। जैसे-जैसे कोर्ट में मेरे खिलाफ झूठी दलीलों को पूरी तरह से गलत साबित करने वाले बयान और सबूत सामने आ रहे हैं, और जैसे-जैसे यह साफ हो रहा है कि मेरे खिलाफ सबूतों का ढांचा गंभीर अपराध करते हुए बनाया गया था, मेरा निजी हित रहा है और रहेगा कि इस प्रोसेस को आखिर तक जारी रखा जाए जब तक कि मैं सभी आरोपों से पूरी तरह बरी न हो जाऊं। लेकिन सुरक्षा और राजनीतिक हकीकत, देश के हित, कुछ और ही चाहते हैं। इस्राइल देश बहुत बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है और उनके साथ-साथ खतरों को दूर करने के बहुत सारे मौके भी हैं। इन मौकों को पाने के लिए देश की एकता जरूरी है। ट्रायल का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ रहा है। फूट डालने की यह कोशिश फूट को और बढ़ाती है। मुझे यकीन है, देश के कई और लोगों की तरह, कि ट्रायल का तुरंत खत्म होना आग को कम करने और उस बड़े मेल-मिलाप को बढ़ावा देने में बहुत मदद करेगा जिसकी हमारे देश को बहुत जरूरत है। मैंने इस मामले पर लंबे समय से बहस की है, लेकिन हाल ही में जो हुआ है।

भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद, नहीं प्रभावित होंगे संबंध: विदेश सलाहकार हुसैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। लेकिन इस मुद्दे को नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में बाधा नहीं बनने देगा। ढाका में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत हसीना को प्रत्यर्पित किए बिना बेहतर संबंधों की उम्मीद की जा सकती है तो हुसैन ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे (द्विपक्षीय) संबंध केवल एक मुद्दे पर अटके नहीं रहेंगे। हालांकि हुसैन ने कहा कि चूंकि हसीना अब एक घोषित अपराधी हैं, बांग्लादेश उनके जल्द से जल्द भारत से प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। हसीना के खिलाफ पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। जिस दौरान कई प्रदर्शनकारी मारे गए थे। कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पांच अगस्त 2024 को उनकी सरकार का पतन हो गया। इसके बाद हसीना ने भागकर भारत में शरण ली। इस साल 17 नवंबर को एक विशेष न्यायाधिकरण ने गैरहाजिर होने पर पूर्व प्रधानमंत्री को मृत्युंद की सजा सुनाई गई। इससे पहले बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। ढाका में मोहम्मद यूनुस नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत भारत के साथ संबंधों के बारे में एक अन्य सवाल के जवाब में हुसैन ने कहा, भारत को नई वास्तविकताओं के साथ तालमेलन होने के लिए कुछ समय चाहिए। हालांकि सलाहकार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ बेहतर संबंध रखना चाहेंगे, जो दोनों पक्षों के हितों पर आधारित हों। इससे पहले बुधवार को हुसैन ने कहा था कि भारत ने हसीना के प्रत्यर्पण के लिए पहले की गई मांग पर कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन ढाका अब नई दिल्ली से जवाब की उम्मीद करता है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री के दोषी ठहराए जाने के बाद 'स्थिति अब अलग है।

दित्वाह से श्रीलंका में अब तक 334 लोगों की मौत, भारतीय एयरफोर्स 104 भारतीयों को रेस्क्यू कर लाई वापस

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह से मची तबाही में अब तक कम से कम 334 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया के स्थानीय मीडिया ने डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के हवाले से बताया कि 370 लोगों की अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस बीच ऑपरेशन सागरबंधु के तहत भारतीय वायु सेना श्रीलंका के आपदाग्रस्त क्षेत्रों फंसे लोगों को रेस्क्यू कर रही है। भारतीय वायुसेना ने 40 श्रीलंकाई सैनिकों और 104 भारतीयों को रेस्क्यू किया। इस तूफान से कैंडी शहर में सबसे ज्यादा तबाही मची है। कैंडी में अब तक 88 मौतें हुई हैं, जबकि 150 लोग लापता बताए गए हैं। बादुल्ला में 71, नुवारा एलिया में 68 और मटाले में 23 लोगों की मौत हुई है। डेली मिरर ने डीएमसी के हवाले से बताया कि इस आपदा से देशभर के 309,607 परिवारों के 1,118,929 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां संपर्क पूरी तरह से बाधित हो गया है। इसकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में भी दिक्कतें आ रही हैं। भारतीय रेस्क्यू टीमें बाढ़ से प्रभावित समुदायों की मदद के लिए श्रीलंका एयर फोर्स, नेवी, आर्मी, और पुलिस के साथ तालमेल बैठाकर काम कर रही हैं। वहीं फर्स्ट रिस्पांडर (जो आपदा या इमरजेंसी के समय में सबसे पहले पहुंचकर प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाते हैं) भी रेस्क्यू ऑपरेशन में अन्य टीमों के साथ कोऑर्डिनेशन कर लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं। कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने जानकारी दी है कि श्रीलंका में फंसे 104 भारतीय नागरिकों के आखिरी बैच को सोमवार को निकालकर घर वापस लाया गया। भारतीय हाई कमीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कोलंबो के बंदरनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों का आखिरी बैच घर पहुंच गया है। 104 फंसे हुए भारतीय आज सुबह करीब 6.30 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचे।' लोगों को निकालने के साथ-साथ भारत ने श्रीलंका में बचाव और राहत अभियान भी तेज कर दिए हैं। इससे पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने रविवार को ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका के एक प्रतिबंधित क्षेत्र से फंसे यात्रियों को निकालने के लिए एक हाइब्रिड बचाव अभियान चलाया। आईएएफ ने एक्स पर कहा कि एक गरुड़ कमांडो को विंच से नीचे उतारा गया ताकि ग्रुप को कोटमाले के एक हेलीपैड तक ले जाया जा सके, जहां से 24 यात्रियों को कोलंबो पहुंचाया गया। सेना ने कहा, 'एक साथ की कोशिश में, तीन गंभीर घायलों को तुरंत मेडिकल मदद के लिए कोलंबो एयरलिफ्ट किया गया।

नक्शा विवाद के बीच नेपाल ने चीनी कंपनी को दिया नोट छपाई का ठेका, इतने करोड़ नोटों का करार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली नोट पर अंकित नक्शे को लेकर जारी विवाद के बीच काठमांडो ने विभिन्न मूल्यों के अपने नोटों की छपाई का ठेका चीनी कंपनी को दे दिया है। 100 रुपये के नेपाली नोट पर अंकित नक्शे में भारत के तीन क्षेत्रों को अपने हिस्से में दर्शाया गया है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि एनआरबी ने चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50, 500 व 1,000 के नेपाली रुपये के नोट छापने का ठेका दिया है। पौडेल ने कहा कि हाल में दिए गए ठेके के अनुसार चीनी प्रेस नौ महीने के भीतर नेपाली बैंक नोटों का डिजाइन, प्रिंट व आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एनआरबी चीनी कंपनी को जानकारी उपलब्ध कराएगा जिसके आधार पर वह नोट को डिजाइन करेगा। डिजाइन को एनआरबी मंजूर करेगा जिसके बाद ही नोटों की छपाई होगी।

4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए हुआ करार : महीने की शुरुआत में इसी चीनी कंपनी के साथ 1,000 रुपये के 4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए करार हुआ था। नेपाली रुपये के 1,000 के नोट पर दूसरी चीजों के साथ सात रोडोडेंड्रोन होंगे, जो नेपाल का राष्ट्रीय फूल है। नोट पर सात प्रांत दिखाए गए हैं। कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा को दिखाया अपना हिस्सा दरअसल, नेपाल के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया है, जिसमें देश का संशोधित नक्शा छपा है। इस नक्शे में भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। भारत ने इसको लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नेपाल के नक्शे की निंदा की और कहा कि यह एकतरफा कृत्य है, जो जमीनी हकीकत नहीं बदलता। नक्शे को लेकर विवाद पिछले एक साल से चल रहा है और भारत ने नेपाल को आगाह किया था कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा कृत्रिम विस्तार स्वीकार्य नहीं होगा। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) की ओर से जारी नया नोट पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर वाला है। नोट पर छपाई वर्ष 2081 बीएस (साल 2024) दर्ज है। वर्ष 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने संसद से मंजूरी लेकर इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। साल 2020 में भारत ने नेपाल के संशोधित नक्शे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे एकतरफा और अस्वीकार्य कदम बताया था। नेपाल की भारत से 1,850 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है।

आयरलैंड की संसद में जेलेंस्की का संबोधन, न्यायपूर्ण शांति के बिना नफरत नहीं मिटेगी

एजेंसी

डबलिन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को आयरलैंड की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। अपने भाषण में उन्होंने रूस के साथ जारी युद्ध, शांति प्रयासों और यूरोप की एकता पर विशेष जोर दिया।

सत्र की शुरूआत में आयरिश संसद की स्पीकर वेरोना मर्फी ने कहा कि आयरलैंड यूक्रेन के साथ एकजुटता में खड़ा है। उन्होंने कहा कि आयरलैंड का सैन्य तटस्थ रुख अत्याचारों के प्रति नैतिक तटस्थता नहीं है।

स्पीकर ने कहा- हमारी तटस्थता शांति के प्रति प्रतिबद्धता है, उदासीनता नहीं। उन्होंने गुड फ्राइडे समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि आयरलैंड का इतिहास साबित करता है कि कठिन परिस्थितियों में भी संवाद से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है।

वहीं, आयरिश संसद में संबोधन की शुरूआत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आयरलैंड द्वारा यूक्रेन के शरणार्थियों को दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद जताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और आयरलैंड सदियों तक अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष करने वाली प्रजातियां हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध को उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्वतंत्रता के लिए सबसे विनाशकारी संघर्ष बताया। वहीं, शांति वाताओं पर उन्होंने कहा कि यूक्रेन पूरी तरह बातचीत में शामिल है। हम शांति के पहले से कहीं अधिक करीब हैं, लेकिन इस अवसर को पकड़ना होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी देश अकेले दुनिया को नहीं तोड़ सकता-रूस भी नहीं।

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
ई.निविदा संख्या : ईएल/43/खुली/2025-26, कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद मंडल में टाइप II-421, टाइप III-119, टाइप IV-80,और टाइप V-27 स्टाफ क्वार्टरों की रिवायरिंग। (कार्य समापन अवधि : बारह माह), कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹2,31,81,325.98, बिड सिक्युरिटी : ₹2,65,900/-
ई.निविदा संख्या : ईएल/44/खुली/2025-26, कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) पहाड़पुर-धनबाद डिवीजन के पहाड़पुर डिपो में ओएचई डिपो और टॉवर वैगन शेड का विस्तार और उन्नयन से संबंधित वैद्युतिक कार्य (ब) धनबाद डिवीजन के विभिन्न पंप हाउसों पर एपीएफसी पैनल का प्रावधान। (कार्य समापन अवधि : बारह माह), कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹22,33,718.21, बिड सिक्युरिटी : ₹44,700/-
बिड मूल्यांकन प्रणाली : एक पैकेट प्रणाली, ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई-निविदा बंद होने की तिथि : दिनांक 19.12.2025 को 11.00 बजे। ई-निविदा खुलने की तिथि : दिनांक 19.12.2025 को 11.30 बजे के बाद। वेबसाईट का विवरण : वेबसाइट www.ireps.gov.in ई-निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/पूमरे/धनबाद
पीआर/1349/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25-26/40

फ्लोरिडा में यूएस-यूक्रेन की मीटिंग, ट्रंप टीम जल्द मॉस्को जाकर पुतिन से करेगी वार्ता

तल्हासी, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें एक बार फिर तेज हो गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारी रविवार को फ्लोरिडा में यूक्रेनी अधिकारियों से मिले, जहां प्रस्तावित शांति फ्रेमवर्क के अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस बीच ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे अपने प्रतिनिधिमंडल को इस सप्ताह मॉस्को भेज रहे हैं, जहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण वार्ता तय है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर ने यूक्रेनी शांति दल से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यूक्रेन एक ओर रूसी सेना से जूझ रहा है और दूसरी ओर बड़े घरेलू भ्रष्टाचार विवाद से घिरा है।

शांति समझौते के लिए अभी और काम जरूरी: रूबियो : अमेरिका और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बैठक की। इस वार्ता का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए एक रास्ता तलाशना था। बैठक के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि बातचीत उपयोगी रही, लेकिन अभी शांति समझौते तक पहुंचने के लिए काफी काम बाकी है। रूबियो ने कहा मुद्दा सिर्फ लड़ाई खत्म करने का नहीं है, बल्कि ऐसा समाधान ढूंढना है जिससे यूक्रेन की संप्रभुता और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। आज हमने कुछ प्रगति की है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। यूक्रेन की तरफ से सुरक्षा परिषद प्रमुख रुस्तेम उमेरोव ने हिस्सा लिया। उन्होंने अमेरिका के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा अमेरिका हमारी बात सुन रहा है, हमें समर्थन दे रहा है और हमारे साथ काम कर रहा है। उमेरोव ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत में कितनी प्रगति हुई, लेकिन उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित और समृद्ध यूक्रेन है, और इस दिशा में अमेरिका पूरी तरह सहयोग कर रहा है।

भ्रष्टाचार विवाद के बीच बदला यूक्रेन का वार्ताकार : कुछ दिन पहले राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने शक्तिशाली चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रिय येर्माक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। ऊर्जा सेक्टर में 100 मिलियन डॉलर की गबन घोटाले की जांच के बाद यह बड़ा कदम उठाया गया। रूबियो की येर्माक से पिछली मुलाकात केवल एक हफ्ता पहले जिनेवा में हुई थी, जहां दोनों पक्षों ने शांति योजना के संशोधित ड्राफ्ट पर सहमति जताई थी।

ट्रंप-पुतिन वार्ता से पहले बढ़ी हलचल : ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता के लिए अपने दूत स्टीव विटकॉफ और संभवतः जेरेड कुश्नर को भेजेंगे। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति भवन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी पुष्टि की है कि पुतिन गुरुवार से पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे। ट्रंप की शांति योजना में कई विवादित बिंदु शामिल थे। जैसे यूक्रेन की सेना के आकार पर सीमा लगाने का प्रस्ताव, नाटो सदस्यता पर रोक, 100 दिनों के भीतर चुनाव करवाने की शर्त और शुरुआती प्रस्ताव में पूर्वी डोनबास क्षेत्र को रूस को सौंपने का सुझाव, जिसे अब संशोधित कर दिया गया है। हालांकि, ट्रंप इस पूरी योजना को अब केवल एक 'कॉन्सेप्ट' या 'ब्लूप्रिंट' बता रहे हैं, जिससे यह साफ है कि इसके अंतिम स्वरूप को लेकर अभी भी कई पहलू तय होना बाकी हैं।

युद्ध नहीं थमा, हमले जारी : यूक्रेन में शांति वार्ता की हलचल के बीच रूस ने कीव और उसके आसपास के क्षेत्रों में मिसाइल और ड्रोन हमलों की तीव्रता बढ़ा दी है। शनिवार को हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए। वहीं, रविवार तड़के वियशहोरोड में एक आवासीय इमारत पर ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 19 लोग घायल हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, रूस ने हाल के हमलों में 122 ड्रोन और कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमलों की संख्या बताते हुए कहा कि सिर्फ एक हफ्ते में रूस ने 1,400 ड्रोन और 66 मिसाइलें दागीं। हमें मजबूत वायु सुरक्षा और ऐसे वास्तविक समाधान चाहिए जो युद्ध को समाप्त करने में मदद कर सकें।

पानी का कुशल उपयोग करने वाली फसल के किस्मों का विकास समय की मांग : डॉ चहल

बिभा संवाददाता

रांची। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक और महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति डॉ एसएस चहल ने वैज्ञानिकों से आग्रह किया है कि वे पानी का कुशल उपयोग करने वाली और उच्च पोषक तत्वों वाली जैव-संवर्धित फसल किस्मों के विकास पर काम करें, ताकि देश में पोषण सुरक्षा की चुनौतियों का सामना किया जा सके।

उन्होंने कहा कि देश अब खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़ चुका है और शोध को दलहन, तिलहन, सब्जियां, फल और मसालों जैसी उच्च गुणवत्ता और उच्च उपयोगिता वाली फसलों पर केंद्रित करने की आवश्यकता है, जिससे किसानों की आय बढ़ सके।

डॉ चहल मंगलवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) की 45 वीं रबी अनुसंधान परिषद की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र विशेष की जरूरतों और समस्याओं पर आधारित और प्रणाली-संवेदनशील शोध की आवश्यकता है, जो व्यावहारिक और क्षेत्र के किसानों के लिए स्वीकार्य हो।

झारखंड में बीज प्रतिस्थापन दर महज 15झ्र20 प्रतिशत

डॉ चहल ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड में बीज प्रतिस्थापन दर मुश्किल से 15झ्र20 प्रतिशत है, जबकि पंजाब और हरियाणा में यह 60झ्र70 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बीएयू, केवीके और राज्य सरकार की मशीनरी को गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के लिए एकजुट होना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय बीज विधेयक में सुधार के लिए अपने सुझाव दें, जो 8 दिसंबर तक सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है और वर्तमान संसद सत्र में पेश किया जा सकता है।

कार्यक्रम में झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के विशेष सचिव गोपालजी तिवारी ने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि राज्य की कृषि को उत्पादन-केंद्रित के बजाय आय-केंद्रित बनाया जाए, क्योंकि झारखंड में कृषक परिवार की औसत आय राष्ट्रीय औसत की लगभग 50 प्रतिशत ही है। कृषि अनुसंधान एवं विकास दृष्टिकोण सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य, आर्थिक रूप से अनुकूल और राजनीतिक रूप से न्यायोचित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केवीके वैज्ञानिकों को विशेष फसलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए गांवों के समूह विकसित करने चाहिए, जिससे उन जिलों की पहचान बन सके। सचिव ने कहा कि राज्य सरकार ऐसे प्रस्तावों को जमीन पर लाने के लिए हर संभव सहायता देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारे प्रयास प्रक्रिया-केंद्रित नहीं, बल्कि परिणाम-केंद्रित होना चाहिए।

अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह ने प्रमुख शोध उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बीएयू वैज्ञानिकों की ओर से विकसित अनाज, दलहन, तिलहन और चारा फसलों की 10 किस्में जारी करने के लिए चिह्नित की गई हैं और प्रस्ताव राज्य वेराइटल रिलीज कमिटी को भेजा जाएगा।

इस अवसर पर दो प्रगतिशील किसान चतरा के मायराल के नारायण यादव और रांची के लालगुटुवा की संगीता तिग्गु को अभिनव खेती में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शशि सिंह ने किया। इस अवसर पर बीएयू के कई शिक्षक और छात्र सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड में राष्ट्रीय औसत से कम है बीज प्रतिस्थापन दर : कुलपति

बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने राज्य में बीज उत्पादन संरचना को मजबूत करने और झारखंड राज्य बीज नीति के क्रियान्वयन की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड में दालों की उत्पादकता राष्ट्रीय औसत से अधिक है, जबकि बीज प्रतिस्थापन दर, उर्वरक और कीटनाशकों का उपयोग कम है और सिंचाई सुविधाएं भी सीमित हैं। ऐसे में रबी के दौरान विशेष रूप से धान कटाई के बाद खाली पड़ी भूमि (राइस फॉलो) को दलहन उत्पादन के लिए प्रयोग में लाए जाने की जरूरत है।

अनाथ बच्चों को गोद लेने के लिए आगे आयें दंपती, प्रशासन करेगा पूरा सहयोग: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

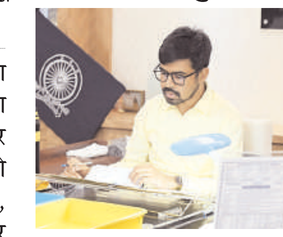

देवघर : उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी गयी है कि देवघर जिला अन्तर्गत वैसे दंपति जो बच्चों को गोद लेना चाहते है, जिला प्रशासन वैसे परिवारों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा जो अनाथ बच्चों को गोद लेना चाहते है। इसके अलावा इस क्रम में दत्तक ग्रहण विनियम 2022 के प्रावधानों के तहत सभी आवश्यक प्रक्रिया का पालन करते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी द्वारा तीन बच्चियों के दत्तक ग्रहण का अंतिम आदेश पारित किया गया। इस आदेश के परिणामस्वरूप अनाथ एवं परित्यक्त बच्चों को एक स्नेहिल परिवार (माता -पिता) मिल गया। आगे उपायुक्त ने अपील करते हुए कहा है कि ऐसे दंपति जो बच्चे को गोद लेना चाहते हैं, वे आगे आए एवं ऐसे बच्चों को गोद ले सकते हैं, ताकि इन ऐसे बच्चों को भी समाज के मुख्यधारा से जोड़ते हुए बेहतर भविष्य, बेहतर शिक्षा एवं बेहतर कल प्रदान किया जा सके। ज्ञात हो कि दो भारतीय और एक विदेशी दंपति ने बच्चियों को गोद लिया है।

आप अनाथ बच्चों को गोद लेना चाहते है, तो दत्तक ग्रहण विनियम-2022 के प्रावधानों के तहत सभी आवश्यक प्रक्रिया का पालन करते हुए अनाथ बच्चे को गोद ले सकते हैं। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निर्देश पर दत्तक ग्रहण का अंतिम आदेश पारित करता है। साथ ही इसके बाद अनाथ और परित्यक्त बच्चों को एक स्नेहिल परिवार (माता -पिता) मिलता है।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ मुरी ने शराब के साथ चार को किया गिरफ्तार

रांची (बिभा): आरपीएफ कमांडेंट श्री पवन कुमार के निर्देश पर मुरी डिविजन में आरपीएफ लगातार सतर्क है। 01.12.2025 को ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ पोस्ट मुरी के अधिकारियों एवं स्टाफ द्वारा मुरी रेलवे स्टेशन परिसर में गहन जाँच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर नए एफओबी के पास चार संदिग्ध व्यक्तियों को भारी पिट्ठू बैग और झोले के साथ बैठा पाया गया। पूछताछ में उनकी पहचान अनिल कुमार, गोविंद कुमार, चंदन कुमार और राहुल कुमार के रूप में हुई। जाँच में उनके पास से कुल 15,000 रुपये मूल्य की अवैध शराब बरामद की गई, जिसे वे बिना अनुमति समस्तीपुर भेजने की तैयारी में थे। मौके पर एसआई बसंता मलिक और एसआई रवि शंकर द्वारा शराब जब्त कर चारों व्यक्तियों को आरपीएफ पोस्ट मुरी लाया गया। बरामद सामग्री व आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु उत्पाद विभाग, रांची (झारखंड) को सौंपा गया।

हायर पेंशन स्कीम जल्द लागू के लिए जुस्को रिटायर कर्मी जीएम से मिला

जमशेदपुर(बिभा) : जुस्को रिटायर कर्मचारियों का एक प्रतिनिधि मंडल जीएम (एचआरआईआर) से मिलकर ईपीएफओ हायर पेंशन के डिमांड नोट मिलने में विलम्ब और विलम्ब से हर महीने जमा करने वाली राशि पर लगने वाली इंटरेस्ट के रूप में रिटायर कर्मचारी को होने वाली हानि के सम्बन्ध में अवगत कराया. सदस्यों ने आग्रह कर सभी रिटायर कर्मचारियों जिन्होंने हायर पेंशन के लिए आवेदन किया था के हर महीने के वेतन एवं डीए पर कटने वाले पीएफ का डाटा जल्द से जल्द टाटा स्टील एवं इपीएफओ को भेजा जाये जीएम (एचआरआईआर) ने इसे जल्द से जल्द भेजने तथा डिमांड नोट जल्द मिलने के लिये टाटा स्टील एवं इपीएफओ से संपर्क (कार्डिनेट) करने का आश्वासन दिया है जीएम से मिलने वालों में वीडी गोपालकृष्णा, वाईपी सिंह, एमके सिंह, एके सिंह, आरके पोद्दार, बी प्रसाद, पीके विश्वास, आरसीपी यादव, एनएम चौधरी, युके बोस, एसके शर्मा, एसएस दुबे, युके पांडे एवं फिरोज आलम मुख्य रूप से मौजूद थे।

एचईसी को नहीं होने देंगे वर्क ऑर्डर की कमी : सीएमडी

रांची(बिभा)। हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) केएस मूर्ति ने कहा है कि एचईसी में किसी भी स्थिति में उत्पादन रुकने नहीं दिया जाएगा और वर्क ऑर्डर की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मशीनें लगातार चलेंगी तभी उत्पादन और बिक्री संभव है। प्राप्त राशि से कर्मचारियों का वेतन और इनपुट सामग्री उपलब्ध कराई जा सकेगी। सीएमडी मूर्ति ने यह बातें नई दिल्ली स्थित भेल मुख्यालय में हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन (इंटक) के महामंत्री लीलाधर सिंह के साथ बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि फिलहाल केंद्र सरकार से किसी अतिरिक्त वित्तीय सहायता की संभावना नहीं है, इसलिए स्वावलंबन ही एचईसी का भविष्य है। बैठक को लेकर मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में लीलाधर सिंह ने बताया कि बैठक में कर्मचारियों की समस्याएं, संगठनात्मक चुनौतियां और एचईसी के पुनरुद्धार के उपायों पर चर्चा हुई। सिंह ने कहा कि संकट गहराने पर जिम्मेदारी प्रबंधन पर आएगी, इसलिए उत्पादन बढ़ाना जरूरी है। उनकी ओर से ठेका मजदूरों का मुद्दा उठाने पर सीएमडी ने लंबित टेंडर तत्काल जारी करने का निर्देश दिया और 73 ठेका कामगारों सहित सभी मजदूरों का जुलाई माह से लंबित वेतन जल्द दिलाने का आश्वासन दिया। सीएमडी ने कहा कि एचईसी अपने दम पर प्रगति करेगा और सभी कर्मियों से दक्षता और प्रतिबद्धता के साथ उत्पादन बढ़ाने की अपील की।

मंत्री ने कॉलेज परिसर में बन रहे नये भवन का किया निरीक्षण

रांची(बिभा)। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मंगलवार को बेड़ो प्रखंड के करम चंद भगत कॉलेज परिसर में बन कर लगभग तैयार नये भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री ने कुछ कमियों को रेखांकित करते हुए दुरुस्त करने का आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिया। इस दौरान कॉलेज प्रबंधन के साथ-साथ उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के निदेशक सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। मंत्री को बताया गया कि बहुत जल्द इस नये भवन का उदघाटन किया जाएगा। कॉलेज के नये भवन में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से संबंधित हर तरह की सुविधा उपलब्ध है। कॉलेज परिसर में नया भवन बनने से बेड़ो कॉलेज में छात्रों की संख्या में भी वृद्धि होने का अनुमान है। इस दौरान मंत्री ने कॉलेज के स्थायी और अनुबंध पर कार्यरत कर्मियों के साथ भी शिक्षण कार्य सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, देवनीश तिग्गा, संजय कच्छप, अरविंद गिरि, रवि उरांव सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

रांची-हटिया-बालसिरिंग के बीच तृतीय एवं चतुर्थ रेल लाइन हेतु अंतिम लोकेशन सर्वेक्षण की स्वीकृति

कोलकाता : रेलवे बोर्ड ने दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल अंतर्गत रांची-हटिया-बालसिरिंग खंड में प्रस्तावित तृतीय एवं चतुर्थ रेल लाइन के लिए अंतिम लोकेशन सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान की है। यह सर्वेक्षण कुल 14 किलोमीटर लम्बाई में किया जाएगा। स्वीकृत लागत 33.60 लाख है।

रांची-हटिया-बालसिरिंग खंड झारखंड का एक महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर है, जहाँ यात्री तथा मालगाड़ियों का संचलन लगातार बढ़ रहा है। तृतीय एवं चतुर्थ लाइन निर्माण से लाइन क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी, परिचालन क्षमता में सुधार होगा तथा रेलगाड़ियों की समयबद्ध आवाजाही सुनिश्चित की जा सकेगी।

यह सर्वेक्षण विस्तृत परियोजना योजना एवं निष्पादन कार्य प्रारंभ होने से पूर्व एक महत्वपूर्ण तैयारी चरण है।

परियोजना पूर्ण होने पर रांची-हटिया-बालसिरिंग के बीच तृतीय एवं चतुर्थ लाइन राजधानी रांची के आसपास रेल संपर्क को और मजबूत करेगी, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही, नई लाइनें माल परिवहन को सुदृढ़ बनाएंगी और क्षेत्रीय उद्योगों को भी लाभ पहुंचाएंगी। इस सर्वेक्षण की स्वीकृति भारतीय रेल की उच्च क्षमता वाले मार्गों के विस्तार और भावी आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक रेल अवसंरचना के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित करती है।

महिलाओं के लिए शिक्षा व सुरक्षा आवश्यक : रवि कुमार भास्कर

बिभा संवाददाता

रांची : माननीय झालसा के निदेर्शानुसार, माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, डालसा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची व इब्तिदा एनजीओ ने संयुक्त रूप से होटल बी.एन.आर. चाणक्य में झारखण्ड राज्य में महिलाओं के साथ जेंडर आधारित हिंसा और डिजिटल हिंसा के खिलाफ संस्थागत सुरक्षा उपाय पर राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डालसा सचिव, रवि कुमार भास्कर, डिप्टी एलएडीसी, राजेश कुमार सिन्हा, सहायक एलएडीसी, पंकज कुमार शर्मा, मध्यस्थ, मधुकर, मानवाधिकार सदस्य, ममता कुमारी, राज खाद्य आयोग अध्यक्ष, शबनम प्रवीण, ट्रांसजेंडर (स्वधार एनजीओ), विभा मिश्रा, क्रिया एनजीओ से, बबीता दी, स्वाभिमान एनजीओ, धनबाद से सुषमा देवी, पीएलवी रजनी कुमारी, शाहिष्ता प्रवीण, संगीता देवी व अन्य शामिल थे।

राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला में मंच का संचालन नशरीन जी ने किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने विधिक सहायता प्रदान किये जाने के प्रावधानों को बतलाया तथा महिलाओं व लड़कियों से संबंधित अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महिलाओं और बच्चों को कैसे जेंडर आधारित हिंसा से बचाया जाय, इस बात पर फोकस किये तथा डिजिटल हिंसा के खिलाफ संथागत सुरक्षा के उपाय के बारे में बतलाया कि कैसे डिजिटल हिंसा से बचा जा सकता है। श्री भास्कर ने यह भी कहा कि महिलाओं व लड़कियों के लिए सुरक्षा के साथ-साथ शिक्षा भी जरूरी हैं, वे शिक्षित होंगे तो देश का भविष्य सुधरेगा और बहुत सारे अपराध कम हो सकते है। शिक्षा के अभाव में ही युवा अपराध की ओर बढ़ते है।

फ्लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। सर्दी के मौसम में होने वाले फ्लू को देखते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों के जिला अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों को अगले 15 दिनों के अंदर तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र(एनसीडीसी)के विशेषज्ञ और आईडीएसपीटीम के साथ स्थिति की समीक्षा की। बैठक में एसीडीसी ने जानकारी दी कि इस समय देश में और दुनिया भर में फ्लू के मामलों में कोई असामान्य बढ़ोतरी नहीं दिखाई दे रही है। जो वायरस फैल रहे हैं, वे पहले की तरह ही सामान्य मौसमी वायरस हैं जिनमें एच3एन2, इंफ्लुएंजा बी (विक्टोरिया) और थोड़े मामले एच1एन1 शामिल हैं।

रेल माल ढुलाई नवंबर में 4.2 प्रतिशत बढ़कर 13.57 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली: रेलवे ने नवंबर माह में 13.57 करोड़ टन माल ढुलाइयीरकिया है, जो पिछले वर्ष इसी महीने के 13.02 करोड़ टन से 4.2 प्रतिशत अधिक है।

रेल मंत्रालय की तरफ से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से प्रमुख वस्तु खंडों के परिवहन में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण हुयी है। इसके अंतर्गत पिग आयरन और तैयार स्टील (16 प्रतिशत), लौह अयस्क (9.7 प्रतिशत), उर्वरक (10.6 प्रतिशत), कंटेनर (6.8 प्रतिशत), और शेष अन्य सामान (23.6 प्रतिशत) की ढुलाई शामिल हैं।

ज्ञात रहे कि नवंबर 2025 तक संचयी आधार पर माल ढुलाई 3.3 प्रतिशत बढ़कर 107.08 करोड़ टन हो गई है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 के केवल आठ महीनों में 2013-14 के पूरे वर्ष की तुलना में अधिक माल ढुलाई की है। उस वर्ष कुल ढुलाई 1,05.5 करोड़ टन थी।

देश की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक मार्ग में से एक भारतीय रेलवे, अभूतपूर्व पैमाने पर माल और लोगों को ले जाकर, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करके और उद्योगों को तेजी से और अधिक टिकाऊ रूप से विकसित करने में सक्षम बनाकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके साथ ही रेलवे प्रतिदिन दो करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाकर बड़ी और बढ़ती आबादी की गतिशीलता आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। इससे भारत के परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ मजबूत हो रही है।

यह निरंतर वृद्धि औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत कर रही है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार दोनों को सहारा दे रही है, और एक अधिक टिकाऊ, लागत-कुशल लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान कर रही है। रेल परिवहन की लागत सड़क परिवहन की तुलना में लगभग आधी होने के कारण, इस लागत लाभ का प्रभाव और भी बढ़ जाता है। इससे व्यवसायों के लिए पर्याप्त बचत होती है और व्यापक आर्थिक लाभ होता है।

जैसे-जैसे अधिक से अधिक थोक माल रेलवे की ओर बढ़ रहा है। इसके लाभ वाणिज्यिक प्रदर्शन से कहीं आगे तक बढ़ रहे हैं। रेल परिवहन कार्बन उत्सर्जन को कम करने के साथ राजमार्गों पर भीड़ कम करता है। इसके साथ ही एमएसएमई सहित उद्योगों को एक अधिक हरित और विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स विकल्प प्रदान करता है। यह बदलाव सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। माल ढुलाई को देश के शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों के साथ जोड़ता है और रेलवे को आर्थिक और पर्यावरणीय प्रगति के एक प्रमुख चालक के रूप में स्थापित करता है।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को सुदृढ़ और जीवंत कर रहा काशी तमिल संगमम : सीएम योगी

एजेंसी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम नमोघाट पर काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण का रिमोट से बटन दबाकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से अपने वोकेशनल एजुकेशन में तमिल, कन्नड़, मलयालम, तेलुगू, मराठी और बंगाली जैसी भाषाओं को सम्मिलित किया है। छात्र अपनी रुचि के अनुसार इनमें से किसी एक भाषा का चयन करेंगे और सरकार उसका पूरा व्यय वहन करेगी। तमिल भाषा इस संदर्भ में एक नया मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिवर्ष रामेश्वरम, मदुरै और कन्याकुमारी धाम के दर्शन के लिए जाते हैं। पर्यटन विभाग विशेष यात्रा कार्यक्रमों का आयोजन करेगा, जिनके माध्यम से श्रद्धालुओं को रियायती दरों पर इन पवित्र स्थलों का दर्शन कराया जाएगा। यह कार्यक्रम भारत के भविष्य में निवेश के समान है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में काशी तमिल संगमम्‍ भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुका है।

मुख्यमंत्री योगी ने वणक्कम काशी और हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ सभी अतिथियों का तमिल भाषा में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काशी तमिल संगमम्‍ का यह चौथा संस्करण एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को सुदृढ़ और जीवंत कर रहा है। उन्होंने कहा कि काशी और तमिल परंपरा के प्राचीन संबंधों के केंद्र में भगवान शिव हैं। इस संबंध-सेतु को आदि शंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में पवित्र पीठ स्थापित कर आगे बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का यह प्रवास काशी की शिवभक्ति, प्रयागराज का संगम और अयोध्या में धर्मध्वजा आरोहण के उपरांत प्रभु श्रीराम के दिव्य दर्शन का अद्वितीय आध्यात्मिक सौभाग्य प्रदान करेगा। यह आयोजन उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक और आध्यात्मिक साझेदारी को सशक्त करते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य के नए द्वार खोल रहा है। इस वर्ष की थीम ह्यतमिल सीखेंह्न प्रेरक है, जो ज्ञान, संस्कृति और भाषा के माध्यम से एक भारत-श्रेष्ठ भारत को और सुदृढ़ करेगी।

सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय उत्सव है काशी तमिल संगमम : उपराष्ट्रपति

कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने वर्चुअल माध्यम से काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण पर वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान शुरू हुआ यह आयोजन अब राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच बन चुका है। संगमम्‍ गंगा और कावेरी की संस्कृति को जोड़ते हुए उत्तर और दक्षिण की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री द्वारा हाल की मन की बात में कही गई इस टिप्पणी को याद किया कि यह संगम दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक और सबसे प्राचीन जीवित शहर का मिलन है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि तमिल भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर उसका उचित सम्मान मिल रहा है। उन्होंने इस वर्ष की थीम ₹आइए तमिल सीखें₹ को भाषाई और सांस्कृतिक सौहार्द बढ़ाने वाला बताया। तमिल भाषा सिखाने आए 50 हिंदीभाषी शिक्षकों की पहल की सराहना की, जो वाराणसी के 50 विद्यालयों में 1,500 छात्रों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। तेनकासी से काशी तक चल रही प्रतीकात्मक अगत्यर यात्रा को उन्होंने सांस्कृतिक संबंधों के पुनर्स्मरण का महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

एक जन-आंदोलन बन गया है काशी-तमिल संगममः प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि काशी पवित्रता, ज्ञान तथा अध्यात्म की धरती है। भारत की इन दोनों संस्कृतियों के बीच सदियों पुराना नाता रहा है। आप तमिलनाडु के किसी भी मंदिर या स्थान पर जाइए तो आप पाएंगे कि वहां पर विभिन्न स्थानों पर काशी विश्वनाथ महादेव का श्री विग्रह विद्यमान हैं। जिस प्रकार रामेश्ववरम के प्रति दक्षिण भारत में श्रद्धा है, काशी विश्वनाथ के प्रति भी लोगों में उसी प्रकार आस्था है। यही हमारी सभ्यता व संस्कृति की पहचान है। वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने उत्तर प्रदेश तथा तमिलनाडु के बीच एक ऐसा सेतु निर्मित किया है जो बौद्धिक आदान-प्रदान के साथ ही कई मायनों में विशिष्ट साबित हो रहा है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक और भाषायी विविधता हमारी शक्ति है।

वाराणसी में काशी तमिल संगम के चतुर्थ संस्करण के शुभारंभ समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रुप फोटोग्राफ भी खिंचवाई। उन्होंने प्रदर्शनी में शिरकत करते हुए विभिन्न स्टॉल्स का मुआयना किया। वहीं, मुख्य समारोह में सभी अतिथियों का शंख वादन तथा स्वस्ति वाचन से स्वागत किया गया। वेदमूर्ति देवव्रत रेखे तथा बालाजी बालू हरिदॉस को अंगवस्त्र व प्रतीक चिह्न देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सम्मानित किया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com